दिनमान — सूर्योदय 4.51 सूर्यास्त 6.22
तापमान — अधिकतम 36° न्यूनतम 29°

वर्ष 18, अंक 358 पृष्ठ 12
कोलकाता, मंगलवार, 16 जून 2026
ज्येष्ठ, शुक्लपक्ष, द्वितीया, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

107 दिन बाद जंग खत्म, अमेरिका-ईरान के बीच हुआ शांति समझौता

ट्रंप ने किया का ऐलान, शुक्रवार को लगेगी मुहर, कतर ने करवाई डील

नई दिल्ली: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जंग समाप्ति का ऐलान करते हुए लिखा कि ईरान के साथ समझौता पूरी तरह हो गया है. सभी को बधाई हो. उन्होंने आगे लिखा है कि अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुलेगा. उन्होंने कहा कि इसके अलावा वहां अमेरिकी नौसेना की घेरेबंदी भी खत्म होगी. इस डील पर शुक्रवार को स्विट्ज़रलैंड में मुहर लगेगी और ईरान की तरफ से भी इसका ऐलान कर दिया गया है. इस समझौते पर मुहर लगने के बाद दोनों देशों के बीच 60 दिनों का युद्धविराम (सीजफायर) शुरू हो जाएगा और दोनों में न्यूक्लियर समझौते के लिए बातचीत होगी.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर ट्रंप ने कहा कि मैं इस समझौते में शामिल सभी पक्षों को धन्यवाद कहता हूं. हालांकि, अभी इस डील को लेकर ईरान की तरफ से कुछ नहीं कहा गया है. ट्रंप के ऐलान के कुछ देर बाद ही दोनों देशों की बीच मध्यस्थता कर रहे पाकिस्तान ने भी समझौते के कंप्लीट होने की बात कही है. ट्रंप ने कहा कि मैं स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के टोल फ्री ओपनिंग का ऐलान करता हूं. इसी के साथ मैं अमेरिकी नौसेना को होर्मुज से हटा रहा हूं.

दुनिया के जहाज अब अपना इंजन स्टार्ट कर लें. अब तेल के कारोबार को होने दो. ट्रंप ने एक दूसरे पोस्ट में बताया है कि होर्मुज शुक्रवार से खुलेगा जब इस समझौते पर औपचारिक रूप से मुहर लग जाएगी. ईरान के उप-विदेश मंत्री ने कहा कि शुक्रवार को होने जा रहे समझौते (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) के बाद तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली 60 दिन की बातचीत इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका तीन वादे पूरे करे, खासकर ईरान के फ्रीज (जब्त) किए गए अरबों डॉलर के फंड को जारी करना. ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, काजेम गरीबाबादी ने कहा कि इन वादों में नौसैनिक नाकेबंदी हटाना और खत्म करना, युद्ध और सैन्य अभियानों की स्थिति खत्म करना और ईरान के फ्रीज किए गए फंड को जारी करना शामिल हैं. गरीबाबादी ने कहा, 60 दिन की बातचीत शुरू होना इस बात पर निर्भर करता है कि अमेरिका अपने वादों को पूरा करे.

उन्होंने आगे कहा कि जब ईरान इन कदमों, खासकर वित्तीय वादों के पूरे होने की पुष्टि कर लेगा, तो तुरंत तकनीकी वर्किंग-ग्रुप की बातचीत शुरू हो जाएगी. पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने इस डील के होने के बाद एक्स पर लिखा कि काफी लंबी बातचीत के हमें इस बात की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है. दोनों पक्ष लेबनान सहित सभी मोर्चों पर तत्काल और स्थायी तौर पर युद्ध रोकने पर सहमत हो गए हैं. 107 दिन बाद खत्म अमेरिका-ईरान जंग! ट्रंप ने किया शांति समझौते का ऐलान, शुक्रवार को लगेगी मुहरअमरेका ने ईरान के साथ समझौते का किया है ऐलान. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ढींिंह पर इसकी घोषणा की. उन्होंने साथ ही कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज भी खुलेगा.

शेयर मार्केट में तेजी, सेंसेक्स 736 अंक चढ़कर 76,264 पर बंद

मुंबई: ईरान-अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते की खबरों से शेयर बाजार में आज यानी 15 जून को बढ़त रही. सेंसेक्स 736 अंक की तेजी के साथ 76,264 पर बंद हुआ. निफ्टी में भी 231 अंक की तेजी रही, ये 23,853 के स्तर पर बंद हुआ. रियल्टी, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंकिंग शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी हुई. इधर, होर्मुज स्ट्रेट को खोले जाने की खबर के चलते ब्रेंट क्रूड यानी कच्चे तेल के दाम में आज 4% की गिरावट है. यह 83 प्रति बैरल पर आ गया है.

डीआरडीओ ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया

रडार को चकमा, दूर से सटीक वार

भुवनेश्वर: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सोमवार को ओडिशा तट के पास डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया. एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है. एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर द्वारा तैनात विभिन्न ट्रैकिंग उपकरणों द्वारा कैप्चर किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस परीक्षण के सभी उद्देश्य पूरी तरह से सफल रहे. यह लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पूरी तरह से एक स्वदेशी मिसाइल है. इसके सभी सब-सिस्टम को विभिन्न डीआरडीओ लैब और भारतीय उद्योग भागीदारों द्वारा विकसित किया गया है. बेंगलुरु स्थित वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान इस परियोजना की नोडल प्रयोगशाला है. इस सफल परीक्षण के साक्षी डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारी और भारतीय नौसेना व भारतीय वायु सेना के उपयोगकर्ता प्रतिनिधि भी बने. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एलआरएलएसीएम के सफल उड़ान परीक्षण पर डीआरडीओ की टीम को बधाई दी है. वहीं, रक्षा सचिव और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने लॉन्च के दौरान सभी गतिविधियों की निगरानी की.

कोलकाता नगर निगम चुनाव का ऐलान, 7 दिसंबर तक नया बोर्ड : सीएम शुभेंदु

- हम पिछले दरवाजे से निगम पर कब्जा नहीं करना चाहते
- नगर निगम प्रशासन राजनीति से ऊपर उठकर काम करे

कोलकाता: कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के चुनाव इस साल 7 दिसंबर से पहले करा लिए जाएंगे. यह फैसला भाजपा सरकार की उस मंशा को दर्शाता है जिसमें वे शहर में फिर से एक चुनी हुई संस्था बनाना चाहते हैं. हाल ही में मेयर फिरहाद हकीम के इस्तीफे के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नियंत्रण वाले इस बोर्ड को भंग कर दिया गया था.कोलकाता नगर निगम मुख्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल निगम एक प्रशासक के अधीन है. उन्होंने इसे प्रशासनिक गतिरोध बताया. मुख्यमंत्री के अनुसार, मेयर के इस्तीफे के बाद निगम में कामकाज रुक गया था. सरकार ने नया बोर्ड बनाने के लिए तीन दिन का समय दिया था. जब वे नया बोर्ड नहीं बना पाए, तो सरकार ने इसे भंग कर दिया और एक प्रशासक नियुक्त कर दिया. अब दिसंबर के पहले हफ्ते तक चुनाव कराकर निगम की कमान फिर से चुने हुए प्रतिनिधियों को सौंप दी जाएगी.

शुभेंदु अधिकारी ने साफ किया कि वह पिछले दरवाजे से निगम पर कब्जा नहीं करना चाहते. उन्होंने कहा कि नगर निगम की सेवाएं आपातकालीन सेवाओं की तरह होती हैं. उन्होंने यह भी कहा कि अगर बहुमत वाली पार्टी (ढचउ) अपना नया मेयर तय नहीं कर पा रही है, तो इसमें राज्य सरकार कुछ नहीं कर सकती.यह घोषणा 'स्वच्छता के स्वागत' अभियान की शुरुआत के दौरान हुई. यह सफाई अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोलकाता यात्रा की तैयारियों के लिए शुरू किया गया है. प्रधानमंत्री इस महीने के अंत में रेड रोड पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल होंगे.राज्य में भाजपा की चुनावी जीत के बाद राजनीतिक माहौल बदल गया है. इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ मंच पर पूर्व मेयर फिरहाद हकीम, टीएमसी सांसद माला रॉय और विधायक संदीपान साहा भी मौजूद थे. मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि नगर निगम के प्रशासन को राजनीति से ऊपर उठकर काम करना चाहिए. उन्होंने कहा कि राजनीति केवल चुनाव के समय होनी चाहिए और बाकी समय सबको मिलकर विकास के लिए काम करना चाहिए. मुख्यमंत्री के रूप में निगम मुख्यालय का यह उनका पहला आधिकारिक दौरा था. आईएएस अधिकारी स्मिता पांडे को नगर निगम प्रशासक बनाया गया है. टीएमसी साल 2010 से लगातार इस निगम की सत्ता में थी.इस अवसर पर पार्षद अनन्या बनर्जी, जुई विश्वास, पूर्व विधायक देबाशीष कुमार सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे. कार्यक्रम में राज्य मंत्री शशि पांजा की बेटी और मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के पुत्र की उपस्थिति भी चर्चा का विषय रहा.

बंगाल में नहीं कम हो रही तृणमूल नेताओं की मुश्किलें

अब कुणाल घोष पर अंडों से प्रहार

युवक का आरोप- उन्होंने हमारे साथ बहुत बुरा किया

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस जहां पार्टी को छोड़कर जाने वालों की मुश्किलों से घिरी है, वहीं उसके नेताओं के प्रति आम जन का गुस्सा लगातार बढ़ता दिख रहा है. अब तक टीएमसी के कई नेता आम जनता के गुस्से का शिकार बन चुके हैं. इस सूची में नया नाम टीएमसी विधायक कुणाल घोष का जुड़ा है.दरअसल, कोलकाता में पार्टी चेयरपर्सन ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद उनके घर से निकल रहे कुणाल घोष पर एक स्थानीय युवक ने अंडा फेंका. वहीं इस मामले में चंदन नाम के युवक ने बताया कि, 'उन्होंने लोगों पर बहुत जुल्म किए हैं. कुणाल घोष भी कम नहीं हैं. इसलिए, वे इसी के लायक हैं... उन्होंने हमारे साथ बहुत बुरा किया है'. इस घटना के बाद कुणाल घोष ने कहा, 'मैं ममता बनर्जी के घर पर हमारे सीनियर नेताओं के साथ मीटिंग के लिए गया था. निकलते समय पत्रकारों ने मुझे रोका और मैं उनके सवालों का जवाब दे रहा था. यह पूरी घटना आपके कैमरों में कैद हो गई है. मैं वहां बिना किसी हथियार के खड़ा था, इसलिए आसानी से निशाना बन गया. वहां दो युवक थे. एक की पहचान हो गई है. उनमें से एक ने मुझ पर अंडा फेंका. मैंने आखिरी पल में अपना चेहरा घुमा लिया; वरना, वह मेरे चश्मे के शीशे पर लग सकता था और मेरी आंख में चोट लग सकती थी'.

बता दें कि इससे पहले भी टीएमसी नेताओं पर इस तरह ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें टीएमसी के नेताओं पर अंडे फेंके गए. हाल ही में कामरहाटी के अरियादहा इलाके में विधायक मदन मित्रा के काफिले पर अंडे फेंके और उनके खिलाफ नारेबाजी की थी. वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेता सब्यसाची दत्ता जो रंगदारी और आपराधिक धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किए गए थे. कोर्ट में पेशी के दौरान उन पर टमाटर और अंडे फेंके गए थे.

काकोली घोष दस्तीदार एनसीपीआई की अध्यक्ष

बागियों ने 20 सांसदों के विलय की जानकारी ईसी को दी

कोलकाता: सांसद काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में रविवार को टीएमसी के 20 बागी सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय करने का ऐलान किया. बागी सांसदों ने लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और उन्हें पत्र देकर इसकी सूचना दी और लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस से अलग बैठने की मांग की. अब सोमवार को एनसीपीआई ने टीएमसी के बागी गुट के विलय और काकोली घोष के अध्यक्ष चुने जाने की जानकारी चुनाव आयोग को दे दी है. सूत्रों का कहना है कि एनसीपीआई में कोई भ्रम की स्थिति नहीं है. पार्टी की अध्यक्ष शिउली कुंडू ने 28 मई 2026 को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ-साथ अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया था. जानकारी के मुताबिक काकोली घोष दस्तीदार ने 18 मई 2026 की तारीख का टीएमसी से अलग गुट होने का पत्र स्पीकर को भेजा था.

भारत-स्लोवाकिया के बीच कई अहम समझौते

टेक्नोलॉजी हमारे संबंधों का आधार : पीएम मोदी

ब्रातिस्लावा: भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्लोवाकियाई समकक्ष रॉबर्ट फिचो के बीच ब्रातिस्लावा कैसल में अहम मुलाकात हुई. दोनों के अहम बैठक हुई, जिसके बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया. प्रेस को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इस दौरे को ऐतिहासिक बताया और भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया की मदद का आभार भी जताया.

पीएम मोदी ने कहा, हमारे आत्मीयता भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं. प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको अनुभवी नेता होने के साथ भारत के सच्चे मित्र हैं. भारत स्लोवाकिया के संबंधों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में उनकी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता का विशेष महत्व रहा है. मुझे खुशी है कि आज उनसे मिलकर हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने का शुभ अवसर मिला. मेरी ये यात्रा किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है. पीएम मोदी ने कहा कि, इंडिया-ईयू, एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का विशेष आभार व्यक्त करता हूं.

हम इसके जल्द से जल्द इम्प्लीमेंटेशन के लिए काम करेंगे ताकि दोनों देशों के उद्योग, स्टार्टअप्स और ट्रेडर्स इसका अधिकतम लाभ उठा सकें. टेक्नोलॉजी हमारी भावी साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ है. डिजिटल टेक्नोलॉजी पर आज किए गए समझौते इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग की नई संभावनाएं बनाएंगे. मुझे खुशी है कि स्लोवाकिया की एक यूनिवर्सिटी में एआई के विषय पर इंडिया चेयर स्थापित की जा रही है. एआई मानवता की सेवा और प्रगति का सशक्त माध्यम बने, यही हमारी साचा सोच है. हमारा मानना है कि एआई का भविष्य केवल इनोवेशन से नहीं बल्कि ट्रस्ट, रिस्पॉन्सिबिलिटी और ह्यूमन डिग्निटी पर आधारित होना चाहिए. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सिविल न्यूक्लियर एनर्जी भी दोनों देशों के लिए मुख्य प्राथमिकता का क्षेत्र है.

मोदी को स्लोवाकिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

नार्वे के बाद स्लोवाकिया ने भी अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)' से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है. यह किसी विदेशी राष्ट्र द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिया गया 33वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है. स्लोवाकिया सरकार ने यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को भारत और स्लोवाकिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने,वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाने तथा अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उनके योगदान के लिए प्रदान किया.

जेपी नड्डा के काफिले पर हुए हमले की फाइल दोबारा खुली

कोलकाता: पुलिस ने बंगाल के डायमंड हार्बर में 2020 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर हुए हमले के मामले की फाइल दोबारा खोल दी है. पुलिस अधिकारियों का दावा है कि उस समय जांच में कई महत्वपूर्ण पहलुओं की ठीक से पड़ताल नहीं हुई थी, जिसके कारण आरोपितों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी.नड्डा के काफिले पर हमले की एफआइआर में टीएमसी नेता जहांगीर खान का नाम भी शामिल था. पुलिस अब इस मामले से जुड़े सभी तथ्यों और आरोपितों की भूमिका की फिर से जांच कर रही है. बता दें कि यह हमला दिसंबर 2020 में दक्षिण 24 परगना जिले के शिराकोल इलाके में उस समय हुआ था, जब नड्डा एक राजनीतिक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे. उनके साथ भाजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष और भाजपा नेता सुकांत मजूमदार भी मौजूद थे. घटना के बाद दिलीप घोष ने दावा किया था कि यदि काफिले में बुलेटप्रूफ वाहन नहीं होता तो जानमाल का गंभीर नुकसान हो सकता था.

केरलमवासी की बंगाल में हत्या पर भड़के केसी वेणुगोपाल

कहा : जब भीड़ खुद सजा देने लगे तो...

नयी दिल्ली: कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में केरल के एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से तत्काल हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है. वेणुगोपाल ने सोमवार को लिखे अपने पत्र में कहा कि पश्चिम बंगाल में कुलतली के एक क्षेत्र में केरल के एक व्यक्ति की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या की है. इस घटना को दुखद और चिंताजनक बताते हुए उन्होंने कहा कि भीड़तंत्र और कानून को हाथ में लेने की बढ़ती प्रवृत्ति कानून के शासन के लिए गंभीर खतरा है. कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में कहा कि मृतक काम के सिलसिले में अपने एक परिचित से मिलने इस क्षेत्र में आया था.

काक्रोच पार्टी के अभिजीत दीपके की पब्लिक पिटाई

जयपुर: कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ जयपुर में प्रदर्शन के दौरान धक्का-मुक्की और हंगामे की घटना सामने आई है. सोमवार को शहीद स्मारक पर आयोजित विरोध-प्रदर्शन के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने अभिजीत दीपके को थप्पड़ मार दिए. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जिसके बाद पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया. घटना के बाद कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया. पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाया. फिलहाल घटना को लेकर पुलिस की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है. कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, बेरोजगारी और अन्य छात्र-युवा मुद्दों को लेकर प्रदर्शन आयोजित किया गया था. प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठाई गई.

तृणमूल के बागी गुट के विलय वाली पार्टी के खाते में कभी थे 75 रुपये

कहानी में मोड़ : पार्टी हेड शांतनु को विलय की जानकारी खबरों से मिली ■ विलय के बाद देश की पांचवी सबसे बड़ी पार्टी बन जायेगी एनसीपीआई

नई दिल्ली/कोलकाता: पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों तक शासन करने वाली तृणमूल कांग्रेस टूट चुकी है, उसके बागी सांसदों ने त्रिपुरा की एनसीपीआई का दामन थाम लिया है. लेकिन इसके साथ ही एनसीपीआई के उद्भव की चर्चा तेज हो गई है. एक वक्त पर एनसीपीआई के खाते में सिर्फ 75 रुपये हुआ करते थे और अब वो देश की पांच प्रमुख पार्टियों के रूप (सांसदों की संख्या के अनुसार) में स्थापित हो सकती है. उल्लेखनीय है कि जिस तृणमूल को छोड़कर सांसद गये हैं, उसके बैंक खातों में लगभग 680 से 876 करोड़ तक की कुल संपत्ति (बैंक बैलेंस) है, जिसमें फिक्सड डिपॉजिट के रूप में करीब 250 करोड़ शामिल हैं. पार्टी की कुल संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से भी अधिक आंकी गई है. चंदे के मामले में भाजपा के बाद तृणमूल सबसे अधिक संपन्न पार्टी है. टीएमसी के बागी 20 सासंदों का नेशनलिस्ट सिटीजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में विलय के एलान के बाद यह पार्टी लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है. कल तक गुमनाम यह पार्टी देश की पांचवी सबसे बड़ी पार्टी बन जायेगी.

कहानी में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब जिस पार्टी में विलय का दावा किया गया, उसके संस्थापक और राष्ट्रीय संगठन सचिव शांतनु दे ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए मिली. शांतनु दे ने कहा कि उन्हें अब तक इस संबंध में कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई है. उन्होंने कहा कि उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम के बारे में खबरों के माध्यम से जाना, हालांकि अगर कोई बातचीत करना चाहता है तो वह उसके लिए तैयार हैं. उनका कहना था कि किसी भी राजनीतिक विस्तार का स्वागत किया जा सकता है, लेकिन उसके लिए संवैधानिक और संगठनात्मक प्रक्रिया का पालन जरूरी है. शांतनु दे ने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी अध्यक्ष द्वारा इस फैसले पर उनसे अब तक कोई चर्चा नहीं की गई. उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे बातचीत होगी और यदि जरूरत पड़ी तो दिल्ली जाकर संबंधित नेताओं से मुलाकात भी की जाएगी. साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी जल्द इस पूरे मामले पर अपना आधिकारिक पक्ष प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए सामने रख सकती है.

'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) के फेसबुक पेज पर पश्चिम बंगाल लोकसभा सीट-पार्टी-वार ब्योरा नाम से एक पोस्ट है. इसमें दिखाया गया है कि संसद के निचले सदन (लोकसभा) में पार्टी के 20 सदस्य हैं. सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 12 और राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आठ सदस्य हैं. कांग्रेस का एक सदस्य है और एक सीट (बसीरहाट) मौजूदा सदस्य की मौत के बाद खाली है. विलय पूरा होनेपर एनसीपीआई लोकसभा में पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी बन जायेगी और भाजपा, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और डीएमके के बाद पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी, बशर्ते स्पीकर इसे मंजूरी दें. जनवरी 2023 में रजिस्टर्ड यह पार्टी अभी भारत के चुनाव आयोग के पास रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी के तौर पर दर्ज है. इस तरह से यह कानूनी रूप से पंजीकृत पार्टी तो है, लेकिन इसे राज्य या राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर मान्यता नहीं मिली है.

आर्थिक रूप से उपलब्ध रिकॉर्ड बताते हैं कि पार्टी को कुल 1.13 लाख रुपए का चंदा मिला था. कभी उसके खाते में सिर्फ 75 रुपये थे. रिपोर्टों के अनुसार, यह पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बांकरा शहर के एक पते पर रजिस्टर्ड है. कहा जाता है कि पार्टी त्रिपुरा में कुछ सामाजिक गतिविधियों में शामिल रही है और उसने 2023 के विधानसभा चुनावों में कुछ सीटों पर चुनाव भी लड़ा था, लेकिन चुनावी तौर पर कोई खास असर नहीं डाल पाई. पार्टी की कोषाध्यक्ष शेवली कुंडू भी पश्चिम बंगाल में एक ही पते पर रजिस्टर्ड सामाजिक संगठनों और निजी कंपनियों से जुड़ी हुई हैं.

आंधी-बारिश में गाड़ी पर पेड़ गिरने पर मुआवजा नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : आंधी - पानी का मौसम हो या तेज धूप में छांव की खोज हो.. आपने भी कई बार किसी बड़े पेड़ के नीचे गाड़ी खड़ी की होगी. ऐसा करना खतरनाक तो है ही, गाड़ी के उपर पेड़ गिर जाने की हालत में गाड़ी को नुकसान पहुचंने पर, सड़क दुर्घटना मुआवजा एमएसीटी क्लेम्स के तहत भी सही नही हैं. ऐसे मामलों में जो सड़क दुर्घटना मुआवजा दावों से जुड़े हैं, सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए साफ किया है कि हर वह घटना, जिसमें कोई पेड़ गाड़ी के उपर गिरे और गाड़ी को नुकसान पहुंचाए, मोटर वाहन दुर्घटना नहीं मानी जा सकती.यह घटना साल 2007 में घटी थी. के. के. उमेश कुमार नामक व्यक्ति बेंगलुरु में ऑटो-रिक्शा से यात्रा कर रहे थे. रास्ते में तेज बारिश शुरू होने पर ऑटो चालक ने वाहन को सड़क किनारे एक पुराने पेड़ के नीचे रोक दिया. इसी दौरान पेड़ की एक बड़ी शाखा टूटकर ऑटो पर गिर गई, जिससे यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया.

मालदा जिला परिषद में तृणमूल के भीतर बगावत

सभाधिपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

मालदा : जिले की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहां तृणमूल कांग्रेस के अंदर ही गंभीर अस्थिरता देखने को मिली है.
सोमवार को पार्टी के 17 जिला परिषद सदस्यों ने मालदा जिला परिषद की सभाधिपति लिपिका बर्मन घोष और सहकारी सभाधिपति एटीएम रफीकुल हुसैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दाखिल किया.इस घटनाक्रम से मालदा के राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है.
अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले सदस्यों का आरोप है कि सभाधिपति सभी को साथ लेकर चलने में असफल रही है. उनका कहना है कि पार्टी के भीतर समन्वय की कमी और कार्यशैली को लेकर मतभेद के कारण यह कदम उठाना पड़ा.
सोमवार को असंतुष्ट सदस्य मालदा डिविजनल कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और औपचारिक रूप से प्रस्ताव जमा किया.
गौरतलब है कि मालदा जिला परिषद में कुल 43 सीटें है. पिछले पंचायत चुनाव में तृणमूल ने 34 सीटों पर जीत हासिल की थी, जिसके आधार पर लिपिका बर्मन घोष को सभाधिपति और एटीएम रफीकुल हुसैन को सहकारी सभाधिपति बनाया गया था. वहीं कांग्रेस ने पांच और भाजपा ने चार सीटें जीती थी.

हाई कोर्ट के निर्देश पर अवैध निर्माण पर निगम का चला हथौड़ा

सिलीगुड़ी : उत्तर बंगाल राज्य परिवहन निगम (एनबीएसटीसी) की शिकायत के बाद हाई कोर्ट के निर्देश पर सिलीगुड़ी नगर निगम ने अवैध निर्माण को तोड़ दिया है. लंबे समय से लंबित इस मामले में सोमवार सुबह नगर निगम की टीम जेसीबी और हथौड़ा लेकर मौके पर पहुंची और अवैध हिस्से को ध्वस्त कर दिया.मामला मल्लागुड़ी स्थित विश्वदीप सिनेमा हॉल के पास एनबीएसटीसी बस डिपो से सटे एक तीन मंजिली इमारत का है. एनबीएसटीसी प्रबंधन ने आरोप लगाया था कि इमारत का एक हिस्सा उनकी लगभग एक फीट जमीन पर अवैध रूप से बना हुआ है. इसको लेकर मामला लंबे समय तक अदालत में चला.करीब तीन महीने पहले नगर निगम ने बिल्डिंग मालिक को नोटिस जारी कर अवैध हिस्से को हटाने का निर्देश दिया था. लेकिन तय समय में कार्रवाई नहीं होने पर निगम ने खुद ही अभियान चलाकर करीब छह फीट हिस्से में बने अवैध निर्माण को तोड़ दिया.वहीं, बिल्डिंग मालिक ने नगर निगम और एनबीएसटीसी की कार्रवाई पर सवाल उठाए है. उनका कहना है कि शिकायत सिर्फ एक फीट जमीन को लेकर थी, जिसे उन्होंने पहले ही दीवार तोड़कर खाली कर दिया था. इसके बावजूद बिना पूर्व सूचना के छह फीट हिस्से को तोड़ दिया गया, जो अन्यायपूर्ण है.वहीं, सिलीगुड़ी नगर निगम का कहना है कि अदालत के आदेश का पालन करते हुए यह कदम उठाया गया है.

हाट्टन रोड से इस्माइल मोड़ तक चला नगर निगम का बुलडोजर

पश्चिम बर्दवान : आसनसोल नगर निगम ने सोमवार को शहर के व्यस्त बाजार क्षेत्र हाट्टन रोड से इस्माइल मोड़ तक अतिक्रमण हटाने के लिए बड़ा अभियान चलाया. सड़क के दोनों किनारों पर अवैध रूप से बने ढांचे और दुकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई. लंबे समय से लंबित यह अभियान आखिरकार प्रशासनिक सख्ती के साथ शुरू हुआ.कार्रवाई की पूर्व सूचना मिलने के बाद सुबह से ही इलाके में हलचल देखी गई. नगर निगम का बुलडोजर पहुंचते ही कई दुकानदारों ने स्वयं ही अपने अस्थायी ढांचे और सामान हटाने शुरू कर दिए. कुछ व्यापारियों ने कार्रवाई से पहले ही अपनी दुकानें खाली कर दी थीं.अभियान को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए सुबह से जीटी रोड और इस्माइल मोड़ की ओर से हाट्टन रोड पर यातायात नियंत्रित किया गया. मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा और प्रशासन की निगरानी में अतिक्रमण हटाने का कार्य किया गया.बताया गया कि हाट्टन रोड को अतिक्रमण मुक्त करने की योजना लंबे समय से लंबित थी. पूर्व में कई बार कार्रवाई की घोषणा की गई, लेकिन विभिन्न कारणों से इसे लागू नहीं किया जा सका. इस बार नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए अभियान को अमलीजामा पहनाया.नगर निगम सूत्रों के अनुसार, अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी जारी रहेगा. प्रशासन का मानना है कि हटन रोड शहर के सबसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्रों में शामिल है और सड़क तथा फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण आम लोगों और वाहन चालकों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ता था. अभियान के बाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और आवागमन में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है.

मारपीट और घर में तोड़फोड़, चुनाव बाद हिंसा और वसूली के आरोप में तृणमूल नेता गिरफ्तार

हुगली : मारपीट, घर में तोड़फफोड़, चुनाव बाद हिंसा तथा कथित वसूली के आरोपों में तृणमूल कांग्रेस के आरामबाग संगठनात्मक जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के महासचिव मोइदुल इस्लाम खान उर्फ संजय खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्राप्त शिकायतों और विशिष्ट आरोपों के आधार पर रविवार को गोघाट थाना पुलिस ने मोइदुल इस्लाम खान को गिरफ्तार किया. सोमवार को उन्हें आरामबाग महकमा अदालत में पेश किया गया.जानकारी के अनुसार, मोइदुल इस्लाम खान का नाम वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा की घटनाओं में भी सामने आया था. इसके अलावा वर्ष 2024 में गोघाट थाने की एक महिला सब-इंस्पेक्टर ने भी उनके खिलाफ दुष्कर्म, धमकी और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए थे.आरोप है कि गोघाट थाने की महिला अधिकारी को मोइदुल उर्फ संजय खान ने उंगली दिखाकर दुष्कर्म की धमकी दी थी तथा उनका कॉलर पकड़कर धक्का-मुक्की भी की थी. हालांकि राजनीतिक प्रभाव के कारण उस समय पुलिस उनके खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर सकी थी.मोइदुल इस्लाम खान को तृणमूल कांग्रेस के आरामबाग संगठनात्मक जिलाध्यक्ष तथा तारकेश्वर के पूर्व विधायक रामेंदु सिंह राय का करीबी माना जाता है.

राज्यभर में जनकल्याण शिविरों की शुरुआत

जलपाईगुड़ी : राज्य सरकार की पहल पर सोमवार से जनकल्याण शिविरों की शुरुआत हो गई. इसी क्रम में जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज विधानसभा क्षेत्र में पहले दिन ही भारी भीड़ देखने को मिली. राजगंज बीडीओ कार्यालय के पास स्थित फायर ब्रिगेड ग्राउंड में आयोजित इस शिविर में सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है.प्रशासन की ओर से कुल 20 कैंपों के माध्यम से 54 प्रकार की सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराई गई. इनमें आयुष्मान भारत योजना के काउंटर पर सबसे अधिक भीड़ देखी गई.उन्होंने विभिन्न सेवा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आम लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुविधाओं की जानकारी भी ली.प्रशासन के अनुसार, इन शिविरों का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को सीधे लोगों तक पहुंचाना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है.

जनकल्याण शिविर का निरीक्षण करने गोघाट पहुंचे राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य

हुगली : पश्चिम बंगाल सरकार की 'जनकल्याण शिविर' योजना के तहत आम लोगों तक सरकारी सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित शिविरों का दौर पूरे राज्य में जारी है. इसी क्रम में सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं श्रम विभाग के राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने गोघाट-1 प्रखंड में चल रहे जनकल्याण शिविर का दौरा किया.गोघाट-1 बीडीओ कार्यालय परिसर में आयोजित इस शिविर में पहुंचकर मंत्री ने विभिन्न सेवा काउंटरों का निरीक्षण किया तथा उपस्थित अधिकारियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया. उन्होंने शिकायत निवारण, विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन और सेवाओं के वितरण की गति सहित विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली.निरीक्षण के दौरान मंत्री ने शिविर में पहुंचे लोगों से भी संवाद किया और यह जानने का प्रयास किया कि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना तो नहीं करना पड़ रहा है. उन्होंने यह भी देखा कि कोई पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित तो नहीं रह गया है.राज्य सरकार का दावा है कि जनकल्याण शिविरों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को सीधे सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है. हालांकि विपक्ष का आरोप है कि सूचना के अभाव, दस्तावेजी जटिलताओं और प्रशासनिक खामियों के कारण अब भी कई जरूरतमंद लोग योजनाओं का लाभ पाने से वंचित हैं.उधर, शिविर में सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ देखी गई. विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग आवश्यक दस्तावेजों के साथ कतारों में खड़े नजर आए.

तृणमूल के बागी सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने के बाद पार्टी कार्यालय की सुरक्षा बढ़ी

हावड़ा : हावड़ा के हाटगाछा-बाणीपुर इलाके में स्थित एनसीपीआई कार्यालय के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है. किसी भी अप्रिय घटना से निबटने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की गयी है.जानकारी के अनुसार, जिस कार्यालय को वर्तमान में एनसीपीआई का कार्यालय है, वहां पहले एक एनजीओ का कार्यालय था. त्रिपुरा में रजिस्टर्ड इस पार्टी ने वर्ष 2023 में पश्चिम बंगाल में हुए पंचायत चुनाव में अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था.एनसीपीआई नेता शिउली कुंडू की बड़ी बेटी दीपनिता कुंडू ने बताया कि पार्टी का कार्यालय वर्ष 2022 से है. वर्ष 2023 में उन्होंने संकराईल में जोरहाट ग्राम पंचायत के लिए एनसीपीआई की तरफ से पंचायत चुनाव लड़ा था, लेकिन वह हार गयी थी.इस पार्टी ने वर्ष 2023 में त्रिपुरा की चार विधानसभा सीटों पर भी भाग्य आजमाया था. वहां भी उसके सभी उम्मीदवार पराजित हो गये थे. पार्टी का प्रदर्शन बहुत खराब था. सभी सीटों पर उसे नोटा (के आसपास ही वोट मिल पाये थे. अचानक यह पार्टी बंगाल में सबसे ज्यादा सांसदों वाली पार्टी बन गयी है.

उत्तर बंगाल पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने की तैयारी, मंत्री शंकर घोष ने दिए बड़े संकेत

सिलीगुड़ी :. राज्य के नए पर्यटन मंत्री शंकर घोष ने सिलीगुड़ी में औपचारिक रूप से पर्यटन विभाग का कार्यभार संभाल लिया. सोमवार को शहर के मैनाक टूरिज्म प्रॉपर्टी स्थित कार्यालय पहुंचकर उन्होंने जिम्मेदारी ग्रहण की, जहां विभागीय अधिकारियों ने उनका स्वागत किया.कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री शंकर घोष ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य उत्तर बंगाल के पर्यटन को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाना है. जबकि पूरे राज्य के पर्यटन उद्योग को अधिक आकर्षक बनाना है. उन्होंने कहा कि हम बंगाल के पर्यटन को इस तरह प्रस्तुत करना चाहते हैं कि यह दुनिया के नक्शे पर एक खास स्थान बना सके.मंत्री ने 17 जून को होने वाली एक अहम बैठक का जिक्र करते हुए बताया कि पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए कई नए प्रस्ताव तैयार किए गए है, जिन्हें बाद में राज्य मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा.उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासनिक पहल का आश्वासन दिया. खासकर घुम से दार्जिलिंग तक सड़क पर लगने वाले जाम को बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि इस पर जिला प्रशासन के साथ चर्चा हो चुकी है

दुर्गापुर में छिपा कुख्यात अपराधी, पीके की गिरफ्तारी से कई बड़े खुलासों की उम्मीद

पश्चिम बर्दवान : भाटपाड़ा पुलिस को अपराध नियंत्रण अभियान में बड़ी सफलता मिली है. लंबे समय से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी शाहजहां अली उर्फ सिराज अहमद उर्फ पीके को दुर्गापुर से गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस अब आरोपित से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और आपराधिक गतिविधियों की जांच में जुट गई है.
सोमवार को भाटपाड़ा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी शाहजहां अली उर्फ सिराज अहमद उर्फ पीके को दुर्गापुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया. आरोपित कई गंभीर मामलों में वांछित बताया जा रहा था.पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपित पर हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, हथियारों से जुड़े अपराध और धमकी देने जैसे कई गंभीर आरोप दर्ज हैं. बताया गया कि वह लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस से बच रहा था. सूचना पाकर भाटपाड़ा पुलिस ने विशेष टीम बनाकर कार्रवाई की और दुर्गापुर क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई. गोपनीय तरीके से अभियान चलाकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया.गिरफ्तारी के बाद आरोपित को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में पेश किया गया. पुलिस हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की मांग की गई है. पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपित को किन लोगों का सहयोग मिल रहा था और वह इतने दिनों तक किन जगहों पर छिपा रहा.स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि इससे इलाके में कानून व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी.

ठेकेदारों से वसूली के आरोप में तृणमूल नेता का बेटा गिरफ्तार, पांच दिन की पुलिस हिरासत

बांकुड़ा : जिले में सरकारी ठेकेदारों को डराकर महीनों तक लाखों रुपये वसूली करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है. आरोपित की पहचान अनिंद्य राय के रूप में हुई है, जो ताराशंकर राय के बेटे बताए जा रहे हैं. सोमवार को आरोपित को खातड़ा महकमा अदालत में पेश किया गया. अदालत ने मामले की जांच के लिए उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित के खिलाफ तालडांगरा थाना में शिकायत दर्ज कराई गई थी. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने रविवार रात विशेष सूचना के आधार पर कोलकाता में छापेमारी कर अनिंद्य राय को गिरफ्तार कर लिया.शिकायतकर्ता का आरोप है कि अनिंद्य राय ने अपने माता-पिता के राजनीतिक पद और प्रभाव का इस्तेमाल कर बांकुड़ा जिले के कई सरकारी ठेकेदारों को डराया-धमकाया और उनसे लाखों रुपये वसूले.वहीं, आरोपित पक्ष के वकील चंचल राय ने कहा कि यह मामला राजनीतिक कारणों से दर्ज कराया गया है. उनका कहना है कि शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में लिखा है कि वह लंबे समय से डर की वजह से शिकायत नहीं कर पाए थे. ऐसे में यह भी जांच होनी चाहिए कि कहीं किसी दबाव में आकर यह शिकायत तो नहीं की गई.

न्यूज कॉर्नर

स्वास्थ्य विभाग में 18 लाख की हेराफेरी का आरोप, अकाउंट्स मैनेजर फरार

दक्षिण दिनाजपुर :कुमरगंज ब्लॉक स्वास्थ्य विभाग में सरकारी धन के गबन का बड़ा मामला सामने आया है. विभाग के अकाउंट्स मैनेजर प्रदीप्ता पाल पर करीब 18 लाख रुपये अपने निजी खाते में ट्रांसफर करने का आरोप लगा है. आरोपित फिलहाल फरार बताया जा रहा है.जानकारी के अनुसार, आरोपित लंबे समय से कुमरगंज ब्लॉक स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत था.विभागीय जांच की रिपोर्ट सामने आने के बाद बीते शुक्रवार को ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी तापस तालुकदार ने कुमरगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर शनिवार को पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी.इस घोटाले का खुलासा अप्रैल की शुरुआत में हुआ, जब तत्कालीन ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी सौमित्र साह ने खातों में करीब एक लाख रुपये की गड़बड़ी देखी. इसके बाद मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई और विभागीय जांच शुरू की गई. जिला अकाउंट्स विभाग की रिपोर्ट में सामने आया कि आरोपितने कुल 18 लाख 11 हजार 579 रुपये सरकारी खाते से अपने निजी खाते में ट्रांसफर किए.मौजूदा ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी तापसतालुकदार ने सोमवार को बताया कि मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई है और प्रशासन पूरे प्रकरण की जांच कर रहा है. वहीं, आरोपित का मोबाइल फोन बंद होने के कारण उससे संपर्क नहीं हो पाया है.

दुकान दो एलपीजी सिलेंडर चोरी

सिलीगुड़ी : बढ़ती गैस किल्लत के बीच अब सिलेंडर चोरी की घटनाएं भी सामने आने लगी है. सिलीगुड़ी के पास फूलबाड़ी इलाके में एक बीमार महिला के छोटे खाने के स्टॉल से दो गैस सिलेंडर चोरी होने से इलाके में सनसनी फैल गई है. यह घटना फूलबाड़ी बाइपास के टोलगेट के पास की है. कृष्णा कर्मकार नाम की महिला पिछले करीब दस वर्षों से एक छोटा सा खाने का स्टॉल चलाकर किसी तरह अपना गुजारा कर रही है. खराब स्वास्थ्य के बावजूद वह रोज़ चाय, रोटी और सब्जी बेचकर अपनी आजीविका चलाती है.महिला के अनुसार, शनिवार रात वह दुकान बंद कर घर चली गई थी. रविवार को दुकान बंद रहने के बाद सोमवार सुबह जब वह लौटी तो देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ है. आरोप है कि चोर दुकान से दो गैस सिलेंडर चुरा ले गए. इसके अलावा फ्रिज में रखा उनका जरूरी इंसुलिन और अन्य सामान भी गायब मिला. घटना के बाद महिला का रो-रोकर बुरा हाल है.एनजेपी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है.

पार्षदों की समस्याओं को लेकर मेयर विधान उपाध्याय ने की बैठक

पश्चिम बर्दवान : आसनसोल नगर निगम के पार्षदों और बोरो चेयरमैनों को कामकाज में आ रही दिक्कतों को लेकर सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. कल्याणपुर में हुई इस बैठक की अध्यक्षता मेयर विधान उपाध्याय ने की. बैठक में नगर निगम के चेयरमैन, डिप्टी मेयर, मेयर परिषद सदस्य, बोरो चेयरमैन और विभिन्न वार्डों के पार्षद मौजूद रहे.बैठक के बाद मेयर ने कहा कि चुनाव परिणाम के बाद कई पार्षदों को क्षेत्र में काम करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लोगों के बीच भी पार्षदों की कार्यक्षमता को लेकर सवाल उठ रहे हैं. इसी वजह से सभी जनप्रतिनिधियों से उनकी समस्याओं और अनुभवों पर चर्चा की गई.उन्होंने बताया कि कई बोरो चेयरमैन कार्यालय नहीं जा पा रहे हैं और कुछ पार्षदों ने नगर निगम कार्यालय आना भी कम कर दिया है. कई जनप्रतिनिधियों ने परेशान करने और दबाव बनाने जैसी समस्याओं की भी बात रखी.

आसनसोल दक्षिण में शौचालय निर्माण को लेकर बड़ी पहल, मंत्री अग्निमित्रा पाल ने दो दिन में मांगी सूची

पश्चिम बर्दवान : आसनसोल दक्षिण क्षेत्र में सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत शौचालय निर्माण को लेकर नई पहल शुरू की गई है. इस संबंध में मंत्री अग्निमित्रा पाल ने मंडल अध्यक्षों के माध्यम से दो दिनों के भीतर चार श्रेणियों में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि जरूरतमंद क्षेत्रों की सूची उपलब्ध कराई जाए, शौचालय निर्माण की व्यवस्था की जाएगी.मंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के पास अपने घर में जमीन उपलब्ध है और वे शौचालय बनवाना चाहते हैं, उनकी सूची तैयार कर मंडल अध्यक्षों को सौंप दी जाए. सूची में लाभार्थी का नाम और संपर्क नंबर शामिल करने को कहा गया है.उन्होंने बताया कि शहरी बस्तियों में जहां शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां सामुदायिक शौचालय बनाए जाएंगे. उन्होंने कहा कि जमीन चाहे किसी भी विभाग या संस्था की हो, आवश्यक अनुमति की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य कराया जाएगा.इसके अलावा बाजार, बस स्टैंड, हाट एवं अधिक भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग सार्वजनिक शौचालय बनाने की योजना की भी घोषणा की गई. ऐसे स्थानों की पहचान कर सूची देने को कहा गया है.
मंत्री ने पर्यटन की संभावनाओं वाले क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त शौचालय निर्माण की भी बात कही. उन्होंने कहा कि ऐसे स्थानों की जानकारी उपलब्ध कराई जाए जहां भविष्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना हो.उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल जमीन से संबंधित दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं है. पहले चरण में केवल स्थान, नाम और संपर्क संबंधी जानकारी मांगी गई है, जबकि आगे की प्रक्रिया में जमीन के दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ सकती है.

सभी सरकारी कर्मियों को 21 जून को करना होगा योग

कोलकाता : देश भर में आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' 2026 को लेकर तैयारियां जम कर हो रही है. ऐसे में पश्चिम बंगाल की शुभेंदु अधिकारी सरकार ने एक बड़ा और कड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है. राज्य सरकार ने सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए योग दिवस के कार्यक्रमों में शामिल होना अनिवार्य कर दिया है. इस संबंध में राज्य सचिवालय 'नवान्न' की ओर से एक मुख्य आधिकारिक निर्देशिका (गाइडलाइन) भी जारी कर दी गई है. पश्चिम बंगाल सरकार के मुख्य सचिव के कार्यालय की ओर से 14 जून को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, 21 जून को सुबह 6:30 बजे से 7:45 बजे तक सभी कर्मचारियों को निर्धारित योग स्थलों पर उपस्थित होना होगा. अर्थात यह आदेश बेहद व्यापक है और इसके दायरे में राज्य सरकार के सभी स्तरों के स्थायी और अस्थायी कर्मचारी के साथ ही कॉन्ट्रैक्ट (चार्टर्ड/अनुबंध) और दैनिक वेतनभोगी कर्मी , आउटसोर्स (थर्ड पार्टी एजेंसियों के जरिए कार्यरत) और मानदेय पर काम करने वाले कर्मियों के अलावा सभी सार्वजनिक उपक्रमों , स्वायत्त निकायों और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों को भी इस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से भाग लेना होगा. सभी कर्मचारियों को उनके संबंधित विभागों, सरकारी आवास परिसरों, या कोलकाता के रेड रोड और मिलन मेला प्रांगण में से किसी भी नजदीकी स्थान पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं.
इस साल के योग दिवस का मुख्य केंद्र बिंदु कोलकाता का ऐतिहासिक रेड रोड होने जा रहा है. यहां आयोजित होने वाले मुख्य राष्ट्रीय समारोह में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी एक साथ मंच पर मौजूद रहेंगे और योग सत्र की अगुवाई करेंगे.गौरतलब है कि साल 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने के बाद से प्रधानमंत्री हर साल देश या विदेश के किसी खास शहर में जाकर योग करते हैं. इस बार उन्होंने इसके लिए कोलकाता को चुना है. इससे पहले साल 2024 में पीएम मोदी ने कश्मीर के श्रीनगर में डल झील के किनारे, 2023 में न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में और पिछले साल विशाखापत्तनम में योग दिवस का नेतृत्व किया था. प्रशासनिक हलकों का मानना है कि पीएम मोदी के कोलकाता आगमन और राज्य सरकार की इस सख्त गाइडलाइन के बाद इस बार पश्चिम बंगाल में योग दिवस पर जनभागीदारी का एक नया रिकॉर्ड बनने जा रहा है.

अब पार्षदों की जगह विधायक संभालेंगे नागरिक सेवाएं

पार्षदों की जगह अब विधायक जारी करेंगे सर्टिफिकेट

■ इसी साल 7 दिसंबर तक करना होगा कोलकाता वार्डों का पुनर्गठन

कोलकाताः अब कोलकाता नगर निगम के प्रशासनिक ढांचे में भी बहुत बड़ा फेरबदल देखने को मिल रहा है. विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी शिकस्त के बाद कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के इस्तीफे और पूरा बोर्ड ढहने से प्रशासनिक संकट खड़ा हो गया था. इस स्थिति से निपटने और आगामी 7 दिसंबर 2026 तक नया पुरबोर्ड गठित करने की समय सीमा के बीच, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता वासियों के लिए दो बेहद महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं. टीएमसी के कई पूर्व पार्षदों के भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने और बोर्ड भंग होने के कारण आम जनता को कैरेक्टर सर्टिफिकेट, रेजिडेंशियल सर्टिफिकेट या आय-व्यय प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों के लिए भटकना पड़ रहा था. जनता की इस परेशानी को दूर करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को केएमसी की बैठक के बाद ऐलान किया, जब तक नए चुनाव नहीं हो जाते, तब तक नागरिक सेवाओं को सुचारू रखने की जिम्मेदारी स्थानीय विधायकों के कंधों पर होगी. अब तक जो प्रमाण पत्र वार्ड स्तर पर पार्षद जारी करते थे, वे सभी सर्टिफिकेट अब नागरिक अपने क्षेत्र के विधायक के कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे. चुनाव आयोग और सरकारी नियमों के तहत विधायक इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की जांच कर इन्हें जारी करने के लिए अधिकृत होंगे. मुख्यमंत्री ने कोलकाता नगर निगम के तहत आने वाले वार्डों के पुनर्गठन को बेहद जरूरी बताया. पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, कोलकाता के कुछ वार्डों में आबादी का बोझ बहुत ज्यादा है, जबकि कुछ वार्डों में जनसंख्या बेहद कम है. सभी नागरिकों तक समान और उन्नत नागरिक सेवाएं पहुँचाने के लिए वार्डों की सीमाओं में बदलाव (आसन पुनर्विन्यास) बहुत जरूरी है. मुख्यमंत्री ने साफ किया कि राज्य चुनाव आयोग इस डिलिमिटेशन प्रक्रिया को पूरा करेगा. इसके लिए विभिन्न विभागों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकों का दौर शुरू होगा और इसका एक प्रस्ताव भी तैयार कर लिया गया है. माना जा रहा है कि अगले 6 महीने के भीतर होने वाले पुरबोर्ड से पहले इस पुनर्गठन को अमलीजामा पहना दिया जाएगा. राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही टीएमसी के भीतर अंतर्विरोध और इस्तीफों का दौर जारी है, जिसके चलते कई नगर पालिकाओं में प्रशासक नियुक्त करने पड़े हैं. कोलकाता में आखिरी बार निकाय चुनाव साल 2021 में हुए थे और इस बोर्ड का कार्यकाल दिसंबर में ही खत्म होने वाला था, लेकिन राजनीतिक ड्रामे के कारण यह पहले ही भंग हो गया. मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उनका लक्ष्य 7 दिसंबर तक हर हाल में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराकर नया बोर्ड गठित करना है और तब तक जनता को किसी भी सेवा से वंचित नहीं होने दिया जाएगा.

संदेशखाली भूमि कब्जा मामले में शाहजहां शेख समेत चार आरोपितों पर आरोप तय

■ सात जुलाई से शुरू होगी गवाही

कोलकाताः संदेशखाली के चर्चित भूमि कब्जा मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष अदालत ने सोमवार को मुख्य आरोपित शाहजहां शेख और उसके तीन सहयोगियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए. मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में आरोप गठन की प्रक्रिया पूरी हुई. अब इस मामले में सात जुलाई से गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे. ईडी के अनुसार, शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों ने कथित तौर पर ग्रामीणों को डराकर और दबाव बनाकर जमीनों पर अवैध कब्जा किया तथा उससे आर्थिक लाभ अर्जित किया. जांच एजेंसी ने इस मामले में लगभग पांच करोड़ रुपये की अवैध आय को अपराध से अर्जित संपत्ति (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) के रूप में चिह्नित किया है. शाहजहां शेख के अलावा आलमगीर, शिवप्रसाद हाजरा और दिदार बक्स मोल्ला के खिलाफ भी आरोप तय किए गए हैं. ईडी ने इस मामले में कुल 30 गवाहों को सूचीबद्ध किया है, जिनकी गवाही आगामी सुनवाई के दौरान दर्ज की जाएगी. शाहजहां शेख का नाम सबसे पहले राशन वितरण घोटाले की जांच के दौरान चर्चा में आया था. जनवरी 2024 में ईडी की एक टीम उसके आवास पर तलाशी के लिए पहुंची थी. उस दौरान केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों पर हमला किए जाने का आरोप लगा था, जिसके बाद यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आया था. घटना के बाद शाहजहां शेख फरार हो गया था. करीब दो महीने बाद उसे पश्चिम बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया. बाद में अदालत के आदेश पर उसे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया. सीबीआई हिरासत के दौरान ईडी ने भी उसे गिरफ्तार कर अपने कब्जे में लिया था. शाहजहां शेख पर संदेशखाली क्षेत्र में ग्रामीणों पर अत्याचार, जमीनों पर जबरन कब्जा करने, मत्स्य व्यवसाय की आड़ में कथित भ्रष्टाचार और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं. गिरफ्तारी के बाद तृणमूल कांग्रेस ने उसे छह वर्ष के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया था. अब आरोप तय होने के बाद मामले की नियमित सुनवाई और गवाहों के बयान का चरण शुरू होगा, जिससे संदेशखाली प्रकरण की न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी.

एनसीपीआई में शामिल होने के बाद तृणमूल के बागी सांसदों की सुरक्षा बढ़ी, सुदीप बंद्योपाध्याय को मिलेगी 'वाई' श्रेणी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने के बाद राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है. इस बीच वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान किए जाने की तैयारी की जा रही है. सूत्रों के अनुसार, एनसीपीआई में शामिल हुए अन्य बागी सांसदों की सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत किए जाने की संभावना है. राजनीतिक हलकों में बढ़ती गतिविधियों के बीच हावड़ा स्थित एनसीपीआई कार्यालय के बाहर भी केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती किए जाने की खबर है. सुरक्षा व्यवस्था में यह बदलाव उस समय किया गया है जब तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने पार्टी छोड़कर एनसीपीआई का दामन थाम लिया है. सूत्रों के मुताबिक, बागी सांसदों ने हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर एनसीपीआई के साथ जुड़ने के अपने फैसले की जानकारी दी थी. इसके बाद यह राजनीतिक घटनाक्रम और तेज हो गया. रविवार शाम तक एनसीपीआई पश्चिम बंगाल की राजनीति में अपेक्षाकृत कम चर्चित दल माना जाता था, लेकिन बड़ी संख्या में सांसदों के शामिल होने के बाद पार्टी अचानक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के केंद्र में आ गई है. जानकारी के अनुसार, एनसीपीआई का मुख्य राजनीतिक फोकस पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा पर रहेगा. वहीं, तृणमूल कांग्रेस से अलग होने के बावजूद बागी सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन जारी रखने की संभावना जताई जा रही है. एनसीपीआई कोई व्यापक जनाधार वाला राजनीतिक दल नहीं माना जाता है. पार्टी ने 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में हिस्सा लिया था, लेकिन कोई उल्लेखनीय सफलता हासिल नहीं कर सकी थी. हालांकि, 20 सांसदों के शामिल होने के बाद पार्टी की सक्रियता बढ़ गई है. एनसीपीआई से जुड़े एक सोशल मीडिया पृष्ठ पर नए सदस्यों का स्वागत करते हुए दावा किया गया है कि लोकसभा में प्रतिनिधित्व के आधार पर पार्टी अब पश्चिम बंगाल की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बन गई है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एक साथ 20 मौजूदा सांसदों का अपेक्षाकृत कम परिचित राजनीतिक दल में शामिल होना पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक असाधारण घटना है. उनके अनुसार, इस घटनाक्रम का राज्य की राजनीतिक दिशा और भविष्य की राजनीतिक समीकरणों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है. साथ ही यह घटनाक्रम संसदीय राजनीति में बदलते गठबंधनों और नए राजनीतिक पुनर्संरेखण को लेकर भी कई सवाल खड़े कर रहा है.

कोलकाता पुलिस में बड़ा फेरबदल, कई थाना प्रभारियों और अतिरिक्त प्रभारियों का तबादला

कोलकाताः कोलकाता पुलिस ने प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत शहर के कई थानों के प्रभारी अधिकारियों और अतिरिक्त प्रभारी अधिकारियों का तबादला किया है. सोमवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस बल की विभिन्न इकाइयों में कार्यकुशलता बढ़ाने और संसाधनों के बेहतर उपयोग के उद्देश्य से यह फेरबदल किया गया है. प्रगति मैदान थाने के प्रभारी अधिकारी रामचंद्रन विनोद कुमार को विशेष शाखा में स्थानांतरित किया गया है. उनकी जगह बड़ाबाजार थाने के अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी बाबाई भट्टाचार्य को नया प्रभारी नियुक्त किया गया है. नारकेलडांगा थाने के प्रभारी अधिकारी मनोज बिस्वास को भी विशेष शाखा में भेजा गया है. उनके स्थान पर वाटगंज थाने के अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी शुभंकर सरकार को नियुक्त किया गया है. ठाकुरपुकुर थाने के प्रभारी अधिकारी राजीब साहू का तबादला जासूसी विभाग में किया गया है. उनकी जगह यातायात विभाग में कार्यरत अधिकारी सुखेंदु कुमार चैल को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है. राजाबागान थाने के अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी सिलास टोप्पो को तारातला थाने का नया प्रभारी अधिकारी बनाया गया है. प्रगति मैदान थाने के अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी पार्थप्रतिम चक्रवर्ती को प्रवर्तन शाखा में स्थानांतरित किया गया है. उनकी जगह एससीओ शाखा में तैनात सनत चटर्जी को नियुक्त किया गया है. जासूसी विभाग के कई अधिकारियों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं. सुशोवन पैक को राजाबागान थाने का अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी बनाया गया है, जबकि श्रीमोनकल्याण बसु और फहाद सोहेल को क्रमशः वाटगंज और नारकेलडांगा थानों में अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है. नारकेलडांगा थाने के अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी बंधुचरण पाल का तबादला बड़ाबाजार थाने में अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी के पद पर किया गया है. कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तैनातियों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है ताकि उपलब्ध जनशक्ति का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके और विभिन्न इकाइयों की परिचालन आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके. अधिकारी के अनुसार, इस फेरबदल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर निगरानी को मजबूत करना तथा पुलिस बल की विभिन्न शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशासनिक बदलाव पुलिस व्यवस्था का नियमित हिस्सा होते हैं.

हर कोई तृणमूल छोड़ना चाहता है : दिलीप घोष

कोलकाताः हर कोई तृणमूल छोड़ना चाहता है और यही वास्तविक सच्चाई है. तृणमूल कांग्रेस के बदलते स्वरूप को लेकर चुटकी लेते हुए पश्चिम बंगाल के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने सोमवार को यह बातें कही. तृणमूल के बागी सांसदों की रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात के मुद्दे पर घोष ने सोमवार को कहा कि कोई भी सांसद अध्यक्ष से मिल सकता है और अपनी बात रख सकता है. मुझे उनका सटीक उद्देश्य नहीं पता है, लेकिन यह सच है कि बहुत कुछ हो रहा है. अध्यक्ष लिखित रूप में कुछ प्रस्तुत करने और विवरणों को देखने के बाद निर्णय लेंगे. अगर उन्हें एक अलग पार्टी के रूप में मान्यता दी जाती है, तो उन्हें एक अलग सीट का अधिकार होगा; लेकिन यह भी सच है कि हर कोई तृणमूल छोड़ना चाहता है.

अवैध जमीन कब्जा मामले में मेदिनीपुर अदालत का आदेश

अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट

कोलकाताः बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले की एक अदालत ने कथित अवैध जमीन कब्जा मामले में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के कार्यकारी सहायक सुमित राय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है. मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की मेदिनीपुर अदालत ने पश्चिम मेदिनीपुर जिला पुलिस की अर्जी पर यह आदेश दिया. पुलिस के अनुसार, सुमित शालबनी थाने में दर्ज एक मामले में वांछित है और लंबे समय से फरार चल रहा है. उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार तलाश कर रही है. रविवार देर रात शालबनी थाने की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और कोलकाता पुलिस की संयुक्त टीम ने दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित अभिषेक बनर्जी के आवास पर तलाशी अभियान चलाया था. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मोबाइल फोन की अंतिम टावर लोकेशन के आधार पर सुमित के वहां होने की आशंका जताई गई थी. बताया गया कि पुलिस के पहुंचने से करीब आधे घंटे पहले तक सुमित के मोबाइल की लोकेशन अभिषेक के आवास पर ही दिखाई दे रही थी. प्रारंभ में सुरक्षा कर्मियों ने पुलिस को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी. इसके बाद राज्य आपदा प्रबंधन कर्मियों की मदद से प्रवेश द्वार का ताला तोड़कर पुलिस अंदर गई और करीब डेढ़ घंटे तक तलाशी अभियान चलाया. वहीं अभिषेक बनर्जी कोलकाता के बाहरी इलाके स्थित ईडी के कार्यालय में मौजूद थे. वहां उनसे बहुचर्चित स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की गई.

गिरफ्तारी से बचने को कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचे अभिषेक के करीबी सुमित राय, दी अग्रिम जमानत की अर्जी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी सहयोगी सुमित राय ने गिरफ्तारी की आशंका के बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है. सोमवार को उनके वकील ने न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने की अनुमति मांगी और मामले की तत्काल सुनवाई की भी अपील की. अदालत ने याचिका दायर करने की अनुमति दे दी है.

नगर पालिका भर्ती घोटाला मामला

सुजीत बसु को राहत नहीं, जमानत याचिका पर ईडी को मिला समय

कोलकाताः नगर पालिका भर्ती घोटाला मामले में गिरफ्तार पश्चिम बंगाल के पूर्व अग्निशमन मंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता सुजीत बसु को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है. उनकी जमानत याचिका पर सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपना जवाब दाखिल करने और विस्तृत कानूनी तर्क रखने के लिए समय मांगा. अदालत ने ईडी की मांग स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई एक जुलाई को तय की है. न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की अदालत में सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि वह जमानत याचिका का विरोध करते हुए विस्तृत हलफनामा दाखिल करना चाहती है. अदालत ने केंद्रीय एजेंसी को 29 जून तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. सुजीत बसु के अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने गिरफ्तारी की वैधता और जांच की प्रक्रिया पर सवाल उठाए. उन्होंने अदालत को बताया कि यह मामला 2023 का है और लगभग साढ़े तीन वर्षों तक ईडी ने सुजीत बसु को पूछताछ के लिए नहीं बुलाया. इसके बाद मई, 2026 में अचानक उन्हें दो बार तलब किया गया और 11 मई को दूसरी बार पेशी के दिन गिरफ्तार कर लिया गया. अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि जब जांच एजेंसी को इतने लंबे समय तक पूछताछ की आवश्यकता महसूस नहीं हुई, तो अचानक गिरफ्तारी के पीछे कोई ठोस और विश्वसनीय कारण होना चाहिए. उन्होंने कहा कि सुजीत बसु एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि हैं और दक्षिण दमदम नगरपालिका के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं, इसलिए उनके फरार होने की आशंका नहीं है. वहीं, ईडी की ओर से उप महाधिवक्ता बिल्वदल भट्टाचार्य ने उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यह एक बड़े वित्तीय अनियमितता और नगरपालिका भर्ती घोटाले से जुड़ा मामला है, इसलिए एजेंसी को सभी दस्तावेजों की समीक्षा कर जवाब तैयार करने के लिए समय चाहिए. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने ईडी को 29 जून तक जवाब दाखिल करने की अनुमति दी और स्पष्ट किया कि मामले की अगली सुनवाई एक जुलाई को दोपहर दो बजे होगी. गौरतलब है कि, सुजीत बसु को 11 मई को ईडी ने नगरपालिका भर्ती घोटाला मामले में गिरफ्तार किया था. फिलहाल, वह न्यायिक हिरासत में हैं.

पूर्व रेलवे
ई-निविदा सूचना सं.: डब्ल्यू_एलएलएच_05_2026-27, दिनांक : 12.06.2026। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (विद्युत), सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए तकनीकी क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये ई-निविदा (खुली निविदा) आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ में 6.5 केडब्ल्यू/4.5 केडब्ल्यू/2.5 केडब्ल्यू रेगुलेटेड बैटरी चार्जर (आरबीसी) = 120 अदद की मरम्मत। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 18,82,100। **बयाना राशि:** ₹ 37,700। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 03.07.2026 को दोपहर 2.00 बजे। **वेबसाइट जहां निविदा का सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध है: www.ireps.gov.in।**
(MISC-74/2026-27)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहां देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे
वरिष्ठ मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[वरिष्ठ डीईएन/4/हावड़ा]: क्रम संख्या: 1। ई-निविदा संख्या: 122_2026-27, दिनांक: 11.06.2026। कार्य का विवरण:** हावड़ा मंडल सेस की मरम्मत- निम्नलिखित स्थानों पर 172801 घन मीटर कार्य: रामपुरहाट-दुमका : वरिष्ठ मंडल अभियंता/4/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन सहायक अभियंता/रामपुरहाट के अधीन एसएल 104.370-105.280 = 4550 घन मीटर, 107.260-107.520 = 1300 घन मीटर, 108.280-108.280 = 2500 घन मीटर, 118.140-118.260 = 2376 घन मीटर, 118.520-120.330 = 9025 घन मीटर, 120.520-120.640 = 3360 घन मीटर, 120.920-120.980 = 1920 घन मीटर, 124.010-124.700 = 3450 घन मीटर, 126.080-126.500 = 12936 घन मीटर, 126.600-126.960 = 11088 घन मीटर, 127.000-128.000 = 5000 घन मीटर, 128.370-129.400 = 5150 घन मीटर, 130.000-130.460 = 2300 घन मीटर, 132.114-132.440 = 12960 घन मीटर, 134.470-135.080 = 3050 घन मीटर, 128.41-128.89 = 24576 घन मीटर, 128.92-129.4 = 26880 घन मीटर, 130.01-130.43 = 24192 घन मीटर, 134.72-135.08 = 14688 घन मीटर और 132.15-132.45 = 1500 घन मीटर। **अनुमानित लागत:** ₹ 5,67,71,706.26। **बयाना राशि:** ₹ 11,35,400। **कार्य पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 15 (पंद्रह) महीने। **क्रम संख्या: 2। ई-निविदा संख्या: 123_2026-27, दिनांक: 11.06.2026। कार्य का विवरण:** हावड़ा मंडल में नॉन-इंटरलॉक्ड समपार फाटकों पर रिले हट का प्रावधान (लिलुआ-बेलुड़ मठ खंड में 01 अदद, बर्द्धमान-कटवा खंड में 02 अदद, रामपुरहाट-दुमका खंड में 02 अदद)। **अनुमानित लागत:** ₹ 3,39,89,761.98। **बयाना राशि:** ₹ 6,79,800। **कार्य पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 04 (चार) महीने। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य (क्रम संख्या 1 और 2 प्रत्येक के लिए)।निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 06.07.2026 को दोपहर 2:00 बजे (क्रम संख्या 1 और 2 प्रत्येक के लिए)। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदा दस्तावेज की कीमत एवं जमा बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान उपर्युक्त वेबसाइट के जरिये सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के जरिये स्वीकार किया जायेगा। **द्रष्टव्य:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में सावधि जमा रसीद (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
(HWH-156/2026-27)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहां देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाला

लगातार दूसरे दिन ईडी के समक्ष पेश हुए अभिषेक बनर्जी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सोमवार को प्राथमिक शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय पहुंचे. उन्हें सुबह 11 बजे सॉल्टलेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में तलब किया गया था. हालांकि, वह निर्धारित समय से पहले ही वहां पहुंच गए. ईडी कार्यालय में प्रवेश करते समय उन्होंने मीडिया के सवालों पर कोई टिप्पणी नहीं की. अभिषेक की पेशी को लेकर इस बार सीजीओ कॉम्प्लेक्स में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था देखने को नहीं मिली. परिसर में न तो अतिरिक्त पुलिस बल और न ही केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी. इससे पहले जब भी अभिषेक जांच एजेंसियों के समक्ष पेश होते थे, तब पूरे क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरती जाती थी और आवाजाही पर भी नियंत्रण लगाया जाता था. रविवार को भी अभिषेक ने विधानसभा हस्ताक्षर जालसाजी मामले में सीआईडी के समक्ष भवानी भवन में लगभग साढ़े आठ घंटे तक पूछताछ का सामना किया था. इसी मामले में बेलियाघाटा से तृणमूल विधायक कुणाल घोष को भी बुलाया गया था. सूत्रों के अनुसार, दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई. सीआईडी कार्यालय से निकलने के बाद अभिषेक सीधे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास पहुंचे थे. अभिषेक को मंगलवार को भी सीआईडी ने फिर से तलब किया है. इसके अलावा सॉल्टलेक में दर्ज एक अन्य शिकायत के संबंध में राज्य पुलिस की खुफिया शाखा बुधवार को भी उनसे पूछताछ करना चाहती है. हालांकि, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने विधानसभा हस्ताक्षर जालसाजी मामले में उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश देते हुए अगले दो सप्ताह तक उनके खिलाफ किसी भी कठोर कार्रवाई पर रोक लगाई है. लेकिन प्राथमिक भर्ती मामले और सॉल्टलेक के अन्य मामले में उन्हें ऐसी कोई राहत प्राप्त नहीं है. प्राथमिक शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले की जांच ईडी लंबे समय से कर रही है. इससे पहले केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच के दौरान सामने आए एक ऑडियो क्लिप में अभिषेक बनर्जी नाम के व्यक्ति का उल्लेख हुआ था. उस ऑडियो में कथित तौर पर नौकरी के बदले वसूली गई रकम अभिषेक तक पहुंचाने की बात कही गई थी. सीबीआई ने अपनी आरोपपत्र में भी इस ऑडियो का उल्लेख किया था. इसी ऑडियो के आधार पर कालीघाट के काकू के नाम से चर्चित सुजय कृष्ण भद्र के आवाज के नमूने की भी जांच की गई थी. ईडी अब इस ऑडियो से जुड़े पहलुओं को अपनी जांच के दायरे में लाना चाहता है. इसके अलावा अभिषेक बनर्जी की कंपनी 'लिप्स एंड बाउंड्स' के वित्तीय लेन-देन भी जांच एजेंसी के रडार पर हैं. माना जा रहा है कि इस संबंध में भी उनसे पूछताछ की जा सकती है. ईडी इससे पहले भी इस मामले में अभिषेक से कई बार पूछताछ कर चुकी है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद : मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गयों इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा वाणिज्य विभाग के 10 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया ें इन्होनें नवाचार, डिजिटलीकरण, यात्री सुविधा संवर्धन तथा राजस्व वृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया हैं श्री पंकज भूषण, सुश्री अमृता भगत एवं सुश्री मुस्कान झा द्वारा रेलवे परिसंपत्तियों के प्रभावी निरीक्षण एवं प्रबंधन हेतु ङ्गरेल एसेट्स इंस्पेक्शन मैनेजमेंट सिस्टमङ्घ वेब एप्लीकेशन के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है, जिससे कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं तकनीक-आधारित बनाने में सहायता मिली हैं इसी प्रकार, श्री कृष्ण कुमार कन्हैया द्वारा धनबाद मंडल के आरक्षण काउंटरों के उन्नयन, डिजिटलीकरण तथा ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनों के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कार्य किए गए हैं उनके प्रयासों से यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, आधुनिक एवं सुगम टिकटिंग सेवाएँ उपलब्ध हो रही हैं इसके अतिरिक्त, रूद्र नन्द झा (मुख्य वाणिज्य निरीक्षक), नवीन कुमार, बिपिन बिहारी लाल, अविनाश कुमार, मुकेश कुमार तथा आशुतोष कुमार सिन्हा द्वारा टिकट जांच एवं टिकट आय वृद्धि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्चतम राजस्व अर्जित किया है तथा मंडल की आय में महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि कर्मचारियों की उपलब्धियाँ उनके व्यक्तिगत परिश्रम के परिणाम के साथ-साथ उनके परिवारजनों के निरंतर सहयोग, त्याग, प्रोत्साहन एवं विश्वास का भी इसमें समान रूप से महत्वपूर्ण योगदान होता हैं परिवार का सहयोग भी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्टता के साथ करने की प्रेरणा प्रदान करता हैं धनबाद मंडल प्रशासन सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के योगदान की सराहना करता है तथा विश्वास व्यक्त करता है कि उनके संयुक्त प्रयास भविष्य में भी रेलवे की कार्यकुशलता, डिजिटल परिवर्तन, राजस्व संवर्धन एवं यात्री सुविधाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगें इस सम्मान समारोह में मंडल के अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा सम्मानित कर्मचारियों के परिवारजन भी उपस्थित थें

अंचल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आमरापाड़ा: प्रखंड अंतर्गत पंचायत आलूबड़ा एवं पाछुवाड़ा में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों मुखिया कोअंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई. अधिकारियों ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने, किसी भी परिस्थिति में किसी भी वाहन के ऊपर बैठकर यात्रा न करने को लेकर की अपील की . साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आमजन की सहभागिता पर बल दिया गया, एवं सरकार द्वारा दी जाने वाली मुआवजा की राशि हिट एंड रन, गुड समेरिटन एवं अन्य योजनाओं के बारे में बताया गया अंचलाधिकारी द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया तथा सुरक्षित यातायात के प्रति संकल्प लेने का आह्वान किया गया. इससे ग्रामीणों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया.

जन कल्याण शिविर का निरीक्षण किया मंत्री डॉ. अजय पोद्दार ने

कुल्टी : पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित जन कल्याण शिविर में आज माननीय मंत्री डॉ. अजय कुमार पोद्दार जी ने सहभागिता कर शिविर का निरीक्षण किया,तथा उपस्थित लाभार्थियों एवं अधिकारियों से संवाद स्थापित किया. इस अवसर पर मंत्री डॉ. पोद्दार ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों एवं नागरिक सेवाओं से संबंधित स्टॉलों का अवलोकन किया. उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से बातचीत करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने तथा कौशल विकास कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया.माननीय मंत्री जी ने कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों तक विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है. जन कल्याण शिविर के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आम लोगों को काफी सुविधा मिल रही है.उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पहुंचे, तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं.शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, लाभार्थी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे. उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया.

निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का शुभारंभ

साहिबगंज : निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 15 जून, 2026 से 26 जून, 2026 तक राज्यव्यापी जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है. इसी क्रम में समाहरणालय परिसर, साहिबगंज में उपायुक्त दीपक कुमार दुबे द्वारा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया.यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराएगा तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश प्रसारित करेगा. इस अवसर पर उपायुक्त श्री दुबे ने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार एवं समाज की प्रगति में भी बाधक बनता है. उन्होंने सभी नागरिकों से नशे के विरुद्ध जनआंदोलन को सफल बनाने तथा युवाओं को इसके दुष्प्रभावों से बचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया. इस अवसर पर मौजूद अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजय कुमार दास सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

पंचायतवार विशेष शिविर का हुआ शुभारंभ

पाकुड़:उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रखंडों में 15 जून से 17 जून तक पंचायतवार तीन दिवसीय विशेष प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है. आमजनों को उनके अधिकार से जुड़े प्रमाण-पत्र सरल, सुलभ एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस विशेष अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है.

विशेष शिविरों के माध्यम से स्थानीय निवासी, जाति एवं आय प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदनों की प्राप्ति, जांच, सत्यापन एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है. शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचकर विभिन्न प्रमाण- पत्रों के लिए आवेदन कर रहे हैं तथा सरकारी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं.

प्रशासन द्वारा प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जा रहा है. कई मामलों में ऑन-द-स्पॉट जांच एवं सत्यापन कर तत्काल निराकरण भी किया जा रहा है, जिससे आमजनों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है. विशेष शिविरों के माध्यम से नागरिक सेवाओं को पंचायत स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही सुविधाएं उपलब्ध हो सकें.

उपायुक्त के निर्देशानुसार जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं, आवेदन प्राप्ति, जांच एवं निष्पादन की प्रक्रिया का जायजा लिया गया. निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.

बज्रपात के चपेट में आने से दो महिला गंभीर रूप से जख्मी

महेशपुर : थाना क्षेत्र के शिवरामपुर पंचायत अंतर्गत रतनपुर गांव में बारिश के साथ बज्रपात में के चपेट में आने से दो महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई.निवासिनी 40 वर्षीय चुड़की मुर्मू एवं 35 वर्षीय डॉक्टरमय बास्की के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रवि शर्मा एवं एएसआई भीम रजक घटनास्थल पहुंचकर आनन फानन में 112 डाइल गाड़ी से दोनों जख्मी महिलाओं को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर ले आए.

ट्रांसजेंडर समुदाय के सम्मान एवं सशक्तिकरण की दिशा में गरिमा गृह का उद्घाटन

धनबाद : ट्रांसजेंडर समुदाय के सम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से स्माइल योजना के अंतर्गत मंथन संस्था द्वारा संचालित गरिमा गृह का उद्घाटन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेहा कश्यप द्वारा किया गया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है तथा गरिमा गृह ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को सुरक्षित आश्रय, सामाजिक सुरक्षा, परामर्श, कौशल विकास एवं मुख्यधारा से जुड़ने के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.

कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी चाइल्ड वेलफेयर कमेटी सदस्य ममता अरोड़ा चाइल्ड प्रोविजनल ऑफिसर आनंद कुमार ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के श्वेता किन्नर, मंथन के सचिव बिपलब महतो कोषाध्यक्ष द्विज पद महतो प्रबंधक धनंजय कुमार पंकज कुमार, शक्ति कुमार नीलकमल महतो सूरज कुमार रणजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे.

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय लंबे समय से सामाजिक चुनौतियों का सामना करता रहा है. ऐसे में गरिमा गृह न केवल उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध कराएगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कानूनी सहायता, मानसिक परामर्श, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण तथा आत्मनिर्भर बनने के अवसर भी प्रदान करेगा. इससे समुदाय के सदस्यों को सम्मानजनक जीवन जीने और समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी निभाने में सहायता मिलेगी.

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने गरिमा गृह का निरीक्षण किया तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की. उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों की रक्षा एवं उनके समग्र विकास के लिए सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं.

मंथन संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि गरिमा गृह के माध्यम से ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे. कार्यक्रम में उपस्थित समुदाय के सदस्यों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया.

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ. इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने ट्रांसजेंडर समुदाय के सम्मान, समानता एवं अधिकारों को सुनिश्चित करने हेतु निरंतर सहयोग देने का संकल्प लिया.

कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज में प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

साहिबगंज : भारत सरकार की नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज में एकेएस,/सीआरपी दीदियों के लिए आयोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ. यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 11 जून, 2026 से 15 जून, 2026 तक आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, तकनीकों एवं व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान कर ग्रामीण स्तर पर इसके व्यापक प्रसार को सुनिश्चित करना था.प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, जीवामृत एवं घनजीवामृत निर्माण, बीजामृत उपचार, प्राकृतिक कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, पोषण वाटिका विकास तथा कम लागत में टिकाऊ कृषि उत्पादन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया. साथ ही, किसानों की आय वृद्धि एवं पर्यावरण संरक्षण में प्राकृतिक खेती की भूमिका पर भी चर्चा की गई.इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज की प्रधान कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुप्रिया सिंह, वरिय कृषि वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन एवं प्रशिक्षक सह कृषि समन्वयक निकेश कुमार उपस्थित रहे. सभी विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों की जानकारी देते हुए इसे ग्राम स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया.

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

महेशपुर : रद्दीपुर ओपी क्षेत्र के एक गांव में शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का मामला प्रकाश में आया है. मामले को लेकर पीड़िता सह वादिनी ने असम के बरपाता गांव निवासी नूर आलम इस्लाम के खिलाफ मामला दर्ज करवाई है. वादिनी ने उल्लेख किया है कि वह डेढ़ साल पहले तमिलनाडु काम करने गई थी. जहां वह काम करती थी. वहां उक्त व्यक्ति भी काम करता था. करीब 6 महीना पहले उक्त व्यक्ति से जान पहचान हुआ था. वह मुझे शादी करना चाहता था . पीड़िता उसके बातों में राजी हो गई. तब से उसके साथ यौन शोषण करता रहा. जब पीड़िता ने उसे शादी के लिए बोली तो वह शादी से इनकार करने लगा और बोला कि वह शादी नहीं करेगा. वह शादीशुदा लड़का है. तब उसे पता चला कि वह शादीशुदा लड़का है. वादिनी ने उक्त आरोपित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है. वही वादिनी द्वारा दिए गए

पीएम आवास के लाभार्थियों ने विधायक सरयू राय का किया अभिनंदन

जमशेदपुर : बिरसानगर पीएम आवास के लाभार्थियों ने सोमवार को जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय का अभिनंदन किया. उनका पुष्पगुच्छ और शॉल देकर स्वागत किया गया और मिठाई खिलाई गई. यह अभिनंदन सह आभार प्रकटीकरण समारोह उस घोषणा के बाद आयोजित किया गया, जिसमें 19 जून को लाभुकों को उनके फ्लैट की चाबी देने की घोषणा नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने रविवार को की थी. अपराह्न ढाई बजे से ही लोग श्री राय के बिष्टुपुर स्थित आवास पर जुटने लगे थे. लोग इसी बात की चर्चा कर रहे थे कि कैसे इस संघर्ष में श्री राय ने उनका साथ दिया. लोगों ने उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की. लोगों ने कहा कि अगर विधायक ने उनकी लड़ाई न लड़ी होती तो मामला कुछ और होता. हम लोग खाली हाथ ही रहते. इस अवसर पर सरयू राय ने कहा कि आज का दिन उनके लिए भी विशेष खुशी का दिन है. 19 जून को आप लोगों को फ्लैट की चाबी मिल जाएगी. आप लोगों ने जो संघर्ष किया है, उसे सलाम करना चाहिए. बहुत धैर्य दिखाया आप लोगों ने. सरयू राय ने कहा कि आप लोग जब फ्लैट में रहना शुरु करेंगे तो संभव है कुछ कठिनाईयां आएंगी. क्योंकि अभी वहां कोई रह नहीं रहा है. इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कुछ कार्य अभी शेष हैं. वो कार्य आप लोगों के रहते होगा तो ज्यादा बेहतर होगा क्योंकि आप लोग उसे खुद से देखेंगे और अपनी निगरानी में करवाएंगे. श्री राय ने कहा कि 2019 में यह योजना शुरु हुई थी. 2026 में आप लोगों को चाबी मिलेगी. काफी विलंब हुआ है. लेकिन कहावत है कि देर आयद, दुरुस्त आयद. उन्होंने कहा कि तीन रोज पहले वह फ्लैट्स देख कर आए हैं. फ्लैट ठीक बने हैं. अंदर तक जाकर देखने से कहीं-कहीं दरारें दिखी हैं. यह संभवतः काली ईंटों के इस्तेमाल के कारण हुआ होगा.

उन्होंने बताया कि सरकारी स्तर पर भी इन फ्लैट्स को आप लोगों को हैंडओवर करने का आदेश आ चुका है. कार्य तेजी पर है. उन्होंने इस कार्य में सहयोग करने के लिए नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के प्रति आभार जताया. इस मौके पर नीरज सिंह, सुधीर सिंह, बीरेंद्र सिंह, सन्नी सिंह, कुंअर अतुल सिंह, संजय सिंह, आदित्य मुखर्जी समेत कई लोग मौजूद रहे.

मतदाता पुनरीक्षण को लेकर बैठक आयोजित

मण्डरो : प्रखंड सभागार में सोमवार को मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण एवं मैपिंग कार्य को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी मेघनाथ उरांव की अध्यक्षता एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में बीएलओ सुपरवाइजर,बीएलओ,बीएलए तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि शामिल हुए.बैठक में मतदान केंद्रों की मैपिंग,मतदाता सूची के अद्यतन,नए मतदाताओं के नाम जोड़ने,मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने सहित निर्वाचन संबंधी विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई!वही प्रखंड पदाधिकारी ने सभी बीएलओ एवं बीएलए को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

इस दौरान मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया गया. साथ ही सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सफल बनाने का आह्वान किया गया.

बैठक में प्रखंड एई शशि शेखर,प्रखंडकर्मी श्रद्धांजलि मिश्रा,बीएलओ मनोज पंडित,अरुण कुशवाहा,जेएमएम के केंद्रीय सदस्य संजय मिश्रा सहित कई राजनीति पार्टी के सदस्य मौजूद थे!

साहेबगंज द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर वृद्धजनों के अधिकारों की सुरक्षा एवं उनके प्रति सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन स्नेह स्पर्श वृद्धा आश्रम, साहेबगंज में किया गया.कार्यक्रम में उपस्थित वृद्धजनों एवं अन्य लोगों को संबोधित करते हुए बताया गया कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं. उनके सम्मान, सुरक्षा एवं गरिमापूर्ण जीवन की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है. प्रत्येक वर्ष 15 जून को मनाया जाने वाला विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस वृद्धजनों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं शोषण के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है.

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं पारा लीगल वॉलिंटियर्स न्याय मित्रों द्वारा वृद्धजनों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित कानूनों तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई.कार्यक्रम में परिवार एवं समाज में वृद्धजनों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान एवं सहयोग की भावना विकसित करने पर विशेष बल दिया गया. उपस्थित लोगों को बताया गया कि वृद्धजनों के साथ किसी भी प्रकार का शारीरिक, मानसिक, आर्थिक अथवा भावनात्मक शोषण मानवाधिकारों का उल्लंघन है. ऐसे मामलों में पीड़ित वृद्धजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं. वक्ताओं ने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार एवं उपेक्षा को रोकने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें सुरक्षित, सम्मानजनक एवं गरिमामय जीवन उपलब्ध कराना है.

पल्स पोलियो अभियान को लेकर पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

तालझारी : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी में आगामी 28 जून से 30 जून तक आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान की सफलता को लेकर चल रहा पांच दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार को संपन्न हो गया. 8 जून से 15 जून तक चले इस प्रशिक्षण सत्र में क्षेत्र की सहिया, सेविका और वीओएल ने भाग लिया.प्रशिक्षक सह सुपरवाइजर पवन कुमार वर्मा ने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को अभियान की बारीकियों से अवगत कराया. उन्होंने हाउस मार्किंग, दवा पिलाने की प्रक्रिया, 'द' और 'झ' मार्किंग के सही मानकों तथा सर्वे की बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए और हाउस मार्किंग में किसी भी प्रकार की त्रुटि या गलत प्रविष्टि नहीं होनी चाहिए.प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम ने बताया कि इस अभियान के सफल संचालन के लिए कुल 107 टीमों का गठन किया गया है, जिसमें 214 वैक्सीनेटरों को तैनात किया गया है. प्रशिक्षण में कुल 193 सहिया, सेविका और वीओएल शामिल हुए, जो कि कुल लक्ष्य का 90 प्रतिशत है. प्रशासन ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने में सहयोग करने की अपील की है.

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की सफलता हेतु अर्बन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

पाकुड़:आगामी राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर परिषद पाकुड़ के सभागार में नगर परिषद, अध्यक्ष श्रीमती सबरी पाल की अध्यक्षता में अर्बन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई. बैठक में सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा, कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस.के. झा, जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक विनोद कुमार वर्मा, सिटी प्रबंधक मनीष कुमार मिश्रा, लोक स्वास्थ्य प्रबंधक मो0 फहीम अख्तर, पल्स पोलियो कार्यक्रम के सुपरवाइजरों तथा विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम का आयोजन 28 जून से 30 जून 2026 तक किया जाएगा. अभियान के तहत जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिलाई जाएगी. पाकुड़ नगर क्षेत्र में कुल 11,679 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इसके लिए 66 बूथों की स्थापना की गई है तथा 13 सुपरवाइजरों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो अभियान के दौरान सभी टीमों के कार्यों की निगरानी करेंगे.

नगर परिषद, अध्यक्ष श्रीमती सबरी पाल ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए नगर परिषद द्वारा हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा. उन्होंने बताया कि सभी वार्ड पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में बूथ दिवस पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ करेंगे तथा लोगों को अधिकाधिक संख्या में बूथों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेंगे.

सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक पात्र बच्चे को पोलियो की दवा अवश्य पिलाई जाए. उन्होंने जन-जागरूकता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया ताकि कोई भी बच्चा दवा से वंचित न रह जाए.

कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य कार्यक्रम है. उन्होंने अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु नगर परिषद की कूड़ा संग्रहण वाहनों एवं अन्य माध्यमों से डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया.

खिजरसराय में बनेगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

युवा शक्ति न्यूज

पटना(गया) : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने संयुक्त रूप से आज गयाजी जिला स्थित खिजरसराय में प्रौद्योगिकी केंद्र, गयाजी का रिमोट का बटन दबाकर शिलान्यास किया तथा भूमि पूजन कर शुभारंभ किया. साथ ही कार्यक्रम के दौरान गयाजी-इस्लामपुर-खिजरसराय पथ के 20वें कि0मी0 से टेक्नोलॉजी सेंटर (देवगांव) तक पथ का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया गया.इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आपके बीच आए हैं, मुझे प्रसन्नता हो रही है.मेरा सौभाग्य है कि आज के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्ववाली सरकार की तीन योजनाओं की तीन जगहों पर खिजरसराय, आरा और पटना में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिल रहा है.यहां 170 करोड़ की योजनावाली प्रौद्योगिकी केंद्र का शिलान्यास कर काफी खुशी हो रही है.इस प्रौद्योगिकी केंद्र के लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने जमीन उपलब्ध कराई थी.पहले एमएसएमई मंत्रालय को लोग ठीक से जानते भी नहीं थे, लेकिन आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार के दौरान इस विभाग में

काफी काम हुये हैं.जीतन राम मांझी ने भी इस विभाग के मंत्री रहते हुए काफी कार्य किए हैं.बिहार में वर्ष 2022 में एमएसएमई की संख्या 6 लाख ही थी जो अब बढ़कर 46 लाख से अधिक हो गयी है.इसमें 1 करोड़ 87 लाख लोगों को सीधा रोजगार प्राप्त हुआ है.मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार बदल रहा है.राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिजली, सड़क, हर घर नल का जल सहित कई क्षेत्रों में विकास के कार्य किए.जीविका दीदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा.राज्य में बिजली क्रांति आई.जहां वर्ष 2005 तक 17 लाख परिवारों को बिजली का कनेक्शन उपलब्ध था.वहीं आज 2 करोड़ 22 लाख परिवार को सीधे बिजली कनेक्शन मिला हुआ है.इस देश में सबसे सस्ती और निर्बाध बिजली आपूर्ति करनेवाला राज्य बिहार है.हमलोग अपने उपभोक्ताओं को 23 हजार करोड़ रुपये की बिजली सब्सिडी दे रहे हैं.सभी लोगों को 125 यूनिट बिजली फ्री दी जा रही है.उन्होंने कहा कि कल ही हमने पी0एम0 सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की है जिससे गरीब भाई-बहनों को काफी फायदा होगा और इससे सोलरयुक्त बिजली को बढ़ावा मिलेगा.जिनके यहां सोलरयुक्त बिजली उत्पादन होगी 125 यूनिट के बाद 126वीं यूनिट से उस बिजली का पैसा भी उनके खाते में जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जीएसटी लागू की.जीएसटी के लागू होने से आर्थिक क्षेत्र में काफी लाभ हो रहा है. जैसे ही उपभोक्ता कोई सामान खरीदता है वैसे ही देश की अर्थव्यवस्था में सीधा अपना योगदान देता है.उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़ा है.

हमलोगों का सपना है बिहार समृद्ध होगा तो देश भी समृद्ध होगा.बिहार की समृद्धि के लिए उद्योग के क्षेत्र में तेजी से काम करना होगा और प्रशासनिक तंत्र को दृढ़ता के साथ कार्य करना होगा.बिहार को आगे ले जाना है तो 24 घंटे में 20 घंटे काम करना होगा.क्राइम, करप्शन और कम्युनिलिज्म से किसी प्रकार समझौता नहीं होगा.

हमने पुलिस को कह दिया है कि जो अपराधी पुलिस को चैलेंज करेगा उसे 48 घंटे के अंदर जवाब दें.अपराधियों का गयाजी में पिंड दान होगा या जेल में रहेंगे.ढेर सारे अपराधी बिहार छोड़कर चले गए हैं जो बचे हुए हैं उनका पता बताइए, उनपर तुरंत कार्रवाई होगी.भ्रष्टाचार से लड़ना है, न खाना है न किसी को खाने देना है.जब सभी लोग मिलकर काम करेंगे तो बिहार समृद्ध होगा.

न्यूज कॉर्नर

भीषण गर्मी एवं लू को देखते हुए विद्यालयों के संचालन समय में किया गया परिवर्तन

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले में पड़ रही भीषण गर्मी एवं लू की स्थिति को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मद्देनज़र जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया गया है.जारी आदेश के अनुसार गया जिले के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों, प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा कोचिंग संस्थानों में कक्षा 8 तक की सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर 16 जून 2026 से 20 जून 2026 तक प्रतिबंध लगाया है.वहीं कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाओं का संचालन पूर्वाह्न 11:00 बजे तक आवश्यक सावधानियों के साथ जारी रहेगा.विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया है कि वे आदेश के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करें तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें.जिला प्रशासन ने अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन से अपील की है कि वे गर्मी एवं लू से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें.

सीएम के गया आगमन पूर्णतः सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

युवा शक्ति न्यूज

गया : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का गया आगमन पूर्णतः सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.इस अवसर पर आयुक्त, मगध प्रमंडल, पुलिस महानिरीक्षक, मगध क्षेत्र, जिलाधिकारी, गया, वरीय पुलिस अधीक्षक, गया, नगर पुलिस अधीक्षक, गया सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया.बिहार मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर गया पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था तथा विधि-व्यवस्था संधारण हेतु व्यापक एवं सुदृढ़ प्रबंध किए गए थे.कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए थे, जिससे संपूर्ण आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखी जा सके.सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं पुलिस बलों द्वारा अपने दायित्वों का समर्पण, सतर्कता एवं दक्षता के साथ निर्वहन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप माननीय मुख्यमंत्री का गया दौरा पूर्णतः शांतिपूर्ण, गरिमामय एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

अधिकारियों ने सभा स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया

युवा शक्ति न्यूज

गया : बिहार के मुख्यमंत्री आगमन के मद्देनज़र सीटी एसपी कोटा किरण कुमार अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा खिजरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवगांव स्थित सभा स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, बैरिकेडिंग एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारियों को कार्यक्रम के सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

सभी नियमों को तोड़ कर स्वास्थ्य कर्मियों को प्रतिनियुक्ति किया गया : डॉ जितेन्द्र कुमार

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : जिला जदयू नेता सह जिला कार्यक्रम कार्यन्यवन समिति 20 सूत्री के सदस्य डॉ जितेन्द्र कुमार ने कृषि मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिंहा,स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि, आयुक्त मगध प्रमंडल से अनुरोध कर कहा कि सिविल सर्जन कार्यालय में खिजरसराय स्वास्थ्य केंद्र के हेल्थ एजुकेटर संजय कुमार विगत वर्षो से सिविल सर्जन को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा किसी प्रकार के प्रति नियुक्ति पर रोक लगाने के बावजूद भी इन्हें कार्यालय में सारे नियमों को तोड़ते हुए तमाम संचिकाओ का निष्पादन करते हैं.और सिविल सर्जन इन्हीं के इशारे पर ही फाइलो का निष्पादन करते हैं.सदस्य डॉ कुमार ने कहा कि सिविल सर्जन के विरुद्ध कई बार आरोप बीस सूत्री सदस्यों द्वारा जिला स्तरीय बैठक में उठाते रहे.सदस्य डॉक्टर कुमार ने कहा कि ऐसी कई परिणाम है जो सभी नियमों को तोड़ कर स्वास्थ्य कर्मियों को प्रतिनियुक्ति किया गया है.संजय कुमार कार्यालय के महत्वपूर्ण फाइलों का निर्णय के बाद ही सिविल सर्जन संचिका का निष्पादन करते हैं.इनके कार्यकाल में जिले में अवैध रूप से नर्सिंग होम का संचालन एवं अनुज्ञप्ति मनमाने तरीके से दिया गया है.

सीएम सम्राट चौधरी का हेलीपैड पर जदयू नेताओं ने किया स्वागत

युवा शक्ति न्यूज

गया: खिजरसराय के देवगांव आगमन पर सीएम सम्राट चौधरी का हेलीपैड पर जदयू नेताओं ने अंग वस्त्र एवं बुके देकर जोरदार स्वागत किया.जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने बताया की खिजरसराय अंतर्गत देवगांव में टेक्नोलॉजी सेंटर के भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का आगमन हुआ, जिसमें जदयू नेताओं के द्वारा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का स्वागत किया गया.पटेल ने कहा की गया जी के खिजरसराय अंतर्गत देवगांव में टेक्नोलॉजी सेंटर खुलने से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा.मुख्यमंत्री जब जब गया जी आते हैं नया सौगात लेकर आते हैं.पटेल ने सीएम द्वारा खिजररसराय में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने एवं फल्गु नदी में सोन नदी का पानी लाने का घोषणा का सराहना करते हुए कहा की गया जी के लिए ऐतिहासिक दिन है.उन्होंने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के रास्ते पर चलते हुए सीएम सम्राट चौधरी भी बिहार को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं.

सखी वार्ता कार्यक्रम का आयोजन भारे-2, फतेहपुर में संपन्न

युवा शक्ति न्यूज

गया : महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार के तत्वावधान में मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित सखी वार्ता कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड फतेहपुर के भारे-2 पंचायत में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, सरकारी योजनाओं तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सेवाओं के प्रति जागरूक करना था.कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 181, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह निषेध, दहेज प्रतिषेध, लैंगिक समानता, महिला सुरक्षा तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई.साथ ही महिलाओं को किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न अथवा संकट की स्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया.इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम के कर्मी विशाल कुमार वर्मा उपस्थित रहे.

सेंट्रल बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स की 64वीं वार्षिक आमसभा में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, बिहार सरकार की मंत्री श्रेयसी सिंह तथा जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने सोमवार को गया शहर के हरिदास सेमिनरी स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित सेंट्रल बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स, गया की 64वीं वार्षिक आमसभा में भाग लिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता चैंबर ऑफ कॉमर्स के वर्तमान अध्यक्ष प्रमोद भदानी ने की.इसी क्रम में अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉ प्रेम कुमार, मंत्री श्रेयसी सिंह, डीएम शशांक शुभंकर सहित चेंबर के पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.कार्यक्रम का संचालन करते हुए चैंबर के संरक्षक कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों को विस्तार से रखा तथा उनके समाधान की आवश्यकता पर बल दिया.अपने स्वागत संबोधन में अध्यक्ष प्रमोद भदानी ने कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स को जो दायित्व सौंपा गया है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ किया जाएगा. उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए संगठन सदैव सक्रिय रहेगा.इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि सेंट्रल बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स पिछले छह दशकों से अधिक समय से व्यापार, उद्योग एवं उद्यमिता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. यह संस्था व्यापारियों एवं उद्यमियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के साथ-साथ क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी उल्लेखनीय योगदान दे रही है.उन्होंने कहा कि व्यापार एवं उद्योग किसी भी राज्य और राष्ट्र की आर्थिक प्रगति के प्रमुख आधार होते हैं.एक मजबूत व्यापारिक व्यवस्था रोजगार के अवसर सृजित करती है तथा समाज की समृद्धि और विकास को गति प्रदान करती है.गया सहित पूरे मध्य बिहार में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में चैंबर ऑफ कॉमर्स की भूमिका सराहनीय रही है.डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए देशभर में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं.आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा योजना एवं विभिन्न एमएसएमई प्रोत्साहन योजनाओं ने उद्यमिता और व्यापार को नई ऊर्जा प्रदान की है.उन्होंने कहा कि भारत तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान मजबूत कर रहा है.बिहार सरकार की मंत्री श्रेयसी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में उद्योग एवं निवेश के लिए व्यापक संभावनाएं उपलब्ध हैं.उन्होंने युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष बल देते हुए कहा कि उद्योगों के विकास से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे. उन्होंने आश्वस्त किया कि उद्योग एवं व्यापार से संबंधित शिकायतों पर सरकार द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.गया के डोभी समीप निर्माणधीन इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के संबंध में मानपुर वस्त्र उद्योग, बिजली की समस्या, तकनीकी में विकास, गया औद्योगिक प्रांगण का विस्तार, गया जी अंतर्गत दुबहल में औद्योगिक विकास, जीआई टैग, पर्यटन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं, सरकार द्वारा घोषित बोधगया एवं विष्णु पद गया जी कॉरिडोर निर्माण, शहर की जाम की समस्या, खेल सुविधा की विकास सहित अन्य मुद्दों पर सुझाव रखा.कार्यक्रम में चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनूप केडिया, निवर्तमान अध्यक्षदीपक चड्ढा, गौतम कुमार, कृष्ण मोहन, आलोक नंदन सहित बड़ी संख्या में व्यवसायी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे.

वृद्धजनों के अधिकार, कल्याण एवं संरक्षण विषय पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

युवा शक्ति न्यूज

गया : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया प्रदीप कुमार मलिक के निर्देशानुसार तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के मार्गदर्शन में जागृति योजना, 2025 के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, कल्याण एवं संरक्षण विषय पर वृद्धाश्रम सहारा, मानपुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया.कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के सचिव अरविंद कुमार दास मुख्य रूप से उपस्थित रहे.उन्होंने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007, निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों तथा उनके संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी.उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं तथा उनके सम्मान, सुरक्षा और गरिमा की रक्षा करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है. उन्होंने यह भी बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाता है.शिविर के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के महत्व, साइबर एवं वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव, संपत्ति संबंधी अधिकारों, भरण-पोषण के अधिकार तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई. साथ ही उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की उपेक्षा, प्रताड़ना अथवा अधिकारों के हनन की स्थिति में वे जिला विधिक सेवा प्राधिकार से सहायता प्राप्त कर सकते हैं.कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता जितेंद्र कुमार सिंह, पारा विधिक स्वयंसेवक सन्तन कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के कर्मचारी विकास कुमार, वृद्धाश्रम सहारा, मानपुर के सुपरिंटेंडेंट मनोज कुमार, कर्मचारी मीनू कुमारी, सोनू कुमार एवं नीरज कुमार पाल सहित वृद्धाश्रम के अन्य कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे.कार्यक्रम के अंत में सचिव अरविंद कुमार दास ने बताया कि इस प्रकार के विधिक जागरूकता कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रति आभार व्यक्त किया.जागृति योजना, 2025 के तहत वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, कल्याण एवं संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन आगे भी किया जाता रहेगा.

कृष्ण मुरारी शर्मा ने उत्साहपूर्ण माहौल में शुभचिंतकों के साथ मनाई जन्मदिन समारोह

जहानाबाद: (बिहार) स्नातक शिक्षक पद विधान - पार्षद, जीवन कुमार के प्रतिनिधि सह समाजसेवी, प्रोफेसर कृष्ण मुरारी शर्मा ने अपने जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर जहानाबाद जिला अंतर्गत कड़ौना स्थित श्याम स्कूल ऑफ नर्सिंग कड़ौना में सोमवार दिनांक - 15 जून 2026 को अपने परिजनों एवं समस्त ईष्ट मित्रों के साथ मिलकर काफी उत्साहपूर्ण माहौल में अर्ध शतक का जन्मदिन मनाया, और इस बेहतरीन मौके पर शामिल हुए अपने समस्त शुभचिंतकों के समक्ष जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने तक का अनुभव भी साझा किया, और कहा कि आज मेरा जन्मदिन है! 50 वर्ष पूर्ण हो चुका है! जिसमें मेरा 35 वर्ष जहानाबाद में ही बीत गया! जो कोई छोटा समय भी नहीं होता है. जन्मदिन तो पहले भी मेरा मनाया जाता रहा है. कभी बोधगया के स्विमिंग पूल में केक कटवाया, तो कभी पटना में. जहानाबाद में तो कई वर्षगांठ, कई प्रतिष्ठित होटल में भी बीता, उसकी गिनती क्या करूं? फिर भी मैं इस बार उतावला हूं! जैसे: किसी नन्हे - मुन्ने बच्चे के उसके याददाश्त के बाद पहली अवसर है. स्नेह - प्रेम की बारिश में खूब भींगा हूं मैं. जहानाबाद तो मेरे लिए हमेशा से खास तथा आम दोनों रहा, दिल के सबसे करीब. मैं जहानाबाद में तब आया था! जब ये आज का जहानाबाद नहीं था. सब कुछ यों ही बीतता रहा! जैसे: कल की नहीं, आज की, या अभी की बात रही हो. मैंने भौतिक मार्ग की जगह आत्मीय मार्ग चुना. सफलता भी मुझे कम नहीं मिली. एक कहानी बनता गया, बहुत कुछ, सब कुछ मिला. सबसे ज्यादा प्यार. मैं आज भी उसी शिशु मृग की तरह हूं! जो समझ नहीं पाता प्रेम से अलग भाषा. पहली बार मुझे नींद नहीं आई. मुझे इंतजार है उस क्षण का, जब आप मेरे साथ होंगे. मुझे करनी है अपने दिल की बात, आपसे भावनाओं के झंकार से. इसलिए आप जरूर आएं. मेरे रोम - रोम का कोई कोना छूट न जाए झंकृत होने से. फिर कल हो न हो. मुझे जरूरत है हमेशा की तरह अनवरत मिलते रहें आपके प्रेम की, खूब ऊर्जा बटोरनी है आपकी स्नेहिल उपस्थिति से, अच्छा प्रणाम! मुझे इंतजार है आपके जल्दी आने का. ध्यातव्य हो कि स्नातक शिक्षक पद विधान - पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी, प्रोफेसर कृष्ण मुरारी शर्मा का अपना पैतृक घर नालंदा जिला अंतर्गत इस्लामपुर बाजार से महज 06 किलोमीटर की दूरी पर ही राजगीर रोड में स्थित परसुराय गांव में पड़ता है, तथा इनके पिताजी - डॉक्टर सुरेश शर्मा भी एक सेवानिवृत्त ख्याति प्राप्त शिक्षक हैं! जो आज भी काफी शालीन व्यक्ति हैं, और सभी लोग इनका काफी सम्मान भी करते हैं, तथा किसी परिचय के भी मोहताज नहीं हैं ! ज्ञात हो कि प्रोफेसर कृष्ण मुरारी शर्मा का जीवन 35 वर्ष तक जिला मुख्यालय जहानाबाद में ही बीता है! जो कम समय नहीं है! इसीलिए खासकर इनका लगाव जहानाबाद से हमेशा जुड़ा रहा है! ध्यातव्य हो कि इस बार के आयोजित खास कार्यक्रम में स्नातक शिक्षक पद विधान - पार्षद, जीवन कुमार, अतरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोमित कुमार, पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी, जहानाबाद, पूर्व विधायक सुदय यादव, पूर्व जिला परिषद सदस्य, रानी कुमारी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) नेत्री, एवं शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रपति पुरस्कार भी प्राप्त कर चुकी इंदु कश्यप, जनता दल यूनाइटेड नेत्री, सुनीता कुमारी, जहानाबाद के विद्यालय संचालक एवं चर्चित पत्रकार, साकेत कुमार रोशन सहित काफी संख्या में गणमान्य राजनेता एवं विद्यालय निदेशक के साथ-साथ अन्य लोग भी मौजूद रहे!

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में सीयूएसबी में रक्तदान प्रतिज्ञा समारोह आयोजित

युवा शक्ति न्यूज

टिकारी(गया) :विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (एनबीटीसी) के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से रक्तदान प्रतिज्ञा समारोह का आयोजन किया गया.कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस (एसएलजी) के अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार एवं प्रो.पवन कुमार मिश्रा, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) के नेतृत्व में लीगल एड क्लिनिक के सहयोग से इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया.जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से प्रो. अशोक कुमार, प्रो. पवन कुमार मिश्रा, प्रो. सुरेन्द्र कुमार (समन्वयक, लीगल एड क्लिनिक), डॉ. अनुराग अग्रवाल, डॉ. निहारिका सिंह तथा डॉ. विकल कुमार सिंह के साथ बड़ी संख्या में प्रध्यापगण, कर्मी एवं छात्र इस कार्यक्रम में जुड़े.कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिज्ञा समारोह के साथ हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने स्वेच्छा से रक्तदान करने का प्रण लिया. विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने सभी प्रतिभागियों को रक्तदान की प्रतिज्ञा दिलाई तथा सभी प्रतिभागियों ने स्वैच्छिक रक्तदान एवं रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया.अपने संबोधन में प्रो. सुरेन्द्र कुमार, समन्वयक, लीगल एड क्लिनिक ने मानव जीवन में रक्त के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभव एवं विचार साझा किए.उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का उत्कृष्ट माध्यम है, जिससे अनेक लोगों को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है.

उन्होंने युवाओं से नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान हेतु आगे आने का आह्वान किया.प्रो पवन कुमार मिश्रा (डीएसडब्ल्यू) ने अपने संबोधन में कहा की आज भी समाज में रक्तदान को लेकर अनेक भ्रांतियां और आशंकाएँ मौजूद हैं.

हमें यह समझना होगा कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है.

इससे स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक होता है.

कार्यक्रम के सफल आयोजन में लीगल एड क्लिनिक एवं मीडिया समिति के छात्र समन्वयकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही.कार्यक्रम में रिफात हयात (छात्र समन्वयक, लीगल एड क्लिनिक), तनिषा रॉय (छात्र समन्वयक, लीगल एड क्लिनिक), अनुज किशोर (छात्र सह-समन्वयक, लीगल एड क्लिनिक) तथा विनेदिता पंकज (छात्र समन्वयक, मीडिया समिति) विशेष रूप से उपस्थित रहे.इसके अतिरिक्त मीडिया समिति के सदस्य अनन्या, अनुष्का आनंद, अभिषेक पाठक तथा हर्षवर्धन सहित विश्वविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की.

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जरूरतमंदों की सहायता हेतु समय-समय पर रक्तदान करने का संकल्प दोहराया. आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे.

टाटा मोटर्स कर्मचारी की सड़क हादसे में मौत, हाइवा वाहन छोड़कर चालक फरार

जमशेदपुर : परसुडीह थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में टाटा मोटर्स जा रहे 25 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान चांदनी चौक निवासी सुमित मुंडा के रूप में हुई है. घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया. स्थानीय निवासियों के अनुसार, सुमित मुंडा सोमवार सुबह करीब 5.30 बजे अपनी बाइक से टाटा मोटर्स में ड्यूटी के लिए जा रहे थे. सलगाजुड़ी हनुमान मंदिर के पास पीछे से आ रहे एक हाइवा ने उन्हें ओवरटेक करने का प्रयास किया. इस दौरान सुमित की बाइक असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई और वह हाइवा के पहिए की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया. हालांकि, स्थानीय लोगों ने तुरंत हाइवा को मौके पर ही रोक लिया और पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलने पर परसुडीह थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है. युवक की मौत से नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि संकरी सड़क पर भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. प्रदर्शनकारियों ने दोषी चालक की तत्काल गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने की मांग की. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि संकरी सड़क पर भारी वाहनों के लगातार परिचालन के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं लेकिन इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं. पुलिस ने लोगों को समझाते हुए आश्वासन दिया कि मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी. फरार चालक की तलाश जारी है.

साहित्यिक भेटवार्ता सत्यमब शिवमब सुंदरमब में डॉ कनक लता तिवारी की रचनाएँ सुन भावविभोर हुए श्रोतागण

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी; राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा की रविवारीय साहित्यिक भेंटवार्ता सत्यमब शिवमब सुंदरमब के गत अंक में आमंत्रित साहित्यकार के रूप में मुंबई, महाराष्ट्र की जानी-मानी वरिष्ठ साहित्यकार तथा शब्दवीणा की महाराष्ट्र प्रदेश संरक्षक प्रो. डॉ. कनक लता तिवारी ने एक से बढ़कर एक गीत, गज़ल, दोहे एवं मुक्तक सुनाए.कार्यक्रम का संयोजन शब्दवीणा की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी ने किया.डॉ कनक लता ने स्वरचित सरस्वती वंदना माँ शारदे तुझको नमन की समधुर प्रस्तुति से वार्ता का शुभारंभ किया.कार्यक्रम की संचालिका एवं वार्ताकार जागृति सिन्हा ने शब्दवीणा गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी.उन्होंने डॉ कनकलता तिवारी की शैक्षणिक व साहित्यिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला.वर्तमान समय में साहित्य की भूमिका, लघुकथा, नवगीत, ग़ज़ल के विविध विषयों, रचनाओं में सटीक शब्दों के चयन के महत्व पर चल रही प्रश्नोत्तरी एवं बातचीत के दौरान डॉ. कनक लता तिवारी ने कहा कि साहित्य का उद्देश्य समाज की बुराइयों एवं विसंगतियों पर संतुलित ढंग से प्रहार करना होता है, ताकि एक सभ्य तथा सुसंस्कृत समाज का निर्माण के लिए लोग जागरूक हो सकें.उन्होंने साहित्य, समाज, और संस्कृति के बीच सुंदर तथा मधुर संबंधों की आवश्यकता पर विचार रखे.मेरी खामोश निगाहों को रुलाए कोई, आज तो सूनी हवेली में पुकारे कोई, आज धरा पर कितने रावण कैसे तुम संहार करोगे, गीत लिखती हूँ, हाँ मैं गीत लिखती हूँ एवं जाने किस बात का बहाना है, चंद लम्हात का फसाना है जैसे मनमोहक गीत व गज़लें सुनाकर डॉ कनकलता ने श्रोताओं तथा दर्शकों से खूब वाहवाहियाँ पायीं.डॉ कनकलता ने माधव मालती छंद में रचित गीत कौन मेरे दग्ध उर को दे गया मधुमास फिर से को सुमधुर स्वर में गाया.उन्होंने माँ पर रचित कविता दिल बनके जिस्म में धड़क रही हो तुम.हे माँ कहाँ गई हो तुम, वहाँ बादलों के घर में क्या रह रही हो तुम सुनाकर सभी को भावविभोर कर डाला.नाम तुम्हारा जाने कितनी सदियों, सालों मास लिखा है, बजे बाँसुरी, बाजे मीठी-सी धुन.पिया तेरी धुन पर हुई मैं मगन, कान्हा तुम अब आ भी जाओ, शस्य श्यामल इस धरा पर प्यार हो, एवं दे आह दिल को मेरे, जगमगा गया कोई ग़ज़लों को खूब सराहना मिली.10 पुस्तकों की लेखिका एवं विभिन्न साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित कवयित्री डॉ कनकलता ने आकाशवाणी, मुंबई से कहानी वाचन के अनुभवों को साझा किया.वार्ताकार जागृति सिन्हा ने डॉ कनक लता की चर्चित कृति अमलतास के फूल एवं हरा नोट पर भी प्रश्न पूछे.डॉ कनक ने नये लेखकों तथा रचनाकारों को सरल तथा सहज भाषा शैली में विविध ज्वलंत विषयों पर लेखनी चलाते रहने का परामर्श दिया.

अपने जीवन की खट्टी-मीठी अनुभूतियों को साझा करती हुई डॉ तिवारी ने कहा कि स्त्रियों के लिए घर-परिवार की देखभाल करते हुए साहित्य और समाज के लिए समय निकाल पाना काफी चुनौतीपूर्ण होता है.संगीत, स्केचिंग, पेंटिंग में अपनी गहन रुचि के बारे में बताते हुए डॉ कनकलता ने कहा कि उनके प्रथम काव्य संग्रह का विमोचन प्रख्यात साहित्यकार गोपाल दास नीरज द्वारा किया गया था, जो उनके लिए आज भी उत्साहवर्द्धक एवं गौरव भरी स्मृतियाँ हैं.डॉ कनक ने कहा कि वर्तमान समय में ऑनलाइन माध्यमों द्वारा अनेक साहित्यिक आयोजन हो रहे हैं, जिसके फलस्वरूप कामकाजी स्त्रियाँ भी साहित्य से जुड़ पाने में सक्षम हो गयी हैं.अंग्रेजी एवं हिन्दी साहित्य पर समान अधिकार रखने वाली डॉ कनक लता तिवारी ने रचनाकारों को उत्कृष्ट लेखन के लिए निरंतर अध्ययन तथा अपने शब्द भंडार को समृद्ध करते रहने के लिए निरंतर शब्दकोश के संपर्क में रहने का सुझाव दिया.शब्दवीणा भेंटवार्ता का सीधा प्रसारण शब्दवीणा केन्द्रीय पेज से किया गया, जिससे जुड़कर डॉ रश्मि प्रियदर्शनी, डॉ आनंद कुमार त्रिपाठी, पुरुषोत्तम तिवारी, अजीत अग्रवाल, सुरेश विद्यार्थी, सुनीता सैनी गुड्डी, ललित शंकर, डॉ विजय शंकर, जैनेन्द्र कुमार मालवीय, डॉ वीरेन्द्र कुमार, पी. के. मोहन, डॉ रवि प्रकाश, रामदेव शर्मा राही, प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, बबन बदिया, संतोष कुमार जयंत, रूबी कुमारी, आर. एन. सिंह एवं देश के विभिन्न प्रदेशों से जुड़े साहित्यानुरागियों ने कार्यक्रम का आनंद उठाया.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | मंगलवार | 16 जून, 2026

महंगा होता इलाज

ऐसे वक्त में जब महंगाई के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा है, नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एन.पी.पी.ए. द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में वृद्धि की इजाजत देना कमजोर वर्गों के लिए 'कंगाली में आटा गीला होना' जैसा है. एन.पी.पी.ए. द्वारा जिन दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की इजाजत दी गई है, उनमें कुछ कैंसर की दवाएं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के टीकों की कीमतों में पचास प्रतिशत की वृद्धि शामिल है. निश्चय ही यह फैसला पब्लिक हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी विसंगतियों को दर्शाता है. निस्संदेह, भारत जैसे देश में जरूरी दवाओं को सस्ता रखना बेहद जरूरी है, जहां बहुत से परिवार इलाज का खर्च अपनी जेब से उठाते हैं. वहीं दूसरी ओर, यह भी जरूरी है कि जीवनरक्षक दवाओं की बाजार में सहज उपलब्धता सुनिश्चित की जाए. बहुत संभव है कि अमेरिका-ईरान युद्ध संकट से बाधित आपूर्ति शृंखला के चलते कुछ दवाइयों व टीकों की कीमतों में बढ़ोतरी को तार्किक बताया जाए, लेकिन चिकित्सा व्यवस्था में अमीर-गरीब की आर्थिक क्षमता को लेकर उठने वाले सवाल न्यायसंगत ही कहे जाएंगे. दरअसल, एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कमी और बढ़ती लागत को कीमत वृद्धि का कारण बताया है. दलील दी गई कि यदि दवा बनाने वाली कंपनियां इनकी उत्पादन लागत नहीं निकाल पाती हैं तो वे खुले बाजार में इन दवाइयों की आपूर्ति बंद कर सकती हैं. लेकिन इसके बावजूद गरीब तबके की सीमाओं और आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए. बहरहाल, इस बाबत दी गई दलीलों के बावजूद एक सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता कि इस देश में करोड़ों लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च उठाने के लिए संघर्ष करते हैं. निर्विवाद रूप से कैंसर के इलाज और बच्चों को बीमारियों से बचाने वाली दवाइयों की कीमतों में पचास फीसदी बढ़ोतरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में डाल सकती हैं. मरीजों के लिए इलाज के खर्च में दवाओं के अलावा, रोग की जांच, दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़े अस्पतालों तक की यात्रा, अस्पताल में भर्ती होने का खर्च तथा इस दौरान होने वाली आय की हानि भी शामिल होती है. ऐसे में दवाओं की कीमतों में वृद्धि का अतिरिक्त बोझ उन्हें इलाज और जीवित रहने के बीच कई मुश्किल फैसले लेने को मजबूर कर सकता है. इसका समाधान किफायती होने और उपलब्धता के बीच चयन करने में नहीं है, बल्कि एक ऐसा तंत्र विकसित करने में है, जो दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके. सरकार को सरकारी अस्पतालों के लिए दवा खरीद व्यवस्था को पारदर्शी व मजबूत बनाने की जरूरत है. उसे सरकारी अस्पतालों के जरिये बिना किसी बाधा के दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए. साथ ही, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में जरूरी दवाइयों को भी शामिल करना चाहिए, जिससे खास सब्सिडी के जरिये गरीब मरीजों को अचानक कीमतों में बढ़ोतरी से बचाया जा सके. इसके अलावा, दवाइयों की कीमतों से जुड़ी नीतियों की समय-समय पर समीक्षा भी होनी चाहिए, जिससे पता चल सके कि वास्तव में दवाइयों की लागत में कितनी वृद्धि हुई है.

घरेलू महिलाओं को भी है, आर्थिक सबलता की आवश्यकता

– डॉ. अंशुल उपाध्याय

भारत मे घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक सबलता का अधिकार प्राप्त होना चाहिये.वे महिलाये जो नौकरी पेशा नही है. और घर पर रहकर ही अपने बच्चो और परिवार के पोषण के लिये अपना सारा समय लगा देती है.उनकी व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हे उनके पति के द्वारा कुछ धनराशि प्रति माह प्राप्त होनी ही चाहिए. इससे न केवल महिलाओ को सबलता मिलेगी बल्कि घरेलू हिंसा के मामलो में भी कमी आएगी. भारत में लगभग घरेलू दायरे में हिंसा को घरेलू हिंसा कहा जाता है. किसी महिला का शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, मौखिक, मनोवैज्ञानिक या यौन शोषण किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाना जिसके साथ महिला के पारिवारिक सम्बन्ध हैं, घरेलू हिंसा में शामिल है. घरेलू हिंसा के विरूद्ध महिला संरक्षण अधिनियम की धारा, 2005 घरेलू हिंसा को पारिभाषित किया गया है प्रतिवादी का कोई बर्ताव, भूल या किसी और को काम करने के लिए नियुक्त करना, घरेलू हिंसा में माना जाएगा. क्षति पहुँचाना या जख्मी करना या पीड़ित व्यक्ति को स्वास्थ्य, जीवन, अंगों या हित को मानसिक या शारीरिक तौर से खतरे में डालना या ऐसा करने की नीयत रखना और इसमें शारिरिक, यौनिक, मौखिक और भावनात्मक और आर्थिक शोषण शामिल है; या दहेज या अन्य संपत्ति या मूल्यवान प्रतिभूति की अवैध मांग को पूरा करने के लिए महिला या उसके रिश्तेदारों को मजबूर करने के लिए यातना देना, नुक्सान पहुँचाना या जोखिम में डालना ; या पीड़ित या उसके निकट सम्बन्धियों पर उपरोक्त वाक्यांश (क) या (ख) में सम्मिलित किसी आचरण के द्वारा दी गयी धमकी का प्रभाव होना; या पीड़ित को शारीरिक या मानसिक तौर पर घायल करना या नुकसान पहुँचाना सर्वेक्षण में पाया गया है कि 32% विवाहित महिलाओं (18-49 वर्ष) ने शारीरिक, यौन या भावनात्मक वैवाहिक हिंसा का अनुभव किया है. वैवाहिक हिंसा का सबसे आम प्रकार शारीरिक हिंसा (28%) है, जिसके बाद महिलाओं के साथ भावनात्मक हिंसा और यौन हिंसा हुई है.महिलाओं के खिलाफ शारीरिक हिंसा के 80% से अधिक मामलों में अपराधी पति होता है. जिन पतियों ने स्कूली शिक्षा के 12 या अधिक वर्ष पूरे कर लिए हैं, उनमें शारीरिक, यौन, या भावनात्मक वैवाहिक हिंसा करने की संभावना आधी (21%) होती है. जबकि स्कूली शिक्षा न पूरी करने वाले 43% लोग हिंसा में संलिप्त होते हैं. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण भारत सरकार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादा पढ़ी-लिखी महिलाओं को अपने पति से घरेलू हिंसा का खतरा कम पढ़ी-लिखी की तुलना में 1.54 गुना ज्यादा होता है. एक गैर सरकारी संस्था के मुताबिक, भारत में लगभग पांच करोड़ महिलाओं को अपने घर में ही हिंसा का सामना करना पड़ता है. इनमें से मात्र 0.1 प्रतिशत ही हिंसा के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने आगे आती हैं. एनएफएचएस की रिपोर्ट के अनुसार भारत में विवाहित कामकाजी महिलाओं का प्रतिशत 31% (एनएफएचएस - 4), से 32% के बीच हैं. 2019-2021, नई NHFS - 5 रिपोर्ट 12 मई 2022 के अनुसार भारत में 92% महिलाये बिना मेहनताना लिये घरेलू काम करती हैं जबकि सिर्फ 27% पुरूष ही ऐसा करते है. भारतीय महिलाओ को जो नौकरी पेशा नही है. अपने पति द्वारा प्रति माह कुछ धनराशि अवश्य दी जानी चाहिए, इससे न केवल घरेलू हिंसा के मामलों में बल्कि महिलाओ के मानसिक तनावों में भी कमी आयेगी. कुछ महिलाएं जो पढ़ी लिखी है मगर नौकरी पेशा नही है उन्हे हर वक्त ये बात कचोटती तो अवश्य होगी की काश वो भी औरो की तरह अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए ही सही कुछ रुपए कमा सकती. चूंकि शिक्षा का व्यक्ति के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है. और मानसिक विकास हो जाने के बाद व्यक्ति अपना अच्छा बुरा स्वयम समझ पाता है. ऐसे में किसी मानसिक रूप से विकसित महिला का घर पर रहना कई बार उसकी मजबूरी होती है. कई बार बच्चो के पालन हेतु तो कई बार ससुराल वालो की सहमति से. और मन में चल रहे द्वंद का सामना जब महिलाएं नहीं कर पाती तो डिप्रेशन, हाई बीपी,मधुमेह जैसे रोगों का शिकार हो जाती हैं. इसलिए अगर महिलाओं को सबल बनाना है तो जरूरी नही परिवार के दायित्व के साथ उन्हे नौकरी पेशा होने को मजबूर किया जाये. इस समस्या का समाधान है,घरेलू महिलाओ को प्रति माह उनके पति द्वारा कुछ धनराशि प्रदान किया जाना. भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत से प्रयास किए जा रहे हैं. ऐसे में, जब हम भारत की महिलाओं को देखते हैं तब उनमें सशक्तिकरण केवल स्वयं रोजगार से जुड़ने पर नहीं आता अपितु उनके पास अगर कुछ मात्रा में धन रहे तो खुद व बच्चे उस धन को किस तरह से अपने रोजमर्रा की आवश्यकताओं में खर्च करना है यह समझ महिलाओं में आ जाती है. भारत में अधिकांश जगहों पर महिलाएं प्रबन्धी है और अपना घर संभालती हैं. पर यह हमारी विडंबना है कि हमने अपने घर की महिलाओं को वित्त का अधिकार नहीं दिया ना ही वित्त संबंधी मामलों में हम घर की महिलाओं की सलाह लेते हैं. जबकि हमारे वित्तमंत्री जी की स्वयं एक महिला है जो भारत का बजट बनाती हैं. और दूसरी तरफ एक वह महिला है जो अपना घर चला रही हैं तो क्या उसमें इतनी भी समझ नहीं होगी कि वह घर के बजट को सही तरीके से चला सके अत: हम बेटियों को तो आगे से पढ़ाते हैं सब उन्हें सक्षम बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं पर फिर हम ये क्यों भूल जाते हैं की हमारी बेटी ही तो कल किसी और के घर की बहू बनेगी. अत: अपनी बेटी को हमेशा धन देते रहना और बहू को उससे वंचित रखना क्या ये सही है ? इसलिए भारत में यह प्रावधान अवश्य ही होना चाहिए की विवाह के पश्चात यदि कोई महिला नौकरी पेशा नही है तो उसे उसके उसके पति के द्वारा मासिक तौर पर कुछ धनराशि आवश्य प्रदान की जाए. इससे न केवल घरेलू महिलाएं अपनी जरूरत की चीजें खुद ले पाएंगी साथ ही घर की छोटी-छोटी चीजों के लिये उन्हें किसी और पर निर्भर नही होना होगा. जो उनके मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ पारिवारिक शांति के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा.

सैन्य परंपराओं और पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

– महेन्द्र तिवारी

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है. स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है. हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी. वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है. सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है. इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है. यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है. इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है. सैनिक परंपराओं में सबसे पहला और प्रत्यक्ष बदलाव सैन्य कवायद और आधिकारिक समारोहों के दौरान देखा जा सकता है. ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था. यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी. स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी. इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है. इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के उपयोग की भी गहन समीक्षा की गई है और इसके इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है. यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है. इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है. एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था. भारतीय जलवायु और यहाँ की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है. इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक पोशाक में पहली बार 'बंदी' नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है. यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है. अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं. यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है. इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं. परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं. पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था. यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी. अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है. अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है. यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है. सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है. युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं. लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे. गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था. अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है. इसके अतिरिक्त, सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं. जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं. इस प्रकार, सैन्य व्यवस्था और उसकी जीवनशैली में किए गए ये सभी बदलाव केवल ऊपरी या सतही परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र की सोच में आ रहे एक व्यापक गुणात्मक सुधार को रेखांकित करते हैं. वर्ष 1947 में भले ही हमें राजनीतिक स्वतंत्रता मिल गई थी, लेकिन प्रशासनिक और सैन्य स्तर पर अपनी जड़ों को पहचानकर पूर्ण मानसिक स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में यह एक अत्यंत ठोस कदम है. भारतीय सेना द्वारा उठाए गए ये कदम 21वीं सदी के आत्मनिर्भर, सशक्त और स्वाभिमानी भारत की नई तस्वीर प्रस्तुत करते हैं. जब दुनिया की सबसे शक्तिशाली, अनुशासित और आधुनिक सेनाओं में शुमार हमारी सेना अपनी प्राचीन संस्कृति, परंपराओं और जड़ों की ओर लौटती है, तो इससे देश के प्रत्येक नागरिक में एक नया आत्मविश्वास और अपनी साझी विरासत के प्रति गहरा आदर भाव जागृत होता है. इन सुधारों के माध्यम से सेना ने यह साबित कर दिया है कि वह आधुनिकतम तकनीकों और घातक हथियारों से लैस होने के साथ-साथ वैचारिक रूप से पूरी तरह भारतीय मूल्यों, सिद्धांतों और राष्ट्रभक्ति के प्रति समर्पित है. यह युगांतरकारी बदलाव भविष्य की पीढ़ियों को भी अपनी अनूठी संस्कृति पर गर्व करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगा.

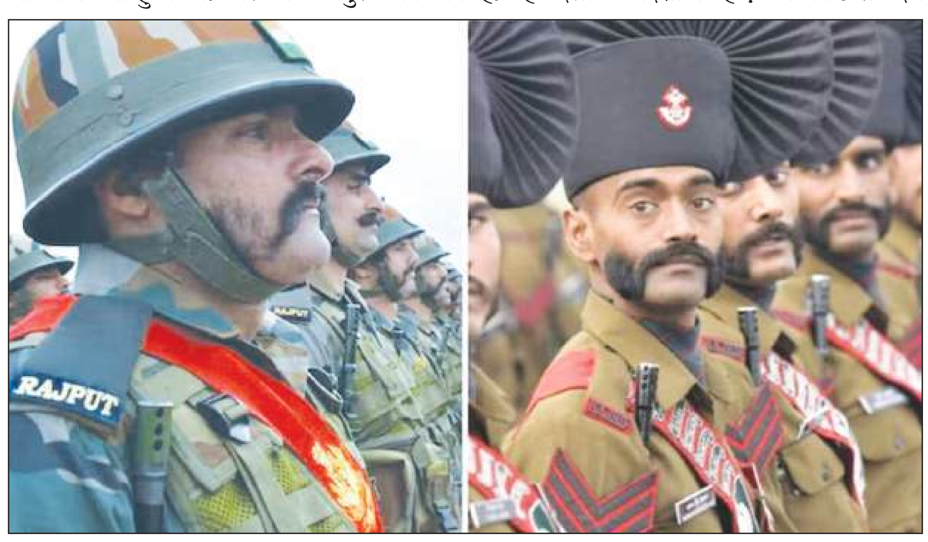

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

16 जून

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 16 जून है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का अधिष्ठाता ग्रह केतु है. इस माह का अधिपति ग्रह बुध है. आप बुध एवं केतु ग्रह से मिश्रित प्रभाव में रहेंगे. आपके विचार परिवर्तनशील होंगे. आप कल्पनाशील एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं. आपका स्वभाव कुछ रहस्यमयी होगा. आप अपने कार्य के प्रति सतर्क होंगे. अध्ययन में भी रूचि रहेगी. आप सौन्दर्य प्रेमी व्यक्ति है. आप वास्तविकता को अधिक महत्व देंगे. आपका निर्णय स्वतंत्र होगा. आप समयानुसार अपने आपको बनाने में सक्षम होंगे. आप कोई भी कार्य करें अगर व्यवधान आता है तो भी पीछे नहीं हटेंगे. निरन्तर गतिशील रहेंगे. जनकल्याण की ओर भी प्रवृत्ति रहेगी. नेतृत्व गुण की आप में अद्भुत क्षमता रहेगी. आपका जनसम्पर्क क्षेत्र विस्तृत होगा. आप एकान्त में रहना अधिक पसन्द करेंगे. आपका वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा. राजनैतिक-सामाजिक कृत्यों में भी आप संलग्न रहेंगे. सुख-शान्ति एवं सफलता के लिए धार्मिक रीति-रिवाज का पालन करें साथ ही अपने इष्ट देवी-देवता की अर्चना नियमित रूप से करें. अपने दैनिक जीवन में गुलाबी रंग की वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें. चमकीले रंग की वस्तुओं का दान करें. मंगलवार के दिन व्रत रखें. सदाचार का पालन अवश्य करें. तन-मन-कर्म-वचन से शुचिता का धर्म अपनावें. समाज सेवा निष्काम भाव से करें. हिंसा जनित कार्य न करें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ कें केतवें नम:	मास	:	जनवरी, मार्च एवं अगस्त
व्रत	:	मंगलवार	वर्ष	:	7, 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
दिन	:	रविवार, सोमवार एवं बुधवार	रंग	:	गुलाबी एवं पीला
दिनांक	:	7, 16, 25	जन्मरत्न	:	लहसुनिया
उपरत्न	:	लाजवर्त	अंक	:	1, 2, 7
जड़ी	:	असगंध की जड़	दिशा	:	वायव्य

यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 21 जून से 25 जुलाई

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : विचाराधीन योजना को मूर्तरूप में परिणित, रचनात्मक कार्यों की ओर रुझान, आय के नवीन स्रोत उपस्थित, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, मान-सम्मान में वृद्धि.

वृषभ : भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ, व्यापार में धन निवेश, मित्रों से विचार-विमर्श, शुभ समाचार की प्राप्ति, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, धनागम.

मिथुन : लाभ का सुअवसर, अधीनस्थ सहयोगियों से सहयोग, भौतिक सुख के साधन सुलभ, जनकल्याण की ओर रुझान, इच्छित पद की प्राप्ति, व्यवधान समाप्त.

कर्क : परिस्थितियाँ प्रतिकूल, विशेष परिश्रम के बावजूद आंशिक सफलता, अकल्पित घटनाओं से मन अशांत, दूसरों की सलाह मान्य, शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश में.

सिंह : अधूरी योजना प्रगति पर, घरेलू वातावरण सुखद, परोपकार की भावना जागृत, सुसंदेश मिलने से खुशी, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, उत्तरदायित्व की पूर्ति.

कन्या : परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, परिश्रम के अनुरूप सफलता, विवाद का समापन पक्ष में, दाम्पत्य जीवन में प्रगाढ़ता, शत्रु हानि पहुँचाने में विफल, आत्मिक शांति.

तुला : इच्छित कार्यों में सफलता, किसी से विचार विनिमय, सुख के साधन उपलब्ध, राजकीय पक्ष से अपेक्षित सहयोग, धर्म के प्रति रुचि, आवागमन में अनुकूलता.

वृश्चिक : आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति, आकस्मिक व्यय, अशांति का माहौल, परिश्रम के बावजूद प्रगति में संशय, अध्ययन में व्यतिक्रम, वैचारिक स्थिरता, मान-सम्मान.

धनु : नवयोजना की शुरुआत, कुछेक समस्याओं का समाधान, वरिष्ठजनों की सलाह मान्य, धार्मिक गतिविधियों में अभिरुचि, स्वयं का निर्णय हितकर, अधिक खर्च.

मकर : समय संतोषजनक, विचारित कार्य प्रगति पर, किसी उत्सव में सम्मिलित होने का सुयोग, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, आय के स्रोत उपस्थित.

कुम्भ: स्वविवेक से लिया गया निर्णय हितकर, शुभ भावनाओं का उदय, आनन्द की अनुभूति, कर्ज की अदायगी का प्रयास सार्थक, विवाद का समापन, पारिवारिक खुशी.

मीन: वांछित प्रगति का मार्ग अवरुद्ध, वैचारिक अस्थिरता के कारण कार्यों में व्यतिक्रम, प्रियजनों से निराशा, धनलाभ में कमी, संकल्प-विकल्प की स्थिति, वाहन से भय.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

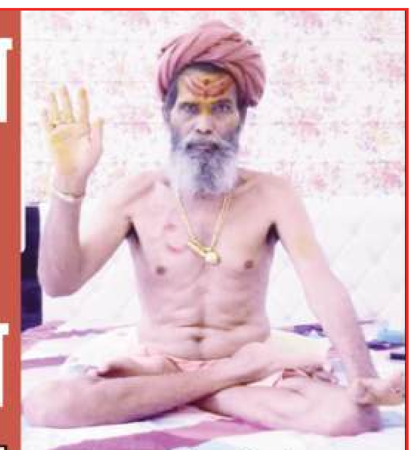

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब ईंह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

मानवता ने चुकाई महत्वाकांक्षी युद्धों की कीमत

– सुरेश सेठ

पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से विश्व अलग-अलग क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका झेल रहा है. रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दोनों देशों की संपत्ति और विश्व आपूर्ति शृंखला को नुकसान हुआ. दुनिया की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई और श्रम शक्ति का विस्थापन हुआ. लेकिन लड़ाई समाप्त होने का नाम नहीं ले रही. पश्चिमी एशिया में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव और अस्थिर संघर्ष, भले ही टलने की स्थिति में दिखे, लेकिन यह मानवता के लिए गंभीर क्षति पहुंचा रहा है. साथ ही चीन-ताइवान तनाव से एक और वैश्विक युद्ध का खतरा बढ़ता दिखता है. यदि यह संघर्ष भारत की सीमाओं तक पहुंचा, तो न केवल विश्व अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि भारत भी तमाम आर्थिक चुनौतियों का सामना कर सकता है. अमेरिका-ईरान युद्ध से यूं तो पूरी दुनिया प्रभावित है, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाएं गहरे तक प्रभावित हो रही हैं. यह युद्ध 28 फरवरी को अमेरिका द्वारा खाड़ी स्थित ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने और संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा करने के कथित लक्ष्य के साथ शुरू हुआ. वास्तव में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का युद्ध में कूदने का उद्देश्य अपनी राजनीतिक सुरक्षा था. अमेरिका ने अपनी शक्ति पर गुमान करते हुए युद्ध छेड़ा, लेकिन इसके परिणामस्वरूप संघर्ष की विभीषिका से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा गई. इस संघर्ष का परिणाम यह हुआ कि अमेरिका-ईरान युद्ध में 14 देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गए, क्योंकि खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित थे. ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से हमले किए. दो महीने बाद शांति वार्ता शुरू हुई, लेकिन दोनों पक्ष बातचीत के लिए तैयार नहीं थे. अमेरिका संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा और होर्मुज मार्ग खुलवाना चाहता है, जबकि ईरान के फ्रीज खातों को खोलने और प्रतिबंध हटाने पर सहमति नहीं दे रहा था. दूसरी ओर, ईरान ने होर्मुज के मुहाने पर नाकाबंदी कर दी है, जिससे तेल और गैस के टैंकर अटक गए हैं. अमेरिका भी ओमान की खाड़ी में नाकाबंदी कर रहा है. इससे दुनिया भर में कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति का संकट पैदा हुआ है, जिससे तमाम देशों में महंगाई और ऊर्जा संकट उत्पन्न हो

गया है. आर्थिक विश्लेषक कहते हैं कि इस युद्ध के कारण दुनिया को इस समय तक अनुमानित 474 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो चुका है. आर्थिक सहयोग और विकास संगठन चेताता है कि अगर यूं ही ऊर्जा आपूर्ति बाधित रही तो पूरी दुनिया की जीडीपी घट जाएगी और रोजगार के अवसर समाप्त हो जाएंगे. ईरान की परमाणु शक्ति, होर्मुज मार्ग, फ्रीज की गई संपत्तियां और लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़े मुद्दे शांति स्थापना में प्रमुख बाधाएं हैं. यद्यपि अमेरिका और ईरान ने युद्धविराम बढ़ाया था, फिर भी परमाणु कार्यक्रम और फ्रीज फंडों को लेकर दोनों के मतभेद लंबे समय तक बने रहे. इन विवादों के कारण संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रहा था. विश्व की शक्तियों को समझना चाहिए कि युद्ध को लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता. अमेरिकी संसद बार-बार कहती रही है कि यह युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए लेकिन ट्रम्प अपनी विजेता की छवि बनाकर ही इस युद्ध से निकलना चाह रहे थे, जो तत्काल संभव नजर नहीं आता था. ईरान ने अमेरिका जैसी महाशक्ति और इस्राइल की एकजुटता से मुश्किल लड़ाई लड़ी है, लेकिन अमेरिका का लगातार प्रतिरोध किया है. किसी भी समाधान के लिए दोनों पक्षों को लचीलापन दिखाना चाहिए, ताकि युद्ध की विभीषिका खत्म हो. तभी विश्व की आपूर्ति श्रृंखला को सामान्य बनाया जा सकता है. यह भी हकीकत है कि पाकिस्तान और कतर के बैक-चैनल प्रयास तक अमेरिका-ईरान टकराव का समाधान समय रहते खत्म कर पाये. जिससे काफी समय तक सीमित युद्ध और होर्मुज नाकाबंदी जारी रही.जिसके कारण दुनिया आर्थिक संकट, महंगे ईंधन और ऊर्जा की कमी जैसी समस्याओं का सामना करती रही. परिणामस्वरूप, वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बढ़ती रही. वहीं दूसरी ओर आशंका जतायी जा रही है कि इस्राइल-हिज्बुल्लाह की झड़पें लेबनान में बड़े युद्ध का रूप ले सकती हैं. जिसका ईरान लगातार विरोध करता रहा है. यह मुद्दा भी समझौते होने में बाधक बना रहा है. युद्ध के चलते स्थिति इतनी गंभीर है कि 14 देशों का एयरस्पेस बंद हो गया है, हजारों उड़ानें रद्द या डाइवर्ट हुई हैं, और ईंधन की कीमतें 130 प्रतिशत बढ़ गई हैं. खाड़ी और भारत के यात्रा रूट पर टिकटों की कीमतें भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं. आर्थिक संकट आम आदमी की जीवनशैली पर भारी पड़ रहा है और विकास के लक्ष्य बेअसर हो रहे हैं. इस बीच, हथियार व्यापार और युद्धरत देशों की राजनीति मानवता और शांति के मूल्यों को भूलती नजर आ रही है. इस समय शांति और अहिंसा के संदेश कोरे भाषण लगने लगे हैं. *(लेखक साहित्यकार हैं)*

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद: सुप्रीम कोर्ट से एफआईआर और स्वतंत्र जांच का निर्देश देने की मांग

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट में एक प्रस्तुतीकरण पेश किया गया है जिसमें अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दान और चढ़ावे के कथित दुरुपयोग के मामले में एफआईआर दर्ज करने और कोर्ट की निगरानी में जांच का निर्देश देने की मांग की गई है. भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को संबोधित यह प्रस्तुतीकरण एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड अनूप प्रकाश अवस्थी ने दिया है. वकील ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वह सीबीआई जैसी किसी बड़ी जांच एजेंसी से दान के कथित गलत इस्तेमाल से जुड़े संज्ञेय अपराधों की स्वतंत्र जांच कराने का निर्देश देने पर विचार करे, जिसकी सीधी निगरानी कोर्ट करे और समय-समय पर स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष दाखिल की जाए.

प्रस्तुतीकरण में इस बात पर जोर दिया गया कि भक्तों के दान के पैसे और प्रॉपर्टी को बचाने और उनकी सुरक्षा के लिए कोर्ट की निगरानी में एक सिस्टम बना रहे, जो समय-समय पर पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए जरूरी हो. ज्ञापन में कहा गया है कि भगवान श्री रामचंद्रजी मर्यादा पुरुषोत्तम माने जाते हैं, जो न्याय, जवाबदेही और नैतिक शासन के प्रतीक हैं. इसमें यह भी कहा गया है कि उनके जन्मस्थान पर चढ़ाए गए चढ़ावे से जुड़ा कोई भी आरोप किसी आम आपराधिक केस से कहीं ज्यादा बड़ा हो जाता है.

प्रस्तुतीकरण में कहा गया, जिन मामलों में संस्थाओं पर लोगों का भरोसा दांव पर लगा हो, वहां लाखों भक्तों का भरोसा सिर्फ एक ऐसी जांच से ही वापस लाया जा सकता है जो साफ तौर पर स्वतंत्र, व्यापक और जिसमें असर, दबाव या हितों के टकराव की कोई संभावना न हो.

प्रस्तुतीकरण में यह भी कहा गया कि राज्य सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई है, लेकिन औपचारिक आपराधिक जांच और एफआईआर न होने से मामले में सरकारी कार्रवाई पर सवाल उठे हैं. रिप्रेजेंटेशन में कहा गया, मैं किसी भी व्यक्ति, संस्था या अथॉरिटी के बारे में पहले से कोई राय नहीं बनाना चाहता. न ही मेरा ट्रस्ट पर कोई शक करने का इरादा है, जिसके सदस्यों ने बहुत कीमती सेवा दी है. हालांकि, आरोपों की गंभीरता और इसमें शामिल संस्था की बहुत बड़ी अहमियत के लिए आम मापदंड से ज्यादा पारदर्शिता और भरोसे की जरूरत है.

प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि करोड़ों भक्तों के दान से जुड़े आरोपों के बावजूद, शुरुआत में कोई औपचारिक आपराधिक जांच न होना, इस मामले में संस्थागत प्रतिक्रिया पर सवाल खड़े करता है. इसमें आगे कहा गया, हालांकि मैं किसी भी अथॉरिटी को इसके पीछे का कारण बताने से बचता हूं, लेकिन एफआईआर दर्ज करके आम आपराधिक प्रक्रिया शुरू न करने से यह राय बन सकती है कि मामले को सिर्फ एक प्रशासनिक गड़बड़ी के तौर पर देखने की कोशिश की जा रही है, न कि किसी देवता को समर्पित प्रॉपर्टी और चढ़ावे को प्रभावित करने वाले संभावित गंभीर आपराधिक विश्वासघात के तौर पर. ऐसी राय, चाहे सही हो या नहीं, जांच प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कम कर सकती है.

रिप्रेजेंटेशन में आगे दावा किया गया कि करोड़ों भक्तों के दान से जुड़े आरोपों के बावजूद अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है. इसमें यह भी कहा गया कि आम आपराधिक कानूनी प्रक्रिया शुरू न करने से यह धारण बन सकती है कि इस मामले को एक प्रशासनिक गड़बड़ी के तौर पर देखा जा रहा है, न कि एक गंभीर आपराधिक विश्वासघात के तौर पर. इसमें उन रिपोर्ट्स का भी जिक्र किया गया है जिनमें आरोप लगाया गया है कि दान प्रबंधन से जुड़े कुछ लोगों के पास उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से ज्यादा प्रॉपर्टी पाई गई है, साथ ही यह भी साफ किया गया है कि ऐसे आरोप साबित होते हैं या गलत, यह एक अच्छी जांच का मामला है.

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दान और चढ़ावे के कथित दुरुपयोग के मुद्दे ने तब राजनीतिक तूल पकड़ा जब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मंदिर के चढ़ावे के करोड़ों रुपये गायब हो गए हैं और उन्होंने न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की.

'कुमकुम भाग्य' फेम अभिनेत्री संचिता उगले ने किया सुसाइड, पंखे से लटका मिला शव

पालघर: टीवी जगत से एक बेहद चौंकाने वाली और दुखद खबर सामने आ रही है. लोकप्रिय धारावाहिक 'कुमकुम भाग्य' और 'वागले की दुनिया' में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकीं महज 22 वर्षीय युवा अभिनेत्री संचिता उगले ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है. पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी. वह 22 वर्ष की थीं. एक अधिकारी के अनुसार, संचिता ने रविवार की शाम करीब सात बजे नालासोपारा स्थित अपने घर में छत के पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. उन्होंने बताया कि संचिता घर पर अकेली थीं. पुलिस अधिकारी ने बताया, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की.

घटनास्थल पर हमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और न ही कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ है. अभिनेत्री के पिता ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा है कि उन्हें इस मामले में किसी भी तरह की साजिश या गड़बड़ी का कोई शक नहीं है. वे संचिता की मौत के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं मान रहे हैं. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है और 'आकस्मिक मृत्यु' का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कि आखिर संचिता ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया.

22 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह देने वाली संचिता उगले टीवी और बॉलीवुड का एक उभरता हुआ चेहरा थीं. संचिता टीवी धारावाहिक 'कुमकुम भाग्य' में दीया टंडन की भूमिका निभाने के लिए जानी जाती थीं. उन्होंने पूर्व में कहा था कि इस किरदार को हासिल करना उनके जीवन का एक बड़ा मोड़ साबित हुआ, जिसने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई और उनके अभिनय करियर को नई दिशा दी.

संचिता ने कुछ फिल्मों में भी काम किया था. उन्होंने विक्की कौशल अभिनीत फिल्म 'छावा' में तारा रानी के युवा रूप का किरदार निभाया था. इसके अलावा वह चर्चित अभिनेता मनोज वाजपेयी के साथ 'साइलेंस 2 : द नाइट आउल बार शूटआउट' में भी नजर आई थीं.

ब्रिटेन में बच्चों के सोशल मीडिया पर बैन रोमांटिक पार्टनर और इंटीमेट बातचीत पर रोक

लंदन: ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के बाद अब ब्रिटेन ने भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के फैसला किया है. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इसे बड़ा कदम बताया है. स्टार्मर ने कहा कि सरकार क्रिसमस से पहले नियम पास करने की योजना बना रही है और सुरक्षा उपाय फरवरी-मार्च 2027 में लागू होने की उम्मीद है. स्टार्मर ने कहा कि सोशल मीडिया णघ के बच्चों को उदास और असुरक्षित महसूस कराता है. उन्होंने कहा कि 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एक्सेस पर बैन लगाने का फैसला सबूतों को देखने के बाद लिया गया था.

एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में स्टार्मर कहते दिखते हैं, हर पेरेंट अपने बच्चों के लिए सबसे बेस्ट माहौल चाहता है. और पेरेंट होने का यही मतलब है और मेरे लिए, मेरे दोनों बच्चों के लिए, मैंने हमेशा दिल से यही चाहा है कि वे सुरक्षित रहें और खुश रहें और बाकी सब उन पर है. लेकिन आप जानते हैं, मुझे याद है जब मैं बड़ा हो रहा था तो हमारे लिए ये माहौल आसान था.

स्टार्मर बोले, आजकल, बच्चों को एक ऐसी दुनिया में अपने पैर जमाने पड़ते हैं जो बहुत तेज़ी से बदलती है. इस दुनिया में टेक्नोलॉजी उनकी जिंदगी के हर पहलू में दाखिल हो जाती है. हम जानते हैं कि इससे उन्हें नुकसान होता है. कंसल्टेशन में पेरेंट्स का जवाब बिल्कुल साफ रहा है. हजारों पेरेंट्स कहते हैं कि उनके बच्चों को सोशल मीडिया की लत लग गई है. यह उन्हें कभी न खत्म होने वाले स्क्रॉलिंग के चक्कर में फंसा सकता है जिससे खेलने, सोने और परिवार के साथ समय बिताने का मौका नहीं मिलता.

ब्रितानी पीएम आगे कहते हैं, इससे उनकी मेंटल हेल्थ को नुकसान हो सकता है और सच कहूं तो, पेरेंट्स को इस पर हमारे सपोर्ट की ज़रूरत है. इसीलिए आज सरकार ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एक्सेस पर बैन लगाने का फैसला किया है. यह हमारे देश के लिए एक बड़ा कदम है. अब, यह करना आसान काम नहीं है.

कीर स्टार्मर ने कहा, लेकिन हम उनका सामना करेंगे और हम जीतेंगे क्योंकि एक्शन की जरूरत इससे ज्यादा साफ नहीं हो सकती. सोशल मीडिया हमारे बच्चों को दुखी और असुरक्षित बना रहा है. और एक पेरेंट और एक प्राइम मिनिस्टर के तौर पर, मैं इसे और नहीं चलने दे सकता क्योंकि हमारे इससे बेहतर के हकदार हैं. वे एक मजबूत, ज्यादा निष्पक्ष ब्रिटेन में एक खुशहाल, सुरक्षित बचपन के हकदार हैं.

नीट पुनर्परीक्षा के लिए चार लाख अभ्यर्थियों ने डाउनलोड किए प्रवेश पत्र

प्रवेश पत्र डाउनलोडिंग में कुछ दिक्कतें भी आ रहीं, जिनके समाधान के लिए टीमें सक्रिय

नई दिल्ली: राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा है कि 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा के लिए अब तक लगभग 4 लाख अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) डाउनलोड कर चुके हैं. हालांकि कुछ उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों और सर्वर संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें दूर करने के लिए एजेंसी की टीमें लगातार काम कर रही हैं.

एनटीए ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसे उन समस्याओं की जानकारी है जिनका सामना कुछ छात्रों को एडमिट कार्ड डाउनलोडिंग के दौरान करना पड़ा है. एजेंसी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी उम्मीदवार अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे. एनटीए ने अभ्यर्थियों को हुई असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया.

इससे पहले रविवार देर रात एनटीए ने जानकारी दी थी कि करीब एक लाख उम्मीदवार एडमिट कार्ड डाउनलोड कर चुके हैं. एजेंसी ने यह भी बताया कि छात्रों के हित में शुल्क वापसी के लिए बैंक खाते का सत्यापन करने की सुविधा शुरू की गई है, जिसे दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन) लॉगिन के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है.

ओमान की खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर सरकार का रुख निराशाजनक: कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस ने ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर दुख जताया है. पार्टी ने सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमारे नागरिकों की मौत पर सरकार चुप क्यों है? पार्टी ने पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए वैश्विक मंच पर सरकार के रुख को बेहद कमजोर और निराशाजनक बताया है. कांग्रेस-सोशल मीडिया व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि 11 जून को ओमान की खाड़ी में एमटी सेटेबेलो जहाज पर अमेरिकी हमले में भारत के तीन बहादुर नाविक हिमाचल प्रदेश के आदित्य शर्मा, उत्तर प्रदेश के शिवानंद चौरसिया और आंध्र प्रदेश के पटनाला सुरेश की मौत हो गयी. इस युद्ध से भारत का कोई लेना-देना नहीं है, इसके बावजूद भारतीय नागरिक इस टकराव में अकारण मारे जा रहे हैं.

श्रीनेत ने कहा कि आगामी विदेश यात्रा के दौरान जब प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे, तो क्या वे इस गंभीर मुद्दे को उनके समक्ष उठाएंगे और भारतीयों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले पर जवाब मांगेंगे? कांग्रेस नेता ने विदेश मंत्रालय द्वारा की गई राजनयिक कार्रवाई को नाकाफी और महज एक औपचारिक कवायद बताया. उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत को तलब कर केवल दबी जुबान में आपत्ति दर्ज कराई. इसके उलट, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने माफी मांगने या शोक जताने के बजाय इस हिंसक कार्रवाई को जायज ठहराया है, जिसका सरकार ने अब तक खंडन भी नहीं किया है.

श्रीनेत ने कहा कि भारत की संप्रभुता और स्वतंत्रता का सम्मान करने के बजाय सरकार अमेरिका के सामने पूरी तरह नतमस्तक नजर आ रही है. उन्होंने आगामी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए भारत आ रहे अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर के दौरे का अब कोई औचित्य नहीं रह जाता है, क्योंकि अमेरिका ने हमारे नागरिकों की जान ली है और खेद जताने के बजाय देश को लगातार अपमानित किया है.

न्यूज कॉर्नर

कांगो में इबोला के मामले बढ़कर 782 हुए, अब तक 181 लोगों की मौत

किंशासा: कांगो में इबोला के मामलों की संख्या बढ़कर 782 हो गई है और अब तक 181 लोगों की मौत हो चुकी है. यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर दी. हालांकि, माना जा रहा है कि कांगो में संक्रमितों की वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है. इसकी वजह यह है कि प्रकोप की पुष्टि 15 मई को हुई थी, जबकि आशंका है कि संक्रमण कई सप्ताह पहले ही फैलना शुरू हो गया था. इसके अलावा, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान और निगरानी (कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग) की दर 56 प्रतिशत है, जो पिछले सप्ताह की तुलना में तेज गिरावट दर्शाती है. इबोला का यह ताजा प्रकोप दुर्लभ 'बुंडीबुग्यो' वायरस के कारण फैला है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 56 लोग स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि इस प्रकोप की मौजूदा मृत्यु दर 23 प्रतिशत है.

मणिपुर के कांगपोकपी ज़िले में फिर हुई गोलीबारी, तीन व्यक्ति घायल

इंफाल: मणिपुर में सोमवार को फिर से गोलीबारी की घटना के चलते राज्य में भारी तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया. सोमवार की सुबह मणिपुर के कांगपोकपी ज़िले के लेइलोन वाइफेई और कोंसाखुल गांवों के पास गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में फिर से तनाव फैल गया है. गोलीबारी में कम से कम तीन लोग घायल हुए हैं. कांगपोकपी में हुई गोलीबारी में घायल तीन लोगों को कड़ी सुरक्षा के बीच रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज़ (रिम्स), इंफाल भेजा गया है. खबरों के मुताबिक, सुरक्षा बलों को अलर्ट कर दिया गया है और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए उस पर कड़ी नज़र रखी जा रही है. घायलों की पहचान जेनलेनमांग वाइफेई (18), लुनलियांडाव वाइफेई (20) और पाओगोउ लाल (18) के तौर पर हुई है. बताया जा रहा है कि ये तीनों कुकी समुदाय से हैं. यह घटना दिन में उस समय हुई जब कांगपोकपी ज़िले के लेइलोन वाइफेई और कोंसाखुल गांवों के पास नया तनाव पैदा हो गया. खबरों के अनुसार, इलाके में गोलीबारी हुई जिसमें तीन लोग घायल हो गए.

नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस के बड़े बेटे को चार साल की जेल

ओस्लो : नॉर्वे में शाही परिवार की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बड़े बेटे मारियस बोर्ग होइबी को यौन अपराधों से जुड़े एक मामले में दोषी पाए जाने के बाद सोमवार को चार साल जेल की सजा सुनाई गई. अदालत ने होबी के खिलाफ लगाए गए चार आरोपों में से दो में उन्हें दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य आरोपों से बरी कर दिया. अदालत के फैसले के अनुसार ये मामले उन महिलाओं से जुड़े थे जो कथित रूप से सो रही थीं या किसी कारणवश विरोध करने की स्थिति में नहीं थीं. आरोप है कि ये अपराध 2018 और 2024 के बीच हुए थे. इसके अलावा, होइबी को कई अन्य आरोपों का भी सामना करना पड़ा, जिनमें हमला, नशीली दवाओं से जुड़े अपराध और अदालत द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन शामिल था. हालांकि, होइबी ने गंभीर आरोपों से इनकार किया, लेकिन उन्होंने कुछ कम गंभीर अपराधों, जैसे नशीली दवाओं से संबंधित उल्लंघनों और कानूनी आदेशों के उल्लंघन को स्वीकार किया था. यह मामला नॉर्वे में व्यापक चर्चा का विषय बना रहा क्योंकि होइबी, मेटे-मैरिटके सबसे बड़े बेटे हैं. होबी का जन्म क्राउन प्रिंसेस की प्रिंस हाकोनसे शादी से पहले के एक रिश्ते से हुआ था.

साईं बाबा संस्थान के भक्त निवास में हावड़ा की युवती से छेड़छाड़

आरोपी सफाईकर्मी अमन पठान फरार

शिरडी: साईं बाबा संस्थान के 'भक्त निवास' (श्रद्धालुओं के ठहरने की जगह) में पश्चिम बंगाल की एक 20 वर्षीय युवती के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई है. पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने वहां कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले सफाईकर्मी अमन पठान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इछ्ड) की धारा 74 के तहत मामला दर्ज कर लिया है.

पश्चिम बंगाल के हावड़ा की रहने वाली 20 वर्षीय पीड़िता 4 जून 2026 को अपने माता-पिता और बहन के साथ साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी आई थी. वे सभी साईं बाबा संस्थान के भक्त निवास के एक कमरे में ठहरे हुए थे. 5 जून 2026 की शाम करीब 6:00 बजे युवती के माता-पिता और बहन दर्शन के लिए मंदिर गए थे, जिससे वह कमरे में अकेली थी. जब वह अकेली थी, तब दरवाजे की घंटी बजी. दरवाजा खोलने पर वहां संस्थान का सफाईकर्मी अमन पठान खड़ा था. आरोपी ने युवती से अकेले में बात करने का आग्रह किया, लेकिन युवती ने अपरिचित होने और माता-पिता के घर पर न होने का हवाला देकर उसे वहां से जाने को कह दिया. इस पर आरोपी ने उसे इसी इमारत के कमरा नंबर 204 के पास आने की बात कही. कुछ देर बाद जब युवती उस कमरे के पास से गुजरी, तो आरोपी अमन पठान ने जबरन उसका हाथ पकड़कर उसे कमरे के अंदर खींच लिया और उसके साथ छेड़छाड़ की. घटना से घबराकर युवती शोर मचाते हुए अपने कमरे की तरफ भागी. अत्यधिक डर के कारण उसने शुरुआत में यह बात अपने माता-पिता से छिपाकर रखी, लेकिन 12 जून की सुबह उसने परिजनों को पूरी आपबीती बताई.

लंदन में हजारों कश्मीरी पाकिस्तान-विरोधी मार्च के लिए सड़कों पर उतरे

लंदन: लंदन में हजारों 'ब्रिटिश कश्मीरी' पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सुरक्षा बलों की कार्रवाई के विरोध में मार्च निकाले के लिए 'पार्लियामेंट स्क्वेयर' में इकट्ठा हुए. भीड़ ने बैनर लहराए और पाकिस्तानी बलों के खिलाफ क्रांति के समर्थन में नारे लगाए. प्रदर्शनकारियों ने 'ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) के समर्थन में मानवाधिकारों की बहाली तथा क्षेत्र में फैलाए जा रहे आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना वापस जाओ जैसे नारे भी लगाए. उन्होंने पीओके में आम नागरिकों की कथित हत्याओं, महिलाओं के उत्पीड़न और शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ बल प्रयोग पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की. प्रदर्शनकारियों ने 'न्याय' की मांग करते हुए नारे लगाए और क्षेत्र में हाल में सामने आई अशांति की घटनाओं को उजागर करने के लिए तख्तियां लहराईं.

राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग का अभूतपूर्व योगदान: पीएम मोदी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पिछले 12 वर्षों में राजग सरकार का ध्यान आम नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने पर रहा है. सरकार ने अवसरों तक आसान पहुंच, बेहतर बुनियादी ढांचे, उन्नत सार्वजनिक सेवाओं, किफायती स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष काम किया है. अपनी सरकार को मध्यम वर्ग की सरकार बताते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा कि देश के निर्माण में मध्यम वर्ग का अभूतपूर्व योगदान है और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करना सरकार के लिए सौभाग्य की बात है.

इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल क्रांति में अभूतपूर्व प्रगति केंद्र सरकार के नागरिकों की भागीदारी वाले प्रमुख प्लेटफार्म 'मायगोव इंडिया' के अनुसार, पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 सालों में मध्यम वर्ग के रहन-सहन के स्तर में बड़ा उछाल आया है.

देश में इंटरनेट पैठ अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई है, जिसके तहत 103 करोड़ से अधिक कनेक्शन सक्रिय हैं. डेटा की कम कीमतों ने शिक्षा, डिजिटल भुगतान और रोजगार के अवसरों को बेहद सुलभ बना दिया है.

यातायात के क्षेत्र में 'वंदे भारत' सेवाओं के विस्तार से रेल यात्रा तेज और आरामदायक हुई है. अब तक 164 वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो चुकी हैं, जिनसे नौ करोड़ से अधिक यात्री सफर कर चुके हैं.

श्री अकाल तख्त ने सीएम भगवंत मान को बताया 'खालसा पंथ विरोधी'

पंजाब विधानसभा के सभी सिख विधायकों को किया तलब

अमृतसर: श्री अकाल तख्त साहिब में पांच सिंह साहिबान की हुई बैठक में पंजाब सरकार की ओर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के खिलाफ बनाए गए कानून में संशोधन नहीं करने पर विधानसभा के सभी सिख विधायकों व पूरी कैबिनेट को 29 जून को श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होने का आदेश दिया है. इसके साथ ही मुख्यमंत्री भगवंत मान को पंथ का दोषी करार देते हुए सिखों को उनसे किसी भी तरह का संबंध रखने पर रोक लगा दी है. मान को पंथ का दोषी और उनसे संबंध रखने पर रोक लगने से कैबिनेट के समक्ष भी परेशानी खड़ी हो गई है.

बैठक के बाद श्री अकाल तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि एसजीपीसी ने सरकार की ओर से बनाए गए जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कानून 2026 के कुछ प्रविधानों पर कड़ी आपत्ति जताई थी. श्री अकाल तख्त ने इन आपत्तियों को दूर करने के लिए पंजाब सरका को कहा था लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इससे साफ इन्कार कर दिया.

आधार पर आर-पार: केवल पहचान पत्र के रूप में हो इस्तेमाल, सुप्रीम कोर्ट में आज होगी अहम सुनवाई

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को एक बहुत महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करेगा. इस याचिका में आधार कार्ड के गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई गई है. याचिकाकर्ता का आरोप है कि आधार कार्ड का उपयोग गलत तरीके से नागरिकता, निवास और अधिवास यानी डोमिसाइल के प्रमाण के रूप में हो रहा है. शीर्ष अदालत से मांग की गई है कि आधार का उपयोग केवल पहचान के सत्यापन तक ही सीमित किया जाए.

यह जनहित याचिका मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के सामने लगी है. यह याचिका प्रसिद्ध वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है. याचिका में केंद्र सरकार, राज्यों और चुनाव आयोग को कड़े निर्देश देने की मांग की गई है. इसमें साफ कहा गया है कि आधार को सिर्फ पहचान का दस्तावेज माना जाए. इसे नागरिकता, स्थायी निवास, पता या जन्मतिथि साबित करने का जरिया न बनाया जाए. अधिवक्ता अश्वनी दुबे के माध्यम से दायर इस याचिका में वर्तमान व्यवस्था पर कई कानूनी सवाल उठाए गए हैं.

याचिका के अनुसार, नए वोटर रजिस्ट्रेशन (फॉर्म-6) में आधार को जन्मतिथि और पते के सबूत के तौर पर लिया जा रहा है. याचिकाकर्ता का तर्क है कि यह प्रक्रिया कानून के खिलाफ है. यह आधार अधिनियम 2016 की धारा 9, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 23(4) और संविधान के अनुच्छेद 14 का सीधा उल्लंघन है. आधार अधिनियम की धारा 9 साफ कहती है कि आधार नागरिकता या अधिवास का प्रमाण नहीं है. यूआईडीएआई की 22 अगस्त 2023 की अधिसूचना में भी यही बात स्पष्ट की गई थी कि आधार केवल पहचान का प्रमाण है, नागरिकता या जन्मतिथि का नहीं.

सुप्रीम कोर्ट से दीपक प्रकाश और सम्राट सरकार को नोटिस, कुशवाहा के मंत्री बेटे की मुसीबत बढ़ी

नई दिल्ली/पटनाः सुप्रीम कोर्ट ने बिना विधायक या विधान पार्षद बने ही दूसरी बार मंत्री बनाए गए दीपक प्रकाश कुशवाहा समेत सम्राट चौधरी सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर दिया है. दीपक प्रकाश को दोबारा मंत्री बनाने को सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका के जरिए चुनौती दी गई है और दीपक को पद से हटाने की मांग की गई है. राज्यों में सदन का सदस्य रहे बिना कोई नेता एक बार अधिकतम छह महीने के लिए मंत्री या मुख्यमंत्री तक भी बन सकता है, लेकिन दीपक प्रकाश पहले नीतीश कुमार की सरकार में 5 महीने तक मंत्री रहने के बाद अब सम्राट चौधरी की नई सरकार में दोबारा मंत्री बने हैं. लेकिन इस दौरान दीपक प्रकाश एमएलए या एमएलसी नहीं बन पाए हैं. हाल में संपन्न विधान परिषद की 10 सीटों के चुनाव और उप-चुनाव में भी उन्हें भाजपा ने सदन में नहीं भेजा.

सर्वोच्च अदालत के नोटिस से बिहार की राजनीति में बड़ी हलचल पैदा होनी तय है. राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे पर अब कोर्ट की तलवार लटक गई है. सरकार को नोटिस का जवाब देना है, इसलिए अगली सुनवाई से पहले कुछ ऐक्शन होता दिख सकता है. एक्टिविस्ट राकेश सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले को काफी गंभीर माना. कोर्ट से दीपक और सरकार को नोटिस जारी होने के बाद कुशवाहा के बेटे की मुसीबत बढ़ गई है. अदालत ने सरकार और दीपक के साथ ही चुनाव आयोग को भी नोटिस जारी कर इस मामले में जवाब मांगा है.

याचिका में कहा गया है कि दीपक प्रकाश राज्य विधानमंडल (विधानसभा और विधान परिषद) के किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं, इसलिए वे राज्य सरकार में मंत्री पद नहीं संभाल सकते. संविधान के अनुच्छेद 164(4) के अनुसार, कोई व्यक्ति जो सदन में नहीं है, वह लगातार छह महीने तक ही मंत्री रह सकता है और इस दौरान उसे सदन की सदस्यता हासिल करनी होती है. याचिकाकर्ता के वकील सुदीप चंद्रा और सान्या कौशल ने दलील दी कि दीपक प्रकाश पहली बार 20 नवंबर 2025 को नीतीश कैबिनेट के मंत्री बने. नीतीश के इस्तीफा के बाद वह 15 अप्रैल से मंत्री नहीं रहे. सम्राट की सरकार में उन्हें फिर 7 मई को मंत्री बनाया गया. पहली नियुक्ति के हिसाब से 6 महीने की सीमा 20 मई 2026 को खत्म हो चुकी है.

याचिकाकर्ता का तर्क है कि बिना चुने किसी व्यक्ति को बार-बार मंत्री बनाना संवैधानिक शक्ति का गलत इस्तेमाल है, जिसका मकसद गैर-विधायकों को मिलने वाली छह महीने की छूट की अवधि को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ाना है. कोर्ट में ऐतिहासिक 'एस.आर. चौधरी बनाम पंजाब राज्य (2001)' मामले का हवाला देते हुए कहा गया कि अनुच्छेद 164(4) के तहत मिलने वाली छह महीने की छूट को इस्तीफे, कैबिनेट फेरबदल या मुख्यमंत्री बदलने के जरिए दोबारा रीसेट नहीं किया जा सकता. याचिका में संविधान के अनुच्छेद 14, 164(2), 164(4) और 141 के उल्लंघन का आरोप है, जिसने अब दीपक प्रकाश को लेकर सम्राट सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं.

अनंत सिंह को बड़ी राहत : हथियार के साथ डांस मामले में बाहुबली समेत 7 को अग्रिम जमानत

गोपालगंजः डांस और हथियार लहराने के मामले में मोकामा विधायक अनंत सिंह, गायक गुंजन सिंह समेत सात लोगों को अग्रिम जमानत मिल गई है. गोपालगंज सिविल कोर्ट के एडीजे-3 एमपी-एमएलए की कोर्ट ने सोमवार को अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई की. कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले में सभी आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका को मंजूर कर लिया है. अदालत के इस फैसले से अनंत सिंह के समर्थकों में खुशी की लहर है. दरअसल, यह मामला काफी समय से कानूनी प्रक्रिया के अधीन था, जिस पर सुरक्षा और राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण सबकी निगाहें टिकी थीं. सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान एमपी-एमएलए कोर्ट के समक्ष दोनों पक्षों की ओर से जोरदार बहस हुई. बचाव पक्ष पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता कुमार हर्षवर्धन और सिविल कोर्ट के अधिवक्ता राजेश कुमार पाठक ने अदालत के सामने दलील दी.

वकील ने कोर्ट को बताया कि अनंत सिंह पर लगाए गए आरोप निराधार हैं, दुर्भावनापूर्ण तरीके से फंसाया गया है.

उन्होंने यह भी तर्क दिया कि इस मामले से जुड़े साक्ष्य पर्याप्त नहीं हैं और उनके मुवक्किल कानून की प्रक्रिया में पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं. जबकि अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए अपनी दलीलें पेश कीं. विशेष अदालत के न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की ओर से पेश की गई दलीलों, गवाहों के बयानों और केस डायरी का गहन अध्ययन किया.

अदालत ने मामले की परिस्थितियों और आरोपियों की कानूनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए अनंत सिंह सहित सभी सात लोगों को जमानत पर रिहा करने का आदेश जारी कर दिया. न्यायालय से जमानत मिलने की खबर जैसे ही कोर्ट परिसर से बाहर आई, गोपालगंज से लेकर पटना और मोकामा तक अनंत सिंह के समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया.

बिहार में सीमा हैदर केस जैसा मामला, म्यांमार की महिला ने सीतामढ़ी के युवक से की शादी, फर्जी आधार ने खोला राज

मोतिहारीः भारत-नेपाल सीमा पर रक्सौल के हरैया कस्टम चौक से सुरक्षा एजेंसियों ने एक म्यांमार की युवती को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि वह फर्जी भारतीय पहचान के साथ भारत में रह रही थी और नेपाल के रास्ते थाईलैंड भागने की कोशिश कर रही थी. जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. मामला रक्सौल के हरैया कस्टम चौक का है. एसएसबी और स्थानीय पुलिस को इनपुट मिला था कि एक विदेशी महिला फर्जी दस्तावेजों के सहारे नेपाल बॉर्डर पार करने वाली है. इसके बाद चौक पर सघन जांच अभियान चलाया गया. जांच के दौरान एक संदिग्ध महिला को रोका गया.

पूछताछ में महिला की पहचान बुमा देवी के रूप में हुई है. वह मन बहादुर बसनेट की पुत्री है और माखांती, मिक्कीना, यांगून, म्यांमार की रहने वाली है. महिला ने बताया कि उसका प्रेम प्रसंग सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-09, रघुनाथ

रसूलपुर निवासी मोहम्मद सद्दाम मंसूरी, पिता सिराजुल मंसूरी से चल रहा था.

जानकारी के अनुसार दोनों ने कथित रूप से विवाह कर लिया था. शादी के बाद बुमा देवी ने भारत में रहने के लिए फर्जी तरीका अपनाया. उसने अपना आधार कार्ड बनवा लिया और नाम बदलकर अंजुम खातून रख लिया. इसी फर्जी भारतीय पहचान के आधार पर वह अवैध रूप से भारत में रह रही थी. सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार महिला नेपाल के रास्ते थाईलैंड जाने की फिराक में थी. हरैया कस्टम चौक पर जांच के दौरान दस्तावेज संदिग्ध लगे. गहन पूछताछ में पूरी साजिश का खुलासा हुआ. इसके बाद महिला को गिरफ्तार कर लिया गया. उसके पास से फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज भी मिले हैं.

गिरफ्तार महिला को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया है. संबंधित एजेंसियां अब दस्तावेज की सत्यता, भारत में प्रवेश का रूट और फर्जी आधार बनाने वाले गिरोह की जांच कर रही हैं. पुलिस यह भी पता लगा रही है कि महिला को भारत लाने और फर्जी पहचान दिलाने में किसने मदद की. मोहम्मद सद्दाम मंसूरी की भूमिका की भी जांच हो रही है. खुफिया एजेंसियां इस मामले को मानव तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा के एंगल से भी देख रही है.

म्यांमार की युवती की गिरफ्तारी ने सीमा हैदर के मामले की यादें ताजा कर दी हैं. पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर प्यार के लिए नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से दाखिल हुई थी.

सीवान में पेट्रोल के मामूली विवाद में बुजुर्ग की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

सीवान : बिहार के सीवान जिले के दरौली थाना क्षेत्र में पेट्रोल को लेकर हुए विवाद में बाइक सवार अपराधियों ने एक वृद्ध दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी. मृतक बुजुर्ग का नाम अमर सिंह था. अभी तक पुलिस को परिजनों की ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया है. इसलिए अभी तक ऋखठ दर्ज नहीं हो सकी है. पुलिस अपनी ओर से जांच कर रही है. घटना दरौली थाना क्षेत्र के विसवानिया मकरी टोला गांव की है. रविवार रात करीब 8 बजे बाइक पर सवार कुछ युवक विसवानिया बाजार स्थित एक छोटी गुमटी पर पहुंचे. वहां डीजल-पेट्रोल बेच रहे 70 वर्षीय बुजुर्ग दुकानदार अमर सिंह से अपराधियों की किसी बात को लेकर बहस हो गई. देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि अपराधियों ने वृद्ध को सिर में सटाकर गोली मार दी और मौके से हथियार लहराते हुए फरार हो गए. गोली की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत घटना स्थल पर दौड़कर पहुंचे.

खुद को सीबीआई और ईडी का अधिकारी बताकर 2500 लोगों को लगा दिया 15 करोड़ का चूना

कानपुर : कानपुर पुलिस और साइबर क्राइम सेल ने खुद को पुलिस, सीबीआई या अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर 'डिजिटल अरेस्ट' करने वाले एक अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया है. साथ ही छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गैंग लोगों को फर्जी मामलों में गिरफ्तारी का डर दिखाकर उनसे पैसे ठगते थे. यह गैंग अब तक देश के अलग-अलग राज्यों के लगभग 2,500 मासूम लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना चुका है और इनसे 15 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी की है. वहीं ठगी की रकम के लेनदेन के लिए 450 से ज्यादा फर्जी और किराए के बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया था.

डीसीपी कासिम अब्दी ने बताया की 15 जून को पुलिस टीम को एक सटीक सूचना मिली थी. इसके बाद पुलिस ने बिना वक्त गंवाए ग्राम बहरमापुर जाने वाली कच्ची सड़क के पास घेराबंदी की और दबिश देकर मौके से 6 आरोपियों को रंगे हाथों दबोच लिया. पूछताछ में इन आरोपियों ने बताया कि ये लोग नकली अफसर बनकर सीधे-साधे लोगों को कॉल, वॉट्सऐप या टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क करते थे. खुद को पुलिस या सीबीआई का बड़ा

अधिकारी बताकर लोगों को 'डिजिटल अरेस्ट' करते थे. उन्होंने बताया कि डर के मारे जब पीड़ित पैसे ट्रांसफर कर देता था, तो ये लोग उस राशि को अलग-अलग 450 बैंक खातों में ट्रांसफर करते थे और एटीएम या यूपीआई के जरिए इन पैसों को निकालते थे. ठगी की इस रकम को वे क्रिप्टो (यूएसडीटी) में बदल देते थे और फिर टेलीग्राम ग्रुप के जरिए पी2पी ट्रेडिंग करके दोबारा भारतीय मुद्रा में ठिकाने लगा देते थे.

पुलिस ने बताया कि जैसे ही ठगी का शिकार हुए किसी व्यक्ति की शिकायत पर बैंक खाता फ्रीज किया जाता था तो, ये लोग तुरंत उस खाते के एटीएम कार्ड और पासबुक को जलाकर या चबाकर नष्ट कर देते थे.

जेल से बाहर आते ही रोशन आनंद ने बोला हमला, कहा- फैजल खान और कोल्ड स्टोरेज के मालिक ने भाई की हत्या करवाई

पटनाः पटना में ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर रोशन आनंद बेउर जेल से बाहर आने के बाद खान सर और किसान कोल्ड स्टोरेज के मालिक पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि फैजल खान सर और किसान कोल्ड

स्टोरेज के मालिक आरएस प्रसाद का सब किया-धरा है. दोनों ने मिलकर हमें फंसाया और मेरे भाई की हत्या करवाई है. उन्होंने कहा कि सरकार पर हमें पूरा भरोसा है. हमें न्याय जरूर मिलेगा. रोशन आनंद अपने भाई प्रिंस यादव के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे. जेल के बाहर भारी संख्या में लोग पहुंचे थे. रोशन आनंद ने कहा कि जिस गोलीबारी मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था, उसमें उनकी ओर से कोई फायरिंग नहीं हुई थी, बल्कि गोली बारी दूसरी तरफ से की गई थी, और उन्हें जानबूझकर फंसाया गया.

रोशन सर ने दावा किया कि उनके भाई की हत्या एक सुनियोजित साजिश के तहत कराई गई. उन्होंने आरोप लगाया कि फैजल खान ने उनके भाई की हत्या करवाई और मुख्य आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. उन्होंने कहा कि पटना पुलिस इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही है. उन्होंने कहा कि उन्हें पटना में 6 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन जिन लोगों पर उनके भाई की हत्या का आरोप है, उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया.

शादी के 6 महीने बाद ही छोड़कर गई पत्नी 48 साल बाद वापस लौटी, खुशी से रो पड़ा पति

पटनाः पटना के बरियारपुर गांव के ललन मिश्रा की पत्नी निर्मला देवी 48 साल बाद वापस आईं तो वह फूट-फूटकर रोने लगे. परिवार में लोगों के खुशी के आंसू थे. सभी घर के लोगों ने उनका स्वागत किया. पत्नी छोड़कर गई तो ललन ने दूसरी शादी नहीं कि और इंतजार करते रहे. पत्नी के इंतजार में पूरा जीवन अकेले ही गुजार दिया. अब बुढ़ापे में पत्नी का साथ मिला तो खुशी से रो दिए.

ललन मिश्रा शादी के दिनों को करते हुए रो पड़े. उन्होंने बताया कि मार्च 1977 में उनकी शादी निर्मला देवी से हुई थी, निर्मला शादी के 6 महीने बाद ही घर छोड़कर अपने मायके दरभंगा चली गई थीं. इसके बाद ससुराल की तरफ कभी मुड़कर भी नहीं देखा. ललन मिश्रा अपनी पत्नी को आस-पास के गांव में ढूंढते रहे, लेकिन वह नहीं मिलीं. बाद में पता चला कि वह अपने मायके चली गईं.

पत्नी की याद में अच्छी खासी नौकरी

भी छोड़ दी, और 3 महीनों तक पागलों की तरह जीवन बिताया. पत्नी निर्मला देवी बताती हैं कि उन्हें ससुराल के ही कुछ लोगों ने भड़काकर घर छोड़ने पर मजबूर किया था. घर छोड़ने के बाद निर्मला देवी अपने मायके में रहीं.

निर्मला के पिता ने नागपुर में सरकारी स्कूल में नौकरी लगवा दी. तभी से वे वहीं रह रही हैं. अब वो ससुराल लौट आईं. निर्मला देवी ने हाथ में छपा गोदना अपने पति को दिखाया, जो शादी के समय पति के लिए बनवाया था.

10 लाख में मद्य निषेध सिपाही परीक्षा पास कराने वाला गैंग दबोचा गया

वॉकी-टॉकी, ब्लूटूथ से कराते थे हाईटेक नकल

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर में मद्यनिषेध सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान हाईटेक नकल कराने वाले एक सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ हुआ है. पुलिस ने ब्लूटूथ और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मदद से परीक्षा में फर्जीवाड़ा कराने की कोशिश कर रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में दो परीक्षार्थी और दो कथित सॉल्वर शामिल हैं. मामले का खुलासा सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने प्रेस वार्ता में किया. मिली जानकारी के अनुसार जिले के 22 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच केंद्रीय चयन पर्षद द्वारा आयोजित मद्यनिषेध सिपाही, कक्षपाल एवं चलंत सिपाही पदों की लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी. इसी दौरान मिठनपुरा स्थित

चैपमैन बालिका उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर एक परीक्षार्थी की गतिविधि संदिग्ध पाई गई. बताया जा रहा है कि जांच के दौरान परीक्षार्थी पंकज यादव के पास से ब्लूटूथ डिवाइस और माइक्रोफोन बरामद किया गया. पूछताछ के आधार पर पुलिस ने दूसरे परीक्षा केंद्र के बाहर से प्रकाश कुमार को गिरफ्तार किया, जिसके पास से वॉकी-टॉकी समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले. पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि परीक्षा केंद्र के बाहर मौजूद लोग इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रश्नों के उत्तर परीक्षार्थियों तक पहुंचा रहे थे.

बिहार के सभी भूमिहीन परिवारों को मिलेगी तीन डिसमिल जमीन, जल्द शुरू होगा अभियान बसेरा 3 : दिलीप जायसवाल

किशनगंजः बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि राज्य के हर गरीब और वास भूमिहीन परिवार को सम्मानपूर्वक जीवन यापन के लिए मुफ्त भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है. इसी कड़ी में 15 जून से 21 जून 2026 तक पूरे राज्य में अभियान बसेरा-2 के तहत विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से शेष सभी पात्र भूमिहीन परिवारों को बंदोबस्ती प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया जाएगा.

मंत्री ने कहा कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी बिहार में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं, जिनके पास रहने के लिए अपनी जमीन नहीं है. इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने निर्णय लिया है कि राज्य के सभी भूमिहीन परिवारों को तीन डिसमिल जमीन उपलब्ध कराई जाएगी. इसके लिए अगले दस दिनों के भीतर अभियान बसेरा-3 की

शुरुआत की जाएगी.

डॉ. जायसवाल ने बताया कि अभियान बसेरा-3 के तहत पात्र भूमिहीन परिवारों को न केवल मुफ्त जमीन उपलब्ध कराई जाएगी, बल्कि उन्हें आवासीय योजनाओं से जोड़कर मकान निर्माण की सुविधा भी दी जाएगी. उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में रहने वाले भूमिहीन परिवारों को उनके निकटवर्ती पंचायत क्षेत्रों में जमीन उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे स्थायी आवास का लाभ प्राप्त कर सकें.

इस अवसर पर मंत्री ने श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी. उन्होंने बताया कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राज्य के 13 जिलों में आयोजित होने वाले श्रावणी मेलों की तैयारियों के लिए कुल 5.50 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है. स्वीकृत राशि में भागलपुर श्रावणी मेला के लिए 1.30 करोड़ रुपये, बांका और मुंगेर के लिए एक-एक करोड़ रुपये, लखीसराय के लिए 75 लाख रुपये, मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ एवं बाबा दूधनाथ मंदिर मेले के लिए 50 लाख रुपये तथा बेगूसराय के विभिन्न घाटों एवं धार्मिक स्थलों के लिए 30 लाख रुपये शामिल हैं. इसके अलावा जमुई, पूर्णिया और मधुबनी को 10-10 लाख रुपये, वैशाली एवं सारण को 2.50-2.50 लाख रुपये, पूर्वी चंपारण के अरेराज मंदिर को 5 लाख रुपये तथा जहानाबाद के वानावर श्रावणी मेला के लिए 25 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है.

साधु की हत्या में फरार एक लाख का इनामी इजराइल मुठभेड़ में ढेर

उन्नावः उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले की बांगरमऊ थाना पुलिस और एसओजी की टीम ने सोमवार को एक लाख रुपये के इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर कर दिया. इस कार्रवाई में एसओजी का सिपाही घायल हुआ, जबकि एक गोली उपनिरीक्षक के बुलेटप्रुफ जैकेट में भी लगी है. इनामी बदमाश एक साधु की हत्या की वारदात के बाद से फरार चल रहा था. घटना के बाद एसपी समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया.

एसपी जय प्रकाश सिंह ने बताया कि बांगरमऊ थाना क्षेत्र स्थित पूर्विया टोला कस्बा निवासी इसराइल उर्फ इजराइल ने बीती नौ जून को निर्माणाधीन मंदिर से तीन सौ मीटर

दूर पार्षद अतीक की झोपड़ी में अपने साथियों के साथ मिलकर साधु मिलनदास की चाकू से गोदकर की हत्या कर दी थी. इस घटना में आरोपित यामीन, शफी, लल्ली और अली मोहम्मद को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपित इजराइल हत्या के बाद से फरार चल रहा था. उसकी गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था.

एसपी ने बताया कि सोमवार तड़के बांगरमऊ थाना पुलिस एसओजी टीम के साथ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे हवाई पट्टी सर्विस रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी. इस बीच सूचना मिली कि बाबा मिलन दास की हत्या में फरार इनामी आरोपित किसी साथी के इंतजार में ताजपुर अंडरपास के पास खड़ा है. सूचना के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बदमाश को आत्मसमर्पण के लिए कहा. लेकिन उसने आत्मसमर्पण की बजाए पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी. बदमाश की गोली लगने से एसओजी सिपाही विकास भदौरिया घायल हो गये.

पटना हाई कोर्ट में 7 नए न्यायाधीशों ने ली शपथ, जजों की संख्या बढ़कर हुई 44

पटनाः पटना हाई कोर्ट के सात नवनियुक्त न्यायाधीशों ने सोमवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. पटना हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश मीनाक्षी मदन राय ने शताब्दी

भवन सभागार में आयोजित समारोह में सभी न्यायाधीशों को शपथ दिलाई. सात नए न्यायाधीशों के पदभार ग्रहण करने के साथ ही हाई कोर्ट में कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या 37 से बढ़कर 44 हो गई है. स्वीकृत पदों की संख्या 53 है. अभी भी नौ पद रिक्त हैं. शपथ ग्रहण समारोह में हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के अलावा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्र, बिहार राज्य बार कौंसिल के अध्यक्ष रमाकांत शर्मा, विभिन्न अधिवक्ता संघों के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा, अमित श्रीवास्तव, सरकारी अधिवक्ता प्रशांत प्रताप, विकाश कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे. नवनियुक्त न्यायाधीशों के स्वजन भी समारोह के साक्षी बने.

अब 'कुबेर' भी आना चाहते हैं जेवर : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नोएडा एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले जेवर के किसानों से किया संवाद

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में जेवर का इलाका अब वह क्षेत्र बन गया है, जहां 'कुबेर' भी आना चाहते हैं. जेवर एयरपोर्ट भारत का पहला कार्गो व एमआरओ केंद्र बनने जा रहा है. मुख्यमंत्री ने कर्मशियल फ्लाइट प्रारंभ करने के लिए इंडिगो के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया. मुख्यमंत्री योगी सोमवार को उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में जेवर में नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए भूमि देने वाले किसानों से संवाद कर रहे थे. यह किसान जेवर से लखनऊ के लिए संचालित पहली फ्लाइट से आज राजधानी पहुंचे. इन किसानों का मुख्यमंत्री आवास पर स्वागत व सम्मान किया गया. यहां किसानों ने अपने उद्गार व्यक्त किए और मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट किया और उनके प्रति आभार भी प्रकट किया. इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गौतमबुद्ध

नगर जिले में जेवर का इलाका अब वह क्षेत्र बन गया है, जहां 'कुबेर' भी आना चाहते हैं.

योगी ने कहा कि जब हमारी कैबिनेट ने जेवर में एयरपोर्ट निर्माण के लिए प्रस्ताव पारित किया तो मैंने नोएडा के जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों से कहा कि 100 दिन के भीतर जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई प्रारंभ हो जाए, लेकिन इस अवधि तक कार्रवाई प्रारंभ नहीं हुई. मैंने वहां पहुंचकर समीक्षा बैठक ली तो पता चला कि कोई प्रगति नहीं हुई है. तब मैंने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में लगभग 100 किसानों के साथ बैठक की. मैंने कहा कि एयरपोर्ट बनाना है, लेकिन किसानों ने जमीन देने से इनकार कर दिया. असमंजस की स्थिति थी. मैंने कहा कि हम यहां विकास करना चाहते हैं, फिर भी लोगों ने मना कर दिया. मैंने अनुरोध किया कि एक घंटे का समय है, सोचिए. यह एयरपोर्ट आपकी तकदीर बदल देगा.

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने बुजुर्गों से अनुरोध किया कि विकास का मॉडल क्या होता है, यह दिखाने का समय है. वक्त सबका आता है, कुछ बन जाते हैं और कुछ बिखर जाते हैं. जो अवसर का लाभ लेता है, इतिहास उसी का बनता है. जो मौके को गंवा देता है, वह अवसर से बिखर जाता है. आपने मुझ पर विश्वास किया और विधायक धीरेंद्र सिंह ने सहयोग किया. इस कार्य को यीडा व उप्र के नागरिक उड्डयन विभाग ने युद्धस्तर पर बढ़ाया तो परिणाम यह रहा कि 13 हजार एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहण पर कार्य शुरू हुआ.

न्यूज कॉर्नर

मई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 27.3 फीसदी का इजाफा : सियाम

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री में इजाफा हुआ है. मई में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27.3 फीसदी बढ़कर 4,38,854 इकाई हो गई. मई 2025 में थोक बिक्री 3,44,656 इकाई रही थी. उद्योग संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी. सियाम की ओर से जारी एक बयान के अनुसार दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री भी मई महीने में 14.8 फीसदी बढ़कर 19,02,209 इकाई हो गई, जो मई 2025 में 16,57,116 इकाई थी.उद्योग संगठन सियाम के मुताबिक तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री मई में 31.1 फीसदी बढ़कर 70,720 इकाई हो गई, जबकि एक वर्ष पहले इसी महीने में यह 53,942 इकाई रही थी.सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने जारी बयान में कहा, यात्री वाहनों, तिपहिया और दोपहिया वाहनों ने मई 2026 में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, जिसमें हर सेगमेंट में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि हुई है.उन्होंने कहा, पिछले वर्ष मई के निम्न आधार प्रभाव और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कमी से उत्पन्न मांग, साथ ही आसान वित्तपोषण के कारण मई महीना फिर से खपत में वृद्धि के रूप में दिख रहा है.

यूरिया के 25.4 लाख टन क्षमता वाले दो नये संयंत्र जल्द उत्पादन शुरू करेंगे : सरकार

नयी दिल्ली: यूरिया के दो नये संयंत्र जल्द ही उत्पादन शुरू कर देंगे, जिनकी कुल सालाना क्षमता 25.4 लाख टन होगी. सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी.इनके शुरू हो जाने के बाद आयात पर देश की निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी.भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 100 लाख टन से अधिक यूरिया का आयात किया था.रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें भारत को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों को वैश्विक समस्याओं से बचाने के मकसद से इस क्षेत्र में मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया.मंत्रालय ने कहा, "पश्चिम एशिया में संघर्षों के कारण ईंधन की भारी कमी और निर्यात मार्गों में व्यवधान के बावजूद, सरकार ने उर्वरक की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक सक्रिय, युद्धस्तरीय प्रतिक्रिया दी है."उपलब्धियों की सूची प्रस्तुत करते हुए मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से छह नये यूरिया संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनसे प्रतिवर्ष 76.2 लाख टन की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जुड़ी है.बयान में कहा गया, "यूरिया के उच्च क्षमता वाले दो नये संयंत्र शीघ्र ही उत्पादन शुरू करने वाले हैं और इनकी संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 25.4 लाख टन है.भारत में यूरिया का घरेलू उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 में 225 लाख टन था, जो 2023-24 में बढ़कर अपने उच्चतम स्तर 314.07 लाख टन पर पहुंच गया और 2024-25 में उत्पादन 306.67 लाख टन रहा.

यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में 27.3 प्रतिशत बढ़कर 4,38,854 इकाई : सियाम

नयी दिल्ली: घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर 27.3 प्रतिशत बढ़कर 4,38,854 इकाई हो गई. उद्योग संगठन सियाम ने सोमवार को यह जानकारी दी.मई 2025 में थोक बिक्री 3,44,656 इकाई रही थी.सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री भी पिछले महीने 14.8 प्रतिशत बढ़कर 19,02,209 इकाई हो गई, जो मई 2025 में 16,57,116 इकाई थी.तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 31.1 प्रतिशत बढ़कर 70,720 इकाई हो गई जबकि एक वर्ष पहले इसी महीने में यह 53,942 इकाई थी.

भारत-ब्रिटेन के बीच प्रौद्योगिकी, शोध व स्टार्टअप में सहयोग पर चर्चा

नयी दिल्ली: भारत और ब्रिटेन के व्यापार मंत्रियों ने नवाचार, शोध, स्टार्टअप और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर द्विपक्षीय बैठक की.वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी, " ब्रिटेन के व्यापार एवं व्यवसाय मंत्री पीटर काइल के साथ ऑनलाइन बैठक हुई हमने नवाचार, शोध, स्टार्टअप और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-ब्रिटेन सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की."यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन ब्रिटिश स्टील पर सुरक्षा उपाय जैसे मुद्दे इसके क्रियान्वयन में बाधा बने हुए हैं.गोयल इस महीने के अंत में लंदन यात्रा पर जा सकते हैं. दोनों नेताओं के बीच इन मुद्दों पर दो जून को भी बैठक हुई थी. भारत और ब्रिटेन ने व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) पर 24 जुलाई, 2025 को हस्ताक्षर किए थे.

अद्वित ज्वेल्स का आईपीओ 23 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 130-138 रुपये प्रति शेयर

मुंबई: जयपुर स्थित अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार, 23 जून को खुलेगा. इसमें निवेश के लिए निवेशक 25 जून तक बोली लगा सकते हैं. इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 130-138 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है.कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ मंगलवार, 23 जून को खुलकर 25 जून को बंद होगा. इसमें निवेश के लिए एंकर निवेशक 22 जून को बोली लगा सकेंगे. अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 130-138 रुपये प्रति शेयर तय किया है. इश्यू बंद होने के बाद इसके शेयर का अलॉटमेंट 29 जून को फाइनल हो सकता है. इसके शेयर बीएसई और एनएसई पर 1 जुलाई को सूचीबद्ध होंगे.अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड के 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इस इश्यू के लिए निवेशक कम से कम 100 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 100 के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं. यह आईपीओ पूरी तरह से 1.19 करोड़ इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है, जबकि इसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव घटक नहीं है.कंपनी इस नए इश्यू से प्राप्त 65 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग अपनी बढ़ती कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करेगी, 65 करोड़ रुपये का उपयोग ऋण चुकाने के लिए किया जाएगा. वहीं, शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा.उल्लेखनीय है कि अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड कंपनी भारत के रत्न और आभूषण हब, जयपुर (राजस्थान) में स्थित है. इस कंपनी का ब्रांड का नाम 'रंभजो' है. यह कंपनी पारंपरिक और आधुनिक हाथ से बनी बेहतरीन आभूषण बनाती और बेचती है, जिसमें कुंदन, पोल्की, डायमंड और जड़े हुए पीस मुख्य रूप से शामिल हैं.

रुपया शुरुआती कारोबार में 58 पैसे चढ़कर 94.60 प्रति डॉलर पर

मुंबई: रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 58 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.60 पर पहुंच गया.अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता होने की घोषणा करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला.विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत शुरुआत और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने भी रुपये को समर्थन दिया.अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.70 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़कर 94.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो इसके पिछले बंद भाव से 58 पैसे की बढ़त दर्शाता है.रुपया शुक्रवार को 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था.अमेरिका और ईरान ने 107 दिन चले युद्ध को समाप्त करने और वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमति जताई है. इस समझौते को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर के बाद शुक्रवार को अंतिम रूप दिया गया.डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर रविवार को इसकी घोषणा की. इससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर दबाव कम हुआ. अधिकारियों के अनुसार, शांति समझौते पर 19 जून को स्विट्जरलैंड में औपचारिक तौर पर हस्ताक्षर किए जाएंगे.इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.53 पर रहा.घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,112.70 अंक चढ़कर 76,648.74 अंक पर जबकि निफ्टी 335.55 अंक की बढ़त के साथ 23,956.40 अंक पर आ गया.अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 4.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.26 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहा. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को शुद्ध बिकवाली कर रहे थे और उन्होंने 1,082.18 करोड़ रुपये के शेयर बेचे.

पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद से उछला शेयर बाजार, निवेशकों को 9.01 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली: अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर बनी सहमति से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार ने आज जोरदार मजबूती हासिल कर ली. आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक डेढ़ प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल रहे. हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों की बढ़त घट गई. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए.

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही. इसी तरह बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए. दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा. ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 470.46 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 461.45 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज

के कारोबार से करीब 9.01 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया.

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,615 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 3,086 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,323 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 206 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 3,041 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 2,294 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 747 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और आठ शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 1,197.32 अंक की मजबूती के साथ 76,725.27 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक सुबह 11 बजे के करीब 1,293.12 अंक की तेजी के साथ 76,821.07 अंक तक पहुंच गया. इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आने लगी. मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से यह सूचकांक आज का कारोबार खत्म से कुछ देर पहले टूट कर 76,140.44 अंक तक आ गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 736.38 अंक की बढ़त के साथ 76,264.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ.सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 361.95 अंक की छलांग लगा कर 23,984.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे में ही यह सूचकांक 388.50 अंक की बढ़त के साथ 24,011.40 अंक के स्तर तक पहुंच गया. इसके बाद दोपहर 12 बजे तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा. दिन के दूसरे सत्र में बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी. लगातार हो रही मुनाफा वसूली की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 193.60 अंक फिसल कर 23,817.80 अंक तक आ गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 231 अंक की मजबूती के साथ 23,853.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड 5.29 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 4.79 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 4.65 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 4.27 प्रतिशत और इंटरग्लोब एवियशन 3.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, एनटीपीसी 1.64 प्रतिशत, बजाज ऑटो 1.19 प्रतिशत, ओएनजीसी 1.04 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.98 प्रतिशत और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

देश का निर्यात मई में 18 फीसदी बढ़कर 45.2 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली: वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत के व्यापार क्षेत्र से उत्साहजनक खबर आई है. देश का माल निर्यात मई में 18 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया.वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि देश से सामान का निर्यात मई में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा. वहीं, आयात भी मई में 20.62 फीसदी बढ़कर 73.41 अरब डॉलर हो गया, जिससे व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर रहा.मंत्रालय ने कहा कि मई में भारत का सामान का निर्यात अब तक का सबसे ज्यादा मासिक निर्यात रहा. आंकड़ों के मुताबिक देश का निर्यात अप्रैल-मई के दौरान सालाना आधार पर 16.09 प्रतिशत बढ़कर 88.91 अरब डॉलर रहा है. वहीं, सोने का आयात अप्रैल-मई के दौरान 60 प्रतिशत बढ़कर 9.04 अरब डॉलर हो गया.आंकड़ों के मुताबिक निर्यात में बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह पेट्रोलियम क्षेत्र रहा है. मई में पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात में सालाना आधार पर 54.89 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. साथ ही जेम्स और ज्वेलरी के निर्यात में भी 6.66 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई.वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने मई निर्यात के आंकड़ों पर खुशी जताई है. उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह साल निर्यात के लिए बहुत अच्छा रहेगा. अग्रवाल ने कहा कि भारत का मई में पश्चिम एशिया को होने वाला निर्यात मामूली घटकर 5.30 अरब डॉलर रहा है, जो मई, 2025 में 5.38 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था.आंकड़ों के मुताबिक मई के लिए भारत का कुल निर्यात (सामान और सेवाओं को मिलाकर) 81.96 अरब यूएस डॉलर रहने का अनुमान है, जो मई 2025 की तुलना में 15.83 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है. वहीं, मई 2026 के लिए देश कुल आयात (सामान और सेवाओं को मिलाकर) 92.47 अरब यूएस डॉलर रहने का अनुमान है, जो मई 2025 की तुलना में 19.23 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है.

सरकार विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए और कदम उठाएगी: सीतारमण

नई दिल्ली: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सरकार देश में और विदेशी पूंजी लाने के लिए और कदम उठाएगी. उन्होंने कहा कि बॉन्ड मार्केट के लिए घोषित उपाय तो बस शुरुआत भर थे.सीतारमण ने नई दिल्ली में 'हीरो माइंडमाइन समिट 2026' को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने अपने संबोधन में कहा, हम मानते हैं कि हमें और विदेशी पूंजी की जरूरत है. वित्त मंत्री ने कहा कि विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया और सरकार के घोषित उपाय महज शुरुआत हैं, जबकि अभी आगे और कदम उठाए जा सकते हैं.

'हीरो माइंडमाइन समिट 2026' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेशकों द्वारा किए गए निवेश पर ब्याज और पूंजीगत लाभ कर से छूट जैसे उपाय विदेशी पूंजी को वापस आकर्षित करने की दिशा में पहला कदम हैं. सीतारमण ने कहा, ''यह कहानी का अंत नहीं है और कदम उठाए जाएंगे. हम मानते हैं कि हमें और अधिक विदेशी पूंजी की आवश्यकता है.'' सीतारमण ने 'माइंडमाइन समिट 2026' में हीरो एंटरप्राइज़ के चेयरमैन सुनील कांत मुंजाल और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज़ लिमिटेड के चेयरमैन रामदेव अग्रवाल के साथ एक अनौपचारिक बातचीत (फायरसाइड चैट) में हिस्सा लिया. इस दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्थिति हर सप्ताह बदल रही है और नई-नई चुनौतियां सामने आ रही हैं. इसलिए देश को हर ऐसी आपात स्थिति के लिए तैयार रहना होगा.

उन्होंने कहा कि आरबीआई द्वारा घोषित ढांचे के तहत मुद्रा जोखिम की लागत आरबीआई वहन करेगा, जिससे बैंक बिना बाधा अपने संसाधन जुटा सकेंगे. भारतीय अर्थव्यवस्था कच्चे माल, कच्चे तेल और उर्वरकों के आयात के कारण ''गंभीर दबाव'' का सामना कर रही है. हालांकि उन्होंने कहा कि सक्रिय नीतियों और राज्यों की मजबूत भागीदारी की वजह से भारत का डेटा सेंटर और जीसीसी इकोसिस्टम तेज़ी से बढ़ रहा है, जो गतिविधियां पहले बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित थीं.

थोक महंगाई दर मई में बढ़कर 9.68 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट के देश में थोक महंगाई दर मई माह में बढ़कर 9.68 फीसदी पर पहुंच गई. वहीं पिछले महीने अप्रैल में यह 8.26 फीसदी थी.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को थोक मूल्य सूचकांक (डूब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर के आंकड़े जारी किए. मंत्रालय ने कहा कि ईंधन एवं बिजली, विनिर्मित उत्पादों और खाद्य वस्तुओं की

कीमतों में तेज वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही.मंत्रालय ने आधार वर्ष को 2011-12 से संशोधित कर 2022-23 करने के बाद डूब्ल्यूपीआई पर आधारित महंगाई के जारी आंकड़ों में कहा कि ईंधन और बिजली श्रेणी में थोक महंगाई दर मई में बढ़कर 30.33 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 24.89 फीसदी थी. इस दौरान कच्चे पेट्रोलियम की महंगाई दर 61.51 फीसदी रही, जबकि अप्रैल में यह 56.31 फीसदी थी.आंकड़ों के मुताबिक थोक महंगाई दर में यह तेज वृद्धि पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी अवरोध के कारण हुई, जहां से भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात करता है.

इसका असर खाद्य कीमतों पर भी पड़ा है. खाद्य वस्तुओं की महंगाई मई में 3.60 फीसदी रही, जो अप्रैल में 2.43 फीसदी रही थी. इसके अलावा विनिर्मित उत्पादों में महंगाई दर बढ़कर 7.48 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 6.68 फीसदी थी.उल्लेखनीय हैं कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर मई में पिछले 16 महीन के उच्चतम स्तर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई. ये अप्रैल में 3.48 फीसदी थी. इस महीने की शुरुआत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए महंगाई दर के अनुमान को 4.6 फीसदी से बढ़ाकर 5.1 फीसदी कर दिया था.

जेवर बनेगा एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा: नागर विमानन मंत्री नायडू

नोएडा: केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने सोमवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि जेवर भविष्य में एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा.उन्होंने साथ ही कहा, '' हमें खुशी है कि जिन किसानों ने हवाई अड्डा के लिए जमीन दी वे आज पहली उड़ान से लखनऊ जाकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलेंगे.''केंद्रीय मंत्री ने कहा, '' यह एक ऐतिहासिक दिन है. इस परियोजना को लेकर लोगों में उत्साह था और आज आखिर वह दिन आ गया..''

उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोादी का विचार था कि यहां एक हवाई अड्डा बनना चाहिए. इसको उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य लोगों ने मिलकर एक मिशन की तरह पूरा किया.''मंत्री ने जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह की भी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों को समझाकर जमीन देने के लिए उन्हें तैयार किया.नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को लखनऊ से इंडिगो की पहली उड़ान के उतरने के साथ ही यात्री उड़ानों का औपचारिक संचालन शुरू हो गया.

इंडिगो का विमान चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से सुबह सात बजकर 12 मिनट पर रवाना हुआ था और सुबह सात बजकर 58 मिनट पर जेवर स्थित हवाई अड्डे पर उतरा.इसके तुरंत बाद, इसी हवाई अड्डे से पहली उड़ान लखनऊ के लिए रवाना हुई. इस विमान में जेवर क्षेत्र के वे ग्रामीण भी सवार थे, जिनकी जमीन राज्य सरकार ने हवाई अड्डे के पहले चरण के विकास के लिए अधिग्रहित की थी.यह जेवर स्थित इस नई परियोजना पर उड़ान संचालन की औपचारिक शुरुआत का संकेत है. यह परियोजना पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और देश के अन्य हिस्सों के बीच हवाई संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित की गई है.

पहली उड़ान सुबह करीब आठ बजकर 19 मिनट पर रवाना हुई, जिसमें जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे.

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है. भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

मार्च के बाद सबसे निचले स्तर पर आया कच्चा तेल, डब्ल्यूटीआई क्रूड 79.76 डॉलर के स्तर तक फिसला

नई दिल्ली: अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए बनी सहमति के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत मार्च के बाद के अभी तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है. पश्चिम एशिया में तनाव खत्म होने की संभावना की वजह से कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले डेढ़ महीने के दौरान 37 डॉलर प्रति बैरल तक गिर चुकी है. इस गिरावट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में 120 डॉलर प्रति बैरल तक की छलांग लगाने वाला ब्रेंट क्रूड आज 82.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ऑयल टैंकर्स और मालवाहक जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू करने और ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक शुरुआती समझौते पर काफी हद तक सहमति बन गई है. जल्दी ही दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता हो सकता है. ट्रंप की इस घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमत मार्च के बाद पहली बार गिर कर 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर गई. आज के कारोबार की बात करें तो ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स की कीमत 4.20 डॉलर प्रति बैरल यानी पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.07 डॉलर के स्तर पर आ गई. इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 4.7 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.6 प्रतिशत लुढ़क कर 80.12 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया.

फिजिकल मार्केट में ब्रेंट क्रूड आज 3.52 डॉलर प्रति बैरल टूट कर 83.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ब्रेंट क्रूड फिसल कर मार्च महीने के बाद के सबसे निचले स्तर 82.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया. भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 2:30 बजे ब्रेंट क्रूड 4.35 डॉलर प्रति बैरल यानी 4.98 प्रतिशत टूट कर 82.98 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था. इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 3.95 डॉलर प्रति बैरल लुढ़क कर 80.93 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. थोड़ी देर में ही यह फिसल कर 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे फिसल कर 79.76 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया. भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.59 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.41 प्रतिशत टूट कर 80.29 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था.

नीति आयोग के पीएसयू, पीएसबी निजीकरण कार्यक्रम को पुनर्जीवित करने की जरूरत: पनगढ़िया

नयी दिल्ली: नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने सोमवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के निजीकरण की प्रक्रिया को फिर से गति देने की आवश्यकता है, क्योंकि यह भारत के आर्थिक सुधारों का अभिन्न अंग है.पनगढ़िया ने सरकार के विनिवेश कार्यक्रम को तेज करने के लिए एक स्वतंत्र निजीकरण मंत्रालय गठित करने की भी वकालत की. उनका कहना है कि विनिवेश विभाग निजीकरण की रफ्तार बनाए रखने में सफल नहीं रहा है.उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि राजकोषीय दबावों की परवाह किए बिना पीएसयू और अधिकतर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण हमारे आर्थिक सुधारों का अभिन्न अंग है.''पनगढ़िया ने कहा कि पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद पीएसयू और बैंकों का निजीकरण जारी रहना चाहिए.

उन्होंने कहा, ''विकसित भारत-2047 दृष्टिकोण के तहत अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए हमें पीएसयू और पीएसबी के निजीकरण कार्यक्रम को पुनर्जीवित करना होगा.''पनगढ़िया के नीति आयोग में उपाध्यक्ष रहने के दौरान पीएसयू के विनिवेश की अवधारणा को आगे बढ़ाया था. नीति आयोग का निजीकरण कार्यक्रम वर्ष 2016 में शुरू किया गया था.यह पूछे जाने पर कि क्या छह-सात प्रतिशत की उच्च आर्थिक वृद्धि दर वाले देश (भारत) से पूंजी का बाहर जाना उन्हें असामान्य लगता है. पनगढ़िया ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है. यह वित्त वर्ष 2023-24 के 71.3 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 80.6 अरब डॉलर और 2025-26 में 94.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया.

उन्होंने कहा, ''स्पष्ट है कि विदेशी निवेशक भारत में निवेश की दीर्घकालिक उत्पादकता को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं.''वर्तमान में कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर पनगढ़िया ने कहा कि विदेशी निवेशक किसी भी वर्ष में अपने पूर्व निवेश का एक हिस्सा वापस निकालते हैं.सोलहवें वित्त आयोग के चेयरमैन पनगढ़िया ने कहा कि पिछले दो वर्षों में भारतीय कंपनियों का विदेशों में निवेश भी बढ़ा है, जिसके कारण देश से कुछ पूंजी बाहर गई है.उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) की निकासी भी काफी अधिक रही है, जिससे डॉलर का बहिर्वाह बढ़ा है.पनगढ़िया ने कहा, ''सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय शेयरों का मूल्यांकन अत्यधिक ऊंचा हो गया था, जिससे निकासी तेज हुई. हालांकि अब मूल्यांकन में सुधार हो चुका है.''

न्यूज़ कॉर्नर

आर्चरी वर्ल्ड कप में भारत का डबल गोल्ड: धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोड ने रचा इतिहास

अंताल्या (तुर्किये): भारतीय तीरंदाजी टीम ने आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-3 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए. भारतीय जोड़ी धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोड ने रिकर्व मिक्स्ड टीम स्पर्धा में विश्व नंबर-1 दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि धीरज ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में भी स्वर्ण जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई. भारतीय तीरंदाजी संघ ने उक्त जानकारी सोमवार को एक बयान में दी. रिकर्व मिक्स्ड टीम फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया. भारत ने इससे पहले डेनमार्क, अमेरिका और जर्मनी को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी. यह उपलब्धि भारत के लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि 2021 के बाद पहली बार भारत ने किसी वर्ल्ड कप चरण में रिकर्व मिक्स्ड टीम स्वर्ण पदक जीता है. इसके बाद धीरज बोम्मादेवरा ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व फाइनल में दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक को 7-3 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इसके साथ वह 2021 के बाद वर्ल्ड कप स्तर पर पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बन गए. धीरज का यह प्रदर्शन भारतीय तीरंदाजी के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में स्वर्ण जीतकर अपनी विश्वस्तरीय क्षमता साबित की. भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारतीय तीरंदाजी के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है. संघ के मानद महासचिव वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि चयन प्रक्रिया और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का असर अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर साफ दिखाई दे रहा है. गौरतलब है कि आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 3 का आयोजन 9 से 14 जून तक तुर्किये के अंताल्या में किया गया.

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया, सीरीज़ 2-1 से जीती

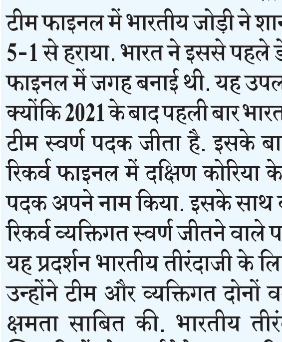

जमैका: तेज गेंदबाज़ शमार जोसेफ की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी और शेरफेन रदरफोर्ड की संयमित अर्धशतकीय पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में सोमवार को श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ 2-1 से अपने नाम कर ली. पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी रही. कमिल मिशारा और पथुम निसांका ने तेज रन बनाए और टीम ने शुरुआती ओवरों में मजबूत स्थिति बना ली. पांचवें ओवर तक स्कोर 48/1 पहुंच गया था और बड़ा स्कोर बनने की उम्मीद दिख रही थी. हालांकि इसके बाद मैच का रुख पूरी तरह बदल गया. तेज गेंदबाज़ शमार जोसेफ ने अपने पहले ही ओवर में दो बड़े विकेट लेकर श्रीलंका की लय तोड़ दी. मिशारा 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए और इसके बाद श्रीलंका लगातार विकेट गंवाता चला गया. मध्यक्रम में दासुन शनाका और दुनिथ वेलालागे ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन शनाका के आउट होने के बाद दबाव और बढ़ गया. वेलालागे ने कुछ आक्रामक शॉट लगाकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन अंतिम ओवर में फिर शमार जोसेफ ने तीन विकेट लेकर श्रीलंका को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया. श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 169 रन पर सिमट गई. जोसेफ ने 5 विकेट लेकर 33 रन दिए और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला पांच विकेट हॉल दर्ज किया. 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत धीमी रही. शुरुआती तीन ओवरों में सिर्फ 10 रन बने और कप्तान शाई होप जल्दी आउट हो गए. इसके बाद शिमरॉन हेटमायर ने तेज बल्लेबाज़ी करते हुए टीम को संभाला. मध्य ओवरों में श्रीलंका के स्पिनरों, खासकर वानिंदु हसरंगा, ने मैच में वापसी कराई और वेस्टइंडीज का स्कोर 10 ओवर में 64/4 हो गया. ऐसे समय में शेरफेन रदरफोर्ड ने जिम्मेदारी संभाली. उन्होंने दबाव में बल्लेबाज़ी करते हुए नाबाद 54 रन (40 गेंद) बनाए और टीम को जीत के करीब पहुंचाया. अंत में जेसन होल्डर ने तेज़ी से रन बनाते हुए मैच खत्म कर दिया. वेस्टइंडीज ने 19.4 ओवर में 170/5 बनाकर मुकाबला जीत लिया और सीरीज़ पर कब्ज़ा जमा लिया.

नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग 2026 में लंबे समय बाद करेंगे वापसी

दोहा : भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग 2026 से अपने एथलेटिक्स सीजन की शुरुआत करेंगे. सोमवार को जारी प्रतियोगिता की प्रवेश सूची में आयोजकों ने स्पर्धा में उनकी भागीदारी की पुष्टि की. डायमंड लीग के दोहा लेग में नीरज चोपड़ा की यह लगातार चौथी उपस्थिति होगी. दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने 88.67 मीटर के थ्रो के साथ दोहा डायमंड लीग का 2023 एडिशन जीता था, 2024 में 88.36 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे और पिछले साल 90.23 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड् बनाया, लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे. नीरज चोपड़ा के लिए यह 2026 एथलेटिक्स सीज़न का पहला कॉम्पिटिशन होगा, जो स्विट्ज़रलैंड में ऑफ-सीज़न ट्रेनिंग कैंप के दौरान पीठ की चोट से उबर रहे थे. भारतीय जैवलिन थ्रो स्टार को आखिरी बार सितंबर में टोक्यो में वल्डर् एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में एक्शन में देखा गया था. डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा की भागीदारी की पुष्टि ऐसे समय हुई है जब उन्हें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारत की 32-सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में अस्थायी रूप से शामिल किया गया था. दोहा में पुरुषों की भला फेंक प्रतियोगिता में भारतीय एथलीट के शामिल होने से पहले से ही मजबूत फील्ड में और गुणवत्ता जुड़ गई है. जहां पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को शुरू में फील्ड में नाम होने के बाद प्रवेश सूची से हटा दिया गया है, वहीं श्रीलंका के रूमेष पथिराज, जो वर्तमान में वल्डर् चैंपियन हैं, दोहा में स्पर्धा के लिए तैयार हैं. रूमेष पथिराज इस महीने की शुरुआत में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का शानदार थ्रो करने के बाद दोहा आ रहे हैं. दोहा मीट 2026 डायमंड लीग सीज़न का सातवां पड़ाव है, जो 4 और 5 सितंबर को ब्रुसेल्स में होने वाले सीरीज फाइनल के साथ खत्म होगा.

स्टोक्स और एटकिंसन के बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रॉबिन्सन भी टीम से बाहर

लंदन: इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन के बाद एक अन्य तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन भी घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच से बाहर हो गए हैं. रॉबिन्सन ने पहले टेस्ट मैच में 77 रन देकर सात विकेट लिए थे. इंग्लैंड ने यह मैच 115 रन से जीता था. स्टोक्स और एटकिंसन को बुधवार को टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि एक नाइट क्लब में हुई घटना के बाद उनकी जांच चल रही है. रॉबिन्सन टीम के साथ ही रहेंगे और 25 जून से ट्रेंट ब्रिज में शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अपने घुटने की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन करवाएंगे. उनकी जगह पर अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले हेनरी क्रोकोम्बे को टीम में शामिल किया गया है. स्टोक्स की अनुपस्थिति में जो रूट टीम की कप्तानी करेंगे.

दाइची कामाडा के गोल से जापान ने नीदरलैंड को बराबरी पर रोका

आर्लिंगटन: दाइची कामाडा ने अंतिम सीटी बजने से कुछ मिनट पहले गोल किया जिससे जापान ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एफ के मैच में नीदरलैंड को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया. जब जापान की हार सुनिश्चित लग रही थी तब कामाडा ने यह महत्वपूर्ण गोल किया जिसे उनका देश वर्षों तक याद रखेगा. कोकी ओगावा के कॉर्नर किक पर कामाडा ने 88वें मिनट में हेडर से गोल किया, जिससे समुराई ब्लू (जापानी टीम) के प्रशंसक खुशी से झूम उठे. इससे जापान ने अपने से अधिक रैंकिंग वाले नीदरलैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया. नीदरलैंड की टीम को भले ही अंक बांटने पड़े लेकिन इस ड्रॉ से उसने विश्व कप के ग्रुप चरण में अपने अजेय अभियान को 17 मैच तक पहुंचा दिया है. कामाडा के गोल से नारंगी रंग की जर्सी पहने नीदरलैंड के प्रशंसक सन्न रह गए. दोनों टीम हाफ टाइम तक गोल नहीं कर पाई थी. दूसरे हाफ की शुरुआत में वर्जिल वैन डाइक (50वें मिनट) और क्रिसेंसियो समरविले (64वें) ने नीदरलैंड के लिए एक-एक गोल दागा, जबकि कीटो नाकामुरा (57वें) ने जापान की तरफ से गोल किया. यह तीनों गोल 14 मिनट के अंदर किए गए. जापान के कोच हाजिमे मोरियासु ने कहा, ''हमारे खिलाड़ियों ने दृढ़ता के साथ-साथ धैर्य बनाए रखा और मौके का इंतजार किया और जब उन्हें मौका मिला तो उसे भुनाने में कसर नहीं छोड़ी.'' जापान की टीम चार साल पहले कतर में अंतिम 16 में पहुंची थी. पहले हाफ में दोनों टीम प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन ब्रेक के बाद माहौल तेजी से बदल गया. आठवें स्थान पर काबिज ने नीदरलैंड ने पहले बढ़त हासिल की. वैन डाइक ने 50वें मिनट में पेनल्टी क्षेत्र के अंदर आगे की ओर झुकते हुए दाहिनी ओर दूर वाले पोस्ट की तरफ हेडर से गोल किया. यह नीदरलैंड के कप्तान का 13वां अंतरराष्ट्रीय गोल हो गया. विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज जापान के लिए नाकामुरा ने सात मिनट बाद बराबरी का गोल कर दिया. उन्होंने ताकेफुसा कुबो से पास लेने के बाद कोण बनाकर खूबसूरत गोल किया. लेकिन नीदरलैंड ने सात मिनट बाद फिर से बढ़त हासिल कर ली. समरविले ने रयान ग्रेवेनबर्च से पास लिया और बाएं पैर से शॉट मारकर जापान के गोलकीपर ज़ायोन सुजुकी को छकाते हुए गेंद को दूर बाएं पोस्ट की ओर गोल में डाल दिया. वैन डाइक ने कहा, ''यह निराशाजनक है क्योंकि बढ़त गंवाना कभी भी अच्छा नहीं होता. यह और भी निराशाजनक है क्योंकि हमने अंतिम क्षणों में गोल खाया.'' वैन डाइक 34 साल और 341 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले नीदरलैंड के दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं. उनसे आगे जियोवानी वैन ब्रोंखोर्स्ट हैं जिन्होंने 2010 में उरुग्वे के खिलाफ 35 साल और 151 दिन की उम्र में गोल किया था. नीदरलैंड शनिवार को ह्यूस्टन में स्वीडन से खेलेगा, जबकि जापान शनिवार को ट्यूनीशिया से मुकाबला करने के लिए मैक्सिको के मॉन्टेरी जाएगा.

स्वीडन ने यासीन अयारी के दो गोल से ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

मॉन्टेरी (मैक्सिको): यासीन अयारी के दो गोल की मदद से स्वीडन ने रविवार की रात को ट्यूनीशिया को 5-1 से करारी शिकस्त देकर विश्व कप फुटबॉल में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए ग्रुप एफ में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया. अयारी ने एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में स्वीडन के लिए सातवें मिनट और दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में लंबी दूरी से गोल दागकर स्कोर की शुरुआत और अंत किया. उन्होंने संयमित तरीके से जश्न मनाया और अपने पिता के जन्मस्थान के प्रति सम्मान दिखाते हुए अपने हाथ ऊपर उठाए. अलेक्जेंडर इसाक (30वें मिनट) और विक्टर ग्योकेरेस (59वें) ने एक-एक गोल करने के साथ एक-एक गोल में मदद की. स्वीडन की तरफ से मैटियस स्वानबर्ग (84वें) ने भी गोल किया. स्वीडन विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर है और आठ साल पहले रूस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद 2022 के विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था. विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर काबिज ट्यूनीशिया के लिए उमर रेकिक ने गोल किया. ट्यूनीशिया अपने सातवें विश्व कप में खेल रहा है, लेकिन वह कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है. इस ग्रुप में नीदरलैंड और जापान ने इससे पहले आर्लिंग्टन, टेक्सास में मैच 2-2 से ड्रॉ खेला.

डियालो के गोल से आइवरी कोस्ट ने इक्वाडोर को 1-0 से हराया

फिलाडेल्फिया: अमाद डियालो ने 90वें मिनट में गोल करके पिछले 12 वर्ष में पहली बार विश्व कप फुटबॉल में भाग ले रहे आइवरी कोस्ट को इक्वाडोर पर 1-0 से जीत दिलाई. दोनों टीमों ने मिलकर तीन बार क्रॉसबार पर गेंद मारी, लेकिन गोल करने में नाकाम रही. ऐसे में जब मैच गोलरहित ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था तब मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्थानापन्न विंगर डियालो (56वें मिनट में मैदान पर उतरे) ने पेनल्टी क्षेत्र के ठीक अंदर गोता लगाते हुए बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज़ को चकमा देकर गोल कर दिया. विल्फ्रेड सिंगो ने दाहिनी ओर से शानदार दौड़ लगाते हुए इस गोल की नींव रखी थी. इस तरह से विश्व कप में चौथी बार और 2014 के बाद पहली बार हिस्सा ले रहे आइवरी कोस्ट ने नॉकआउट चरण में पहुंचने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया. आइवरी कोस्ट के लिए एली वाही ने 52वें मिनट में क्रॉसबार पर शॉट मारा. इससे पहले इक्वाडोर के जॉन येबोआ और निलसन एंगुलो ने पहले हाफ में ऐसा करके गोल करने का सुनहरे मौके गंवा दिये थे. पांचवीं बार विश्व कप में भाग ले रहा इक्वाडोर के लिए लिंकन फाइनेंशियल फील्ड का माहौल घरेलू मैदान जैसा था क्योंकि 68,274 दर्शकों में से अधिकांश ने ला ट्राई (इक्वाडोर की टीम) की पीली जर्सी पहनी हुई थी. डियालो के गोल से पहले इक्वाडोर की टीम मजबूत नजर आ रही थी. उसे हाफ टाइम के बाद सबसे अच्छा मौका 68वें मिनट में मिला जब गोंज़ालो प्लाटा ने लगभग 25 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाया जिसे गोलकीपर याहिया फोफाना ने रोक दिया. आइवरी कोस्ट को यान डियोमांडे के आक्रामक खेल से काफी मजबूती मिली. उन्होंने गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए. इनमें डियोमांडे के शानदार क्रॉस पर वाही का शानदार शॉट भी था जो मामूली अंतर से गोल में जाने से रह गया था. आइवरी कोस्ट ने क्वालीफाइंग के 10 मैचों में 8-0-2 का रिकॉर्ड बनाते हुए एक भी गोल नहीं खाया. अब उसका सामना चार बार के विश्व कप चैंपियन जर्मनी से होगा, जिसने रविवार को ग्रुप ई में क्यूरासाओ को 7-1 से हराया था. इक्वाडोर का मुकाबला क्यूरासाओ से होगा. दोनों मैच 20 जून को खेले जाएंगे.

जर्मनी ने क्यूरासाओ को फुटबॉल का कड़ा सबक सिखाया

ह्यूस्टन: काई हावर्ट्ज़ के दो गोल की मदद से चार बार के चैंपियन जर्मनी ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप ई के मैच में इतिहास रचने वाले क्यूरासाओ को 7-1 से हराकर कड़ा सबक सिखाया. क्यूरासाओ को भले ही करारी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह विश्व कप में भाग लेने वाला सबसे छोटा देश बन गया. यही नहीं उसने एक गोल भी किया जो उसके लिए बड़ी उपलब्धि है. फेलिक्स नेमेचा ने छठे मिनट में गोल करके जर्मनी को बढ़त दिलाई. क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने 21वें मिनट में बॉक्स के केंद्र से बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया. इससे इस छोटे से कैरेबियाई देश के प्रशंसक खुशी से झूम उठे. इसके बाद पूरे मैच में जर्मनी का दबदबा रहा. उसने 38वें मिनट में नथानिएल ब्राउन के कॉर्नर किक पर निको श्लॉटरबेक के हेडर से किए गए गोल से फिर से बढ़त हासिल कर ली. जर्मनी के कोच जूलियन नागेल्समैन ने कहा, ''हमें इस बड़ी जीत की वाकई बहुत जरूरत थी. हमें इस आत्मविश्वास की जरूरत थी. यह पहले से ही मौजूद था, लेकिन अब यह और भी बढ़ गया है.'' जर्मनी की जीत का अंतर विश्व कप के नौ गोल के रिकॉर्ड से काफी कम है. ऐसा तीन बार हो चुका है. आखिरी बार ऐसा तब हुआ था जब हंगरी ने 1982 में अल साल्वाडोर को 10-1 से हराया था. पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में हावर्ट्ज़ ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया. हाफ टाइम के बाद जर्मनी ने बढ़त मजबूत करने में जरा भी समय नहीं गंवाया और 47वें मिनट में जमाल मुसियाला ने गोल दाग दिया. ब्राउन ने 68वें मिनट में गोल करके बढ़त को 5-1 कर दिया. डेनिज़ उन्दाव ने ब्राउन के गोल में मदद करने के बाद 78वें मिनट में गोल कर दिया. हावर्ट्ज़ ने अपना दूसरा गोल 88वें मिनट में किया. स्टेडियम में 68,021 दर्शक मौजूद थे जिनमें से अधिकतर जर्मनी का समर्थन कर रहे थे. क्यूरासाओ के भी कुछ दर्शक पहुंचे हुए थे जिन्होंने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी. जर्मनी का अगला मैच शनिवार को टोरंटो में आइवरी कोस्ट से होगा, जबकि क्यूरासाओ शनिवार को कैनसस सिटी में इक्वाडोर से भिड़ेगा.

महिला हॉकी नेशंस कप 2026

भारत की जीत के साथ शुरुआत, अमेरिका को 3-2 से हराया

ऑकलैंड: भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में दमदार वापसी करते हुए सोमवार को अमेरिका को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज़ किया. ऑकलैंड के नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए पूल-ए मुकाबले में भारत ने शुरुआती झटकों के बाद शानदार खेल दिखाया. मैच की शुरुआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही. अमेरिका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए चौथे मिनट में एशले सेसा के फील्ड गोल से बढ़त बनाई. इसके बाद सातवें मिनट में मैडलिन जिमर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अमेरिका को 2-0 की बढ़त दिला दी. दो गोल से पीछे होने के बाद भारतीय टीम ने धीरे-धीरे मैच पर पकड़ बनानी शुरू की. दूसरे क्वार्टर में वापसी कर रही ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अंतर कम किया. इसके बाद भारतीय टीम का दबाव लगातार बढ़ता गया. 24वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने एक बार फिर शानदार कन्वर्जन करते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया. बराबरी के बाद भारत ने अपनी लय बरकरार रखी और हाफ टाइम से पहले ही बढ़त हासिल कर ली. 28वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी. दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन दोनों ओर की रक्षापंक्ति मजबूत रही. पूरे मैच में दोनों टीमों को छह-छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, हालांकि कोई भी टीम आगे गोल नहीं कर सकी. भारत ने अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखी और महत्वपूर्ण तीन अंक अपने नाम किए. दो गोल करने वाली दीपिका को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल-ए में तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई. जापान भी तीन अंकों पर है, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर बना हुआ है. अब भारतीय महिला टीम अपना अगला मुकाबला 16 जून को जापान के खिलाफ खेलेगी.

इंडिया ए और श्रीलंका ए

सुपर ओवर में हारा भारत, श्रीलंका ने 7 रन से जीता मैच

दंबुला : सोमवार को यहां खेले गए एक रोमांचक ट्राई-सीरीज मैच में श्रीलंका ए ने सुपर ओवर में आखिरकार इंडिया ए को 7 रन से हराकर जीत दर्ज की. श्रीलंका के तेज गेंदबाज कुगाथास मैथुलन (जिनका गेंदबाजी एक्शन थोड़ा अलग है) ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और खतरनाक भारतीय जोड़ी वैभव सूर्यवंशी और सूर्यांश शेडगे के खिलाफ 16 रनों का बचाव किया. निर्धारित समय में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान ने यॉर्कर से भरा आखिरी ओवर फेंका और मैच को सुपर ओवर में पहुंचा दिया. इससे पहले सदीरा समरविक्रमा की शानदार 91 रनों की पारी ने श्रीलंका ए को जीत के करीब पहुंचा दिया था. आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलने वाले अरशद ने आखिरी ओवर में सिर्फ 4 रन दिए जबकि मेजबान टीम को जीत के लिए पांच रनों की जरूरत थी. मैच टाई होने के बाद नतीजे को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी. इंडिया ए के कप्तान तिलक वर्मा अंपायरों पर सुपर ओवर के जरिए खेल जारी रखने के लिए दबाव बना रहे थे. काफी विचार-विमर्श के बाद अंपायरों ने अपना फैसला बदला और मैच को सुपर ओवर में ले जाने का निर्णय लिया. हालांकि अरशद का सुपर ओवर महंगा साबित हुआ और उन्होंने 16 रन लुटा दिए जिसमें एक वाइड और एक नो-बॉल भी शामिल थी. मैथुलन ने दबाव में संयम बनाए रखा और खतरनाक भारतीय जोड़ी के खिलाफ सफलतापूर्वक बचाव किया; भारतीय जोड़ी केवल 9 रन ही बना सकी. इससे पहले सूर्यवंशी (14 गेंदों में 21 रन) एक बार फिर तेज शुरुआत के बाद आउट हो गए, लेकिन स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे (66 गेंदों में 72 रन) और विपराज निगम (49 गेंदों में 51 रन) ने समय पर अर्धशतक जड़कर मेहमान टीम का स्कोर 265 तक पहुंचाया. श्रीलंका ए, जिसने सीरीज के पहले मैच में खराब बल्लेबाजी के कारण इंडिया ए को जीत तोहफे में दे दी थी, ने उस मैच से सबक लिया और खेल को आखिरी तक ले गए. टूर्नामेंट में इंडिया ए की यह दूसरी हार थी. इससे पहले वे अफ़गानिस्तान ए से भी हार चुके थे. सूर्यवंशी (14 गेंदों पर 21 रन) ने तेज गेंदबाज चमिका गुनासेकरा के खिलाफ एक छक्का और कुछ चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन ऑफ-स्पिनर सहन अराचिगे ने उन्हें अपनी पहुंच से थोड़ी दूर गेंद डाली और बाएं हाथ के बल्लेबाज ने लाइन के आर-पार शॉट खेलने की कोशिश में गेंद को पॉइंट की तरफ हवा में उछाल दिया. तिलक वर्मा (23) और अच्छी फॉर्म में चल रहे उनके साथी ऋतुराज गायकवाड़ (32) ने तीसरे विकेट के लिए 9 ओवर में 52 रन जोड़े, लेकिन धीमी पिच पर श्रीलंकाई स्पिनरों ने वापसी की. 2 विकेट पर 91 रन के स्कोर के बाद मिडिल ऑर्डर के लड़खड़ाने से इंडिया का स्कोर 7 विकेट पर 143 रन हो गया, जब ऑफ-स्पिनर विजयकांत व्यासकांत ने गायकवाड़ को ऑफ-ब्रेक गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया. तिलक तब आउट हुए जब उन्होंने स्लिंगर एक्शन वाले गेंदबाज़ कुगाथास मथुलन की गेंद को पॉइंट की तरफ जोर से मारने की कोशिश की, लेकिन वहां खड़े फ़ील्डर ने उन्हें कैच कर लिया. हालांकि मुंबई के शेडगे और यूपी के निगम ने आठवें विकेट के लिए 104 रन जोड़े. दोनों ही अच्छे बल्लेबाज हैं और घरेलू व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट में अपनी-अपनी राज्य टीमों के लिए अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं. भारतीय क्रिकेट के लिए यह अच्छी बात है कि वे बेहतरीन स्पिनर भी हैं. शेडगे ने तीन चौके और दो छक्के लगाए, जबकि निगम ने छह चौके जड़े. पिच की धीमी गति को समझते हुए, दोनों ने स्ट्राइक रोटेट की और खराब गेंदों पर रन बनाने के साथ-साथ विकेटों के बीच दौड़ने की अहमियत भी दिखाई.

मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंकाई खिलाड़ी में झड़प

दंबुला : इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारत को सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा. मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के बीच झड़प देखने को मिली. इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. सुपर ओवर में श्रीलंका की तरफ से अविष्का फर्नांडो और सहान अराचिगे उतरे और उन्होंने 16 रन बनाए. भारत को जीत के लिए 17 रन की जरूरत थी और मैदान पर सुयांश और सूर्यवंशी उतरे. सुयांश ने स्ट्राइक ली और भारत ने 6 गेंदों में 9 रन बनाए जिससे टीम इंडिया को 7 रन से हार का सामना करना पड़ा. यह भारत की ट्राई सीरीज में दूसरी हार है. इससे पहले भारत को अफगानिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था. मैच के बाद जब दोनों टीमों के खिलाफ एक दूसरे से हाथ मिलाते हैं, इस दौरान सूर्यवंशी और एक श्रीलंकाई खिलाड़ी के बीच बहस हो गई जिसके बाद युवा बल्लेबाज ने श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का भी दिया जिस पर श्रीलंकाई खिलाड़ी ने भी उन्हें धक्का मारा. हालांकि इससे पहले यह मामला और बढ़ता साथी खिलाड़ी बीच बचाव में आ गए. हालांकि यह सब क्यों हुआ इसके पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है.

न्यूज कॉर्नर

असम विमान हादसे में शहीद अग्निवीर खेमाराम कुमावत को नम आंखों से अंतिम विदाई

नागौर: असम के जोरहाट में भारतीय वायुसेना के एएन-32 विमान हादसे में शहीद हुए अग्निवीर वायु सैनिक खेमाराम कुमावत (22) का सोमवार शाम उनके पैतृक गांव पांचोता में पूरे सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया. शहीद के छोटे भाई गोविंदराम ने उन्हें मुखाग्नि दी. अंतिम संस्कार के दौरान हजारों लोगों ने नम आंखों से अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी.शहीद की पार्थिव देह सोमवार सुबह जयपुर एयरपोर्ट पहुंची, जहां विधि मंत्री जोगाराम पटेल, जयपुर सांसद मंजू शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इसके बाद सैन्य सम्मान के साथ पार्थिव देह को उनके पैतृक गांव पांचोता ले जाया गया.नावां के सांभर चौराहे से पांचोता तक करीब 5 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों लोग हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए. पूरे मार्ग में भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण गूंज उठा.पांचोता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शहीद की पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए. अंतिम दर्शन के दौरान शहीद की मां और बहन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया, जिससे माहौल गमगीन हो उठा.वायुसेना के जवानों ने श्मशान स्थल पर शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर दिया.इसके बाद छोटे भाई गोविंदराम ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की. वायुसेना अधिकारियों ने शहीद के पिता रामदेव कुमावत और परिवारजनों को तिरंगा सौंपकर राष्ट्र की ओर से सम्मान प्रकट किया.

झूठे मुकदमे दर्ज कराने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: डीजीपी

जयपुर: पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में संगठित अपराध, नशा तस्करी, साइबर अपराध और गैंगस्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि झूठे मुकदमे दर्ज कराने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा गैंगस्टरों द्वारा अर्जित अवैध संपत्तियों को ध्वस्त करने और उनकी आर्थिक गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाए. डीजीपी ने पुलिस अधीक्षकों को नशा तस्करी की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर अभियान चलाने तथा साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. उन्होंने नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और पुलिसकर्मियों को आधुनिक अनुसंधान तकनीकों का प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया.सड़क सुरक्षा की समीक्षा करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में लेन अनुशासन की पालना सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए. साथ ही सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान वर्षभर चलाने को कहा.

ट्रक-कार की टक्कर में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत, एक बच्ची गंभीर रूप से घायल

बीकानेर: राजस्थान के बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया. राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीजरल होटल के पास ट्रक और कार की आमने-सामने जोरदार टक्कर में हरियाणा के एक ही परिवार के छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दो वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई है.पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना करीब दोपहर डेढ़ बजे हुई, जिसमें हरियाणा नंबर की कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर परखच्चे उड़ गई. कार में कुल सात लोग सवार थे, जो बीकानेर के मुकाम स्थित बिश्नोई समाज के गुरु जम्भेश्वर के समाधि स्थल के दर्शन कर लौट रहे थे.सीओ निकेत पारीक ने बताया कि मृतकों में हरियाणा के फतेहाबाद जिले के मताना गांव निवासी रिटायर्ड सीनियर अकाउंटेंट ओमप्रकाश बिश्नोई, उनकी पत्नी 45 वर्षीय सोरमा देवी, बेटी प्रमीला, 11 वर्षीय रोनित (पुत्र सुरेंद्र), 10 वर्षीय यशवी (पुत्री अमित) और 6 वर्षीय खुशी (पुत्री संदीप सुथार बिश्नोई) शामिल हैं. सभी की मौके पर ही मौत हो गई.इस हादसे में दो वर्षीय तनवी (पुत्री संदीप) गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे पहले श्रीडूंगरगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उसे बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया.

ढाबे के सामने पकड़ा 2046 किलो डोडा चूरा, कंटेनर के गुप्त चैंबर में छिपा कर ले जा रहे थे पंजाब

चित्तौड़गढ़: नशीले पदार्थों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़-2 और कोटा की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है. राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बारां-कोटा रोड स्थित देवरी गांव के पास दोस्ताना ढाबे के सामने एक कंटेनर ट्रक से 2046.850 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया गया है. मामले में आरोपित कंटेनर के चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे अनुसंधान जारी है. बरामद किए डोडा चूरा का अंतरराष्ट्रीय अनुमानित मूल्य 25 करोड़ से ज्यादा आंका जा रहा है.उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि ब्यूरो को पक्की खुफिया जानकारी मिली थी कि हरियाणा नंबर के एक कंटेनर ट्रक में डोडा चूरा तस्करी होनी है. यह भी जानकारी आई थी कि मध्यप्रदेश के जावरा-मंदसौर इलाके से पंजाब तक भारी मात्रा में डोडा-पोस्त ले जाया जा रहा है. इस पर ब्यूरो चित्तौड़गढ़-2 और ब्यूरो कोटा की संयुक्त टीम रवाना हुई. नारकोटिक्स ने संदिग्ध रास्ते पर कड़ी निगरानी के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बारां जिले में देवरी गांव के पास एक ढाबे के सामने कंटेनर ट्रक को रोका गया. तलाशी के दौरान चालक केबिन के ठीक पीछे कंटेनर और केबिन के बीच एक गुप्त चैंबर मिला. चैंबर का आउटलेट सामने के दो टायरों के बीच टैक वेल्ड यानी हल्की वेल्डिंग से बंद किया हुआ था. वेल्डिंग तोड़ कर तलाशी ली गई तो 101 बोरियों में भरा 2046.850 किलो पोस्ता भूसा बरामद हुआ. उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि कानूनी औपचारिकता पूरी कर बरामद पोस्ता भूसा और कंटेनर ट्रक को जब्त कर लिया गया. ट्रक में सवार एक व्यक्ति को एनडीपीएस एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है. प्रारंभिक पूछताछ में यह मादक पदार्थ मध्यप्रदेश से पंजाब ले जाने की बात सामने आई है. नारकोटिक्स मामले में अग्रिम अनुसंधान कर रहा है.

हांसी में तूफान का कहर : दीवार गिरने से मलबे में दबे पिता-पुत्र

हांसी: हांसी में सोमवार को आए तेज आंधी-तूफान के दौरान तिकोना पार्क के पास एक बड़ा हादसा हो गया. यहाँ एक जर्जर दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से एक परांठा रेहड़ी संचालक और उसका बेटा मलबे के नीचे दब गए. मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला और मलबे से निकालकर तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ फिलहाल उनका इलाज जारी है. जानकारी के अनुसार, तिकोना पार्क के निकट सोनू जांगड़ा वर्षों से परांठों की रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं. सोमवार को भी वह अपने पुत्र अभय के साथ रेहड़ी पर मौजूद थे. इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी के साथ तूफान शुरू हो गया. देखते ही देखते पार्क के पास स्थित एक दीवार तेज हवा का दबाव नहीं झेल सकी और अचानक ढह गई. दीवार गिरते ही वहां अफरा-तफरी मच गई. आसपास मौजूद दुकानदारों और राहगीरों ने देखा कि सोनू जांगड़ा और उनका बेटा अभय मलबे के नीचे दब गए हैं. घटना के तुरंत बाद लोगों ने बिना किसी देरी के राहत कार्य शुरू कर मलबा हटाना शुरू किया और काफी प्रयासों के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया.

पति ने बेलन से पीटकर की पत्नी की हत्या

गुरुग्राम: सेक्टर-93 स्थित चौकी के अंतर्गत घरेलू कलह के चलते नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की बेलन मारकर हत्या कर दी. बेलन से पत्नी का सिर फोड़ने के बाद आरोपी सो गया था. रात भर खून बहने के चलते उसकी मौत हो गई. सुबह जब आरोपी ने पत्नी को मृत देखा तो पड़ोसियों को सूचना देकर फरार हो गया.जानकारी के अनुसार साहिब साहनी अपनी पत्नी मीना देवी के साथ सेक्टर-93 चौकी क्षेत्र में किराए के मकान में रहता था. साहिब साहनी रविवार रात को शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा था. घर पहुंचते ही उसका मीना देवी के साथ खाना बनाने की बात को लेकर झगड़ा शुरू हो गया. कुछ ही देर बाद विवाद इतना बढ़ गया कि तैश में आकर साहिब ने रसोई में रखा बेलन उठाकर मीना के सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ कई वार किए.

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत कार्यकर्ताओं के समर्पण का परिणाम : मुख्यमंत्री भजनलाल

जयपुर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक सफलता कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा की भावना का परिणाम है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कार्यकर्ता ही किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं और उनकी मेहनत ही जनता का विश्वास अर्जित करती है.

सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर पश्चिम बंगाल के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के काउंटिंग एजेंटों और प्रमुख कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की. पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की सफलता पर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया.

मुख्यमंत्री ने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह सफलता कार्यकर्ताओं के संघर्ष, जज्बे और संगठनात्मक क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है.उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुशासन, विकास और जनहित की नीतियों के प्रति जनता का समर्थन आगे भी बढ़ता रहेगा.

इस अवसर पर राजेंद्र राठौड़ ने बताया कि चुनावी विजय के लिए राजस्थान के प्रमुख आस्था केंद्र सालासर बालाजी मंदिर और खाटूश्याम मदिर में मन्नत मांगी गई थी. चुनाव में सफलता मिलने के बाद भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ता और काउंटिंग एजेंट राजस्थान पहुंचे तथा दोनों धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन कर अपनी मन्नत पूर्ण की. उन्होंने देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं प्रगति की कामना भी की.

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व और संगठन को दिए जा रहे मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया. साथ ही पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं ने चुनावी अनुभव साझा करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने के सुझाव भी दिए. मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए जनसेवा, संगठन सुदृढ़ीकरण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया.

फतेहाबाद में तेज रफ्तार प्राइवेट बस खेत में पलटी, तीन यात्रियों की मौत, 12 घायल

फतेहाबाद: हरियाणा के फतेहाबाद जिले में सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां टोहाना आ रही एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई. इस दर्दनाक दुर्घटना में एक महिला समेत 3 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं. हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने टोहाना-फतेहाबाद रोड पर चक्का जाम कर दिया है, जिससे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है.

पुलिस और चश्मदीदों के मुताबिक, हादसे का शिकार हुई प्राइवेट बस में क्षमता से अधिक करीब 50 से 55 सवारियां मौजूद थीं. बस में सवार यात्री राममेहर निवासी गांव चंदड़ ने बताया कि ड्राइवर शुरुआत से ही बस को बेहद तेज गति और लापरवाही से चला रहा था. जैसे ही बस गांव भोडी के पास एक कट पर पहुंची, ड्राइवर ने तेज रफ्तार में ही बस को अचानक मोड़ दिया. रफ्तार अधिक होने के कारण ड्राइवर वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और बस पलटते हुए सीधे खेत में जा गिरी. हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई. हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े. उन्होंने मुस्तैदी दिखाते हुए बस के शीशे तोड़े और भीतर फंसे घायल व सहमे हुए यात्रियों को बाहर निकाला.घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी बीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. फिलहाल मृतकों की पहचान की कोशिश की जा रही है.हादसे की खबर मिलते ही राज्यसभा सांसद सुभाष बराला भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने खुद खड़े रहकर घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की और प्रशासनिक अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने तथा घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के सख्त निर्देश दिए.आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों का चक्का जामइस दर्दनाक हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा. घटना के तुरंत बाद आरोपी ड्राइवर और कंडक्टर मौके से फरार हो गए, जिससे नाराज होकर गुस्साए ग्रामीणों ने गांव भोड़ी में टोहाना-फतेहाबाद रोड पर धरना शुरू कर दिया और चक्का जाम कर दिया.

चित्तौड़ दुर्ग पर बुलडोजर का खर्च भी कब्जाधारियों से वसूलेगा प्रशासन, दूसरे दिन भी चली जेसीबी

चित्तौड़गढ़: विश्व प्रसिद्ध चित्तौड़ दुर्ग को अतिक्रमण मुक्त करने की मुहिम में जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है. जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने साफ किया कि अतिक्रमण हटाने में लगी जेसीबी, मशीनरी, श्रमिकों और पुलिस जाप्ते पर हुए करीब 1.50 लाख रुपये के खर्च की वसूली भी अतिक्रमणकारियों से ही की जाएगी. नियम तोड़ा तो आर्थिक दंड भी भरना होगा.

चित्तौड़गढ़ जिला कलक्टर डॉ मंजू ने बताया कि रविवार को दुर्ग क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया गया. यहां युवराज सिंह और सत्यनारायण धोबी की ओर से बनाए गए दो मंजिला अवैध रेस्टोरेंट को ध्वस्त कर दिया गया. कार्रवाई शाम तक चली और इसमें 10 जेसीबी, 20 से अधिक ट्रैक्टर और कटर मशीनों के साथ नगर परिषद के 50 से ज्यादा कार्मिक लगे. करीब 125 ट्रैक्टर मलबा, सरिया और निर्माण सामग्री हटाई गई. दोनों के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए गए हैं. इस अतिक्रमण को हटाने में करीब डेढ लाख रुपये का खर्च हुआ है. यह राशि भी इन अतिक्रमियों से वसूल की जाएगी.

जिला कलक्टर ने बताया कि दुर्ग क्षेत्र में अवैध निर्माण की शिकायतों पर जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया. चिन्हित स्थलों का भौतिक सत्यापन कर कार्रवाई की गई. कलक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि चित्तौड़ दुर्ग सिर्फ राजस्थान नहीं, पूरे देश की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पहचान है. इसकी मूल संरचना और पुरातात्विक महत्व से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी.

एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने चेतावनी दी कि दुर्ग क्षेत्र में बिना अनुमति रेत, सीमेंट, पत्थर ले जाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी. भविष्य में अवैध निर्माण या सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों पर एफआईआर दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी. पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग दे रही है.जिला कलक्टर ने बताया कि अभियान के दौरान सफाई, पेयजल, विद्युत, सड़क मरम्मत, पार्किंग, प्रकाश और यातायात व्यवस्था की समीक्षा हुई. इसके लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई.

ससुराल पक्ष से परेशान युवक ने फंदा लगाकर दी जान

गुरुग्राम: सरहोल गांव में एक 26 वर्षीय युवक ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने सोमवार को बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के दमोह जिले के मुरहैया गांव निवासी हुकुम अहीर के रूप में हुई है. वह गुरुग्राम में राजमिस्त्री का काम करता था और सरहोल गांव में किराए के मकान में रह रहा था. हुकुम अहीर का दो साल का एक बेटा है. उसकी मौत की सूचना मिलते ही परिजन मध्य प्रदेश से गुरुग्राम पहुंचे. परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष हुकुम को लगातार परेशान किया जा रहा था. इसलिए वह मानसिक तनाव में था. इसी तनाव के चलते उसने यह आत्महत्या करने का कदम उठाया. सोमवार को पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि परिजनों के बयान दर्ज किए गए हैं. उनकी शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है.

लोकतंत्र की दुहाई देने वाले बता रहे अपनी पार्टी की मानसिकता: शेखावत

जोधपुर: केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से दिए गए बयान पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि जो लोग लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं वो अपनी पार्टी की मानसिकता बता रहे हैं. आपातकाल में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने यह प्रयास किया था, लेकिन उस समय भाजपा नहीं थी. उनकी पार्टी ने 1992 में राष्ट्रीय स्वयं संघ पर बैन लगाया था. वो अपनी पार्टी की मानसिकता बता रहे हैं, लेकिन भाजपा पर बैन लगाना अब सपने की बात रह गई है. यह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है. यह बात वो लोग कर रहे हैं, जो अप्रासंगिक हो चुके हैं. यह बात उन्होंने सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कही. गहलोत ने एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर आज इंदिरा गांधी होती तो भाजपा की वर्तमान नीतियों के चलते इस पार्टी पर बैन लगा देती.

उन्होंने कहा कि प्रदेश और जोधपुर में पेयजल के हालात की दुर्दशा के लिए कोई जिम्मेदार है तो वो अशोक गहलोत हैं.

शेखावत ने उन्हें पापी बताया. उन्होंने कहा कि गहलोत कहते हैं कि उनकी सरकार गिराने का षड्यंत्र रचा गया, लेकिन वह एक भी प्रमाण इस बात का नहीं दे सके. उनके ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने आरोप लगाया था कि सरकार गिराने का षड्यंत्र गहलोत ने खुद किया था. वो अपने विधायकों के कॉल रिकॉर्ड करते थे. गहलोत ने इल्जाम दूसरों पर लगाया. शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत के कार्यकाल में, वो केंद्र में जल शक्ति मंत्री थे. राजस्थान को 27 हजार करोड़ रुपये की परियोजना दी थी. जोधपुर के लिए 6000 करोड़ के काम स्वीकृत हुए थे, लेकिन यहां भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया. यह किसकी जिम्मेदारी थी? अपनी सरकार बचाने के लिए विधायकों को खुली छूट दे दी थी. जल जीवन मिशन को इसकी भेंट चढ़ा दिया. इसके कारण आज सब परेशान हैं. इसके जिम्मेदार अशोक गहलोत हैं.

शेखावत ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में जोधपुर से 42 नई रेलगाडियां शुरू हुई हैं. हवाई सेवाओं में कई गुना विस्तार हुआ है और शहर को विभिन्न दिशाओं से एक्सप्रेस-वे नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है. उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2047 तक जोधपुर में मेट्रो रेल, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आधुनिक सडक़ नेटवर्क और बड़े औद्योगिक केंद्र विकसित होंगे. नए हवाई अड्डे को लेकर उन्होंने कहा कि भवन निर्माण पूरा होना पर्याप्त नहीं है. सभी सुरक्षा और तकनीकी मंजूरियां मिलने के बाद ही इसका संचालन शुरू किया जाएगा. वर्तमान टर्मिनल को भविष्य में न्यूनतम बदलाव के साथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जा सकेगा. एलिवेटेड रोड परियोजना का उल्लेख करते हुए शेखावत ने कहा कि इस योजना को रोकने और लटकाने के कई प्रयास हुए, लेकिन सभी बाधाओं को दूर कर परियोजना को आगे बढ़ाया गया. उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2029 तक राजस्थान में करीब 200 नई रेलगाडियां शुरू होंगी, जिससे प्रदेश की रेल संपर्क व्यवस्था और अधिक सशक्त होगी.

रोहतक अग्निकांड में मृतकों के परिजनों को दस-दस देगी हरियाणा सरकार

रोहतक: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रोहतक के डी-पार्क क्षेत्र में गत 9 जून को हुई भीषण आगजनी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया. उन्होंने सोमवार को प्रभावित बाजार का दौरा कर दुकानदारों से संवाद किया तथा दुकानों को हुए नुकसान का जायजा लिया. मुख्यमंत्री ने आगजनी में मृतक अमन कुमार पुत्र जगदीश, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि आग से भारी नुकसान झेलने वाले प्रतिष्ठानों को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता दी जाएगी.

दौरे के उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रेस प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ए सी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और अनेक प्रतिष्ठानों को अपनी चपेट में ले लिया. श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस दुखद घटना में अमन कुमार, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार की मृत्यु हुई है. उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए परमपिता परमात्मा से अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की.

नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार

भीषण आगजनी के पीड़ित परिवारों और व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी है. उन्होंने कहा कि मानव जीवन की क्षति की भरपाई संभव नहीं है, फिर भी राज्य सरकार पीड़ित परिवारों और प्रभावित व्यापारियों की हर संभव सहायता करेगी. श्री सैनी ने घोषणा की कि आगजनी में मृतक अमन कुमार पुत्र जगदीश, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी. आग से भारी नुकसान झेलने वाले प्रतिष्ठानों को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता दी जाएगी. सरकार द्वारा इस घटना में हुए नुकसान की पूरी भरपाई की कोशिश की जायेगी.मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस घटना में प्रभावित दिल्ली शूज के संचालक अमरजीत सिंह पुत्र रामप्रकाश को 5 लाख रुपये, रोहतक शूज कंपनी के संचालक सतीश कुमार पुत्र भूप सिंह को 5 लाख रुपये, शूज प्लाजा से गीता रानी पत्नी जय किशन को 5 लाख रुपये, रीगल शूज से इंदु जुनेजा पत्नी राजेश जुनेजा को 5 लाख रुपये, शिव जनरल स्टोर के नवनीत जुनेजा पुत्र हरीश कुमार को 5 लाख रुपये, बिंदु जनरल स्टोर के संचालक देशबंधु जैन पुत्र प्रकाशचंद जैन को 5 लाख रुपये, फुटलुक फुटवेयर के संचालक अशोक कुमार जैन को 5 लाख रुपये तथा कैलाश बूट हाउस के संचालक प्रियांशु कालड़ा पुत्र कैलाशचंद को 5 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी.

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आनंद फ्रूट जूस की संचालिका मीना कुमारी पत्नी टेकचंद तथा सहगल फ्रूट जूस के संचालक मुकेश पुत्र अशोक कुमार को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि रेहड़ी एवं छोटे कारोबारियों को भी राहत प्रदान की जाएगी. अन्नपूर्णा भोजनालय (रेहड़ी रोटी परांठा) को 50 हजार रुपये, किचन ऑन व्हील्स के संचालक गौरव पुत्र सतीश कुमार को 50 हजार रुपये तथा क्लॉथ खोखा एवं नारियल पानी के संचालक नीरज पुत्र दर्शन सिंह को 50 हजार रुपये की सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रदान की जाएगी.मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग (यूएलबी) द्वारा आगजनी से हुए नुकसान का विस्तृत आकंलन किया जा रहा है.

परिवार को बंधक बनाकर लूट के आरोप में एक बांग्लादेशी सहित चार गिरफ्तार

गुरुग्राम: सेक्टर-23 में चार जून 2026 की रात परिवार को बंधक बनाकर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का गुरुग्राम पुलिस ने भंडाफोड़ किया है. अपराध शाखा पालम विहार की टीम ने एक बांग्लादेशी सहित चार आरोपियों को द्वारका रोड स्थित बजघेड़ा अंडरपास से गिरफ्तार किया. पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने सोमवार को बताया कि वारदात में इस्तेमाल की गई कार भी बरामद कर ली है.पुलिस के अनुसार चार जून 2026 की रात करीब चार लोग सेक्टर-23 स्थित एक मकान की पिछली खिड़की की ग्रिल काटकर अंदर घुस आए. आरोपियों ने घर में मौजूद महिला और उसकी बेटी को बंधक बनाकर सोने-हीरे के आभूषण, नकदी और अन्य कीमती सामान लूट लिया. परिवार को जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए थे. पीड़ित की शिकायत पर थाना पालम विहार में मामला दर्ज किया गया था.

सुडोकू-78

	6			3			8	
		9	7			6	3	5
			6	9			4	
6		3		8	1			4
	7		5		3		9	
4			2	7		5		3
	3			1	2			
9	1	2			7	3		
	4			5			6	

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.

उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -77 का उत्तर

7	5	8	4	1	6	9	2	3
1	4	6	2	9	3	7	8	5
2	3	9	7	8	5	1	4	6
6	9	3	8	5	1	2	7	4
8	7	5	6	2	4	3	1	9
4	2	1	3	7	9	5	6	8
9	8	7	5	4	2	6	3	1
3	1	4	9	6	7	8	5	2
5	6	2	1	3	8	4	9	7

युवा शक्ति माथापच्ची- 99

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8	9		■	10	
11			■	12			■	
	■	■	■		■	■	13	
■	14							■
15		■	■		■	■	■	16
	■	17	18		■	19	20	
21	22	■	23		24	■	25	
26				■	27			

● **बाएं से दाएं**

1. गतिहीनता, स्थिरता, पड़ाव, 4. इस्तीफा, 7. नया, नवीन, नौ, 8. धड़ पर पहनने का वस्त्र, 10. शोभायुक्त, लिप्त, 11. सौगंध, 12. भिन्न उद्देश्य वाला, अनेकार्थक, 13. वन, डंठल काटने का औजार, 14. पूरे वेग से द्रव्य बाहर निकलना, 15. मस्त, प्रसन्न, धतूरा, 17. लौ, ज्वाला, गरम हवा का झोंका, 19. भोला-भाला, दोषहीन, बेगुनाह, 21. पीना, पेय, पत्ता, ताम्बूल, 23. पर्दा, मोटे कपड़े से बनाई दीवार या ओट, 25. अनुरक्त, आसक्त, 26. वह ऋतु जिसमें पेड़ो के पत्ते झड़ते है, 27. हथेली,

● **उपर से नीचे**

1. ठन-ठन का स्वर करना, रुक-रुक कर पीड़ा होना, टीस मारना, 2. लालसा, चाह, तृष्णा, 3. बगुला, एक दैत्य, 4. छोड़ना, 5. घड़ी का सांठवा भाग, 24 सेकेंड, 6. डर, पीड़ा दु:ख, 9. व्यर्थ दोष निकालना, 13. अन्न कण, अनाज, गोल वस्तु, शरीर पर निकला गोल गूमड़, 14. पाचन मे सहायक नीला पीला कड़वा द्रव्य, 15. बहुत बड़ा पाप, 16. बराबर सतह वाला, 18. पकड़ने का ढंग, जकड़, फिरौती के लिए पकड़ना, 20. रुप, आकृति, 22. विनीत, 24. सीमा, पर्यन्त.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 98 का हल

आ	म	र	ण	अ	न	श	न	■
धु	न	■	क्ष	■	■	ह	■	त
नि	■	सु	■	अ	म	र	हो	ना
का	वि	ल	■	धि	■	■	■	व
■	स्वा	भा	वि	क	रु	प	से	■
स	■	■	■	त	■	ग	ज	र
म	हा	न	ग	र	■	ड़ी	■	ग
स्त	■	व	■	■	हा	■	पा	ड़
■	दि	ल	में	चो	र	बै	ठ	ना

पश्चिम बंगाल के औद्योगीकरण में अग्रणी भूमिका निभाने का संकल्प : अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की पश्चिम बंगाल इकाई द्वारा आयोजित एक भव्य मिलन समारोह में संगठन ने पश्चिम बंगाल के औद्योगीकरण और समग्र आर्थिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाने का संकल्प लिया. यह संकल्प महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल के कोलकाता आगमन के अवसर पर महानगर के प्रतिष्ठित उद्योगपतियों, उद्यमियों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति में लिया गया. अपने संबोधन में श्री अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन केवल सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना से प्रेरित एक सशक्त मंच है. संगठन की प्राथमिकता राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए समग्र राष्ट्र के संतुलित एवं समावेशी विकास को गति प्रदान करना है. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की अनुकूल भौगोलिक अवस्थिति, प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता तथा दक्ष एवं प्रतिभाशाली

युवा शक्ति राज्य को औद्योगिक प्रगति के नए शिखर तक पहुंचाने में सक्षम हैं. आवश्यकता केवल उचित अवसर, सकारात्मक नीतियों और उद्योग-अनुकूल वातावरण की है. बैठक में उपस्थित उद्यमियों ने राज्य में निवेश, रोजगार सृजन, कौशल विकास तथा एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया. वक्ताओं ने कहा कि उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र के समन्वित विकास से पश्चिम बंगाल पुनः देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में अपना स्थान बना सकता है. कार्यक्रम का संचालन करते हुए महासम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील चौधरी ने सभी का परिचय कराया और कहा कि वैश्य समाज देश के प्रगति की धुरी है. वैश्य एकता और व्यवसायिक दक्षता को क्रियान्वित करने से ही पश्चिम बंगाल का कायाकल्प संभव है. कार्यक्रम में नेपाल महावाणिज्य दूतावास के कांसुलेट जनरल जे पी आचार्य, महासम्मेलन के सचिव प्रदीप लुहारीवाला, कोषाध्यक्ष अमित धनानिया, उपाध्यक्ष के के सिंघानिया, दिनेश बजाज एवं रामकिशोर लुहारीवाला, पूर्व विधायक विवेक गुप्ता सहित संदीप गर्ग, पवन माधोगढ़िया, अभ्युदय दूगड़, पवन भुवानिया, नारायण प्रसाद डालमिया, मुरारी लाल मुरारका, धर्मेन्द्र जैन, संजय हरलालका, प्रदीप दारुका, शोभित छावछरिया, राजकुमार शर्मा, सुधांशु शेखर, निकुंज सरावगी, रमेश सोन्थलिया, संजय पोद्दार, नारायण सरावगी, पवन कुमार पाटोदिया, राजेन्द्र सुरेका, मनोज पराशर, राजेश लुहारीवाला, सुनील जायसवाल तथा अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे. इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार की सांस्कृतिक राज्यमंत्री पूर्णिमा चक्रवर्ती का अभिनंदन भी किया गया. उपस्थित सदस्यों ने राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि और औद्योगिक विकास को साथ लेकर आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए पश्चिम बंगाल को समृद्ध, आत्मनिर्भर और निवेश-अनुकूल राज्य बनाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया. महासम्मेलन की पश्चिम बंगाल शाखा की ओर से अपने सदस्यों के लिए श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में उत्तम भोजन, आवास और दर्शन के साथ महाआरती में भाग लेने के मनोरम कार्यक्रम का उद्धाटन किया गया जिसकी उपस्थित सभी लोगों ने खूब सराहना की.

22 जून को नई औद्योगिक नीति की घोषणा संभव

सुगम भूमि अधिग्रहण, एकल खिड़की मंजूरी पर जोर

■ रोजगार सृजन, औद्योगिकीकरण को मिलेगा बढ़ावा

कोलकाता: भाजपा की पहली सरकार आगामी 22 जून को पेश होने वाले अपने पहले राज्य बजट में सुगम भूमि अधिग्रहण, एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली और निवेशकों के लिए प्रोत्साहनों के साथ एक नई औद्योगिक नीति की घोषणा कर सकती है. पश्चिम मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में सोमवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित नीति राज्य भर में औद्योगिकीकरण को गति देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के सरकारी प्रयासों का एक अहम हिस्सा होगी. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बजट में रोजगार बढ़ाने, औद्योगिकीकरण को गति देने और सामाजिक कल्याण सेवाओं को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से कई जन-हितैषी निर्णय शामिल होंगे. अधिकारी ने जन कल्याण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि हमारी औद्योगिक नीति आ रही है. हम एक नयी भूमि अधिग्रहण योजना, एकल खिड़की प्रणाली और उद्योगों के लिए प्रोत्साहन पेश करेंगे. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक विकास के माध्यम से रोजगार पैदा करना है. मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में कई अन्य महत्वपूर्ण कल्याणकारी निर्णयों की भी घोषणा की जाएगी. अधिकारी ने कहा कि राज्य विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से उद्यमियों को ऋण उपलब्ध कराने में सहायता करेगा, जिनमें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) शामिल हैं. सीएम ने कहा कि पात्र लाभार्थियों को कम ब्याज दरों पर सब्सिडी-युक्त ऋण प्राप्त करने में सहायता दी जाएगी, जिसमें सूक्ष्म एवं लघु व्यवसायों तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए बिना जमानत और बिना गारंटी वाले ऋण की सुविधाएं भी शामिल होंगी. मुख्यमंत्री ने चालू वित्त वर्ष के दौरान स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 10 लाख 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य भी घोषित किया. स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर अधिकारी ने कहा कि जुलाई से 1.43 करोड़ परिवारों को आयुष्मान भारत योजना के तहत लाया जाएगा. उन्होंने कहा कि इससे लगभग 6.5 करोड़ लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज का लाभ मिल सकेगा.

टीएमसी में टूट के बाद कांग्रेस ने लगाया आरोप

जयराम रमेश बोले– यह अमित शाह का खेल, खतरे में है सांविधानिक नियम

नई दिल्ली/कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने एक बहुत बड़ा फैसला लिया है. इन सभी सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने का एलान कर दिया है. इस घटना के बाद दिल्ली से लेकर बंगाल तक की राजनीति गरमा गई है. कांग्रेस पार्टी ने इस कदम को पूरी तरह से गैरकानूनी बताया है. कांग्रेस का सीधा आरोप है कि इस पूरे खेल के पीछे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हाथ है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने इस मामले पर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बड़ा बयान जारी किया. रमेश ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में एनडीए के लिए दो-तिहाई बहुमत चाहते हैं. इसी दो-तिहाई बहुमत को पाने के लिए उन्होंने यह पूरी योजना बनाई है. कांग्रेस नेता ने अमित शाह के काम करने के तरीके पर भी गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि शाह के पद पर रहते हुए देश के संवैधानिक नियम और मर्यादाएं खतरे में हैं. इस पूरे विवाद के बीच 'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया'(एनसीपीआई) का नाम सामने आया है. यह त्रिपुरा की एक छोटी राजनीतिक पार्टी है. यह चुनाव आयोग में रजिस्टर्ड है, लेकिन इसे मान्यता नहीं मिली है. इस पार्टी का जमीन पर कोई खास जनाधार नहीं है. साल 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में इस पार्टी ने केवल दो सीटों पर चुनाव लड़ा था. वहां भी इसके उम्मीदवारों को नोटा से कम या बहुत ही कम वोट मिले थे. जयराम रमेश ने इस पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि यह बहुत अजीब बात है. अब यह छोटी पार्टी एनडीए के अंदर टीडीपी और जेडीयू जैसी पुरानी और बड़ी पार्टियों से भी ज्यादा ताकतवर बनने जा रही है. इधर, बागी गुट के सांसद अरूप चक्रवर्ती ने सोमवार को अपना पक्ष रखा. उन्होंने साफ किया कि वे अपनी मूल पार्टी को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं. बागी सांसदों ने अब ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के असली चुनाव चिह्न पर भी अपना दावा ठोकने की बात कही है. दूसरी तरफ, ममता बनर्जी की मूल तृणमूल कांग्रेस इस बगावत के खिलाफ खड़ी हो गई है. टीएमसी ने कहा है कि यह पूरा दलबदल कानूनन गलत है. यह दलबदल विरोधी कानून के तहत अवैध है. इससे पहले, रविवार को इन 20 बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की थी. उन्होंने स्पीकर को एनसीपीआई में अपने विलय की लिखित जानकारी दी थी. आने वाले दिनों में यह कानूनी लड़ाई और तेज होगी.

फर्जी हस्ताक्षर मामले की सुनवाई से अलग हुए कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में विधायकों के फर्जी हस्ताक्षर मामले में सीआईडी की तलाशी से संबंधित केस की सुनवाई से कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने स्वयं को अलग कर लिया है. अदालत ने कहा कि डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पहले ही फर्जी हस्ताक्षर प्रकरण में उच्च न्यायालय की दूसरी पीठ के समक्ष याचिका दायर कर चुके हैं. ऐसे में एक ही मामले की सुनवाई दो अलग-अलग पीठों में होने पर परस्पर विरोधी आदेश आने की संभावना बन सकती है. न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने टिप्पणी की कि इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति कौशिक चंद की पीठ के समक्ष ही होनी चाहिए. इसी आधार पर उन्होंने मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग करने का निर्णय लिया. गौरतलब है कि, फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच के दौरान सीआईडी की एक टीम पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के कालीघाट आवास स्थित पार्टी कार्यालय पहुंची थी. हालांकि, शुरुआत में सीआईडी अधिकारियों को कार्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया गया. लगभग एक घंटे तक वहां मौजूद तृणमूल नेताओं के साथ बहस के बाद जांच दल कार्यालय के भीतर प्रवेश कर सका. इसके बाद अधिकारियों ने करीब दो घंटे तक परिसर में तलाशी अभियान चलाया. तृणमूल कांग्रेस के अधिवक्ता किशोर दत्त ने उच्च न्यायालय में आरोप लगाया कि सीआईडी बिना किसी वैध तलाशी वारंट और जब्ती सूची दस्तावेज के बलपूर्वक कार्यालय में घुसी थी. पार्टी ने सीआईडी की कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठाते हुए अदालत का रुख किया था. इस सप्ताह मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति भट्टाचार्य की पीठ में होने की संभावना थी, लेकिन उन्होंने इससे अलग होने का फैसला किया. इसी फर्जी हस्ताक्षर मामले में अभिषेक बनर्जी ने भी राहत की मांग करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसकी सुनवाई न्यायमूर्ति कौशिक चंद की पीठ में हुई. अदालत ने अंतरिम राहत देते हुए कहा था कि अगली सुनवाई तक सीआईडी उनके खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठा सकती. साथ ही अदालत ने अभिषेक को जांच एजेंसी के साथ सहयोग करने का निर्देश भी दिया था. न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया कि जब फर्जी हस्ताक्षर मामले से संबंधित अभिषेक बनर्जी की याचिका पर पहले से सुनवाई चल रही है, तब उसी प्रकरण से जुड़े अन्य मामलों की सुनवाई किसी दूसरी पीठ द्वारा नहीं की जानी चाहिए.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस : कोलकाता में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर रेड रोड 7 दिन बंद

कोलकाता: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता में होने वाले मुख्य कार्यक्रम में शामिल होंगे. रविवार को रेड रोड पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है. प्रधानमंत्री के साथ राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मंच साझा करेंगे. कार्यक्रम की तैयारियों को देखते हुए कोलकाता पुलिस ने रेड रोड को सात दिन के लिए बंद करने का निर्णय लिया है. मंच निर्माण का काम पहले ही शुरू हो चुका है. पुलिस के अनुसार, 15 से 21 जून तक रेड रोड पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी. कोलकाता के पुलिस आयुक्त अजय नंद द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया है कि 20 जून की रात दो बजे से एजेसी बोस रोड, मौलाली मोड़ और सेंट जॉर्जेस गेट रोड के रास्ते दक्षिण दिशा की ओर जाने वाले वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की जाएगी. योग दिवस कार्यक्रम समाप्त होने तक इन मार्गों पर मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर भी रोक रहेगी. इसके अलावा स्ट्रैंड रोड से राजा उडमंट स्ट्रीट जाने वाले मार्ग तथा सीआर एवेन्यू से दक्षिण की ओर जीसी एवेन्यू जाने वाले मार्ग पर भी प्रतिबंध लागू रहेगा. जवाहरलाल नेहरू रोड की दोनों लेनों में भी निर्धारित अवधि के दौरान मालवाहक वाहनों का संचालन बंद रहेगा.

आरजी कर मामले में सीबीआई की नई जांच तेज, अस्पताल पहुंची विशेष टीम

कोलकाता: आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या मामले की नई जांच के तहत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष जांच टीम ने सोमवार को अस्पताल का दौरा किया. जांचकर्ताओं ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की दोबारा पड़ताल शुरू की. कलकत्ता हाईकोर्ट ने 21 मई को सीबीआई के पूर्वी क्षेत्र के संयुक्त निदेशक के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर मामले की नए सिरे से जांच के आदेश दिए थे. अदालत के निर्देश के बाद जांच एजेंसी ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है. सीबीआई सूत्रों के अनुसार, घटना के दिन ड्यूटी पर मौजूद अस्पताल कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों से पूछताछ की गई. कई लोगों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं. जांच टीम डिजिटल और फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र कर रही है तथा अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज, घटना वाले दिन और उससे पहले के दिनों के ड्यूटी रोस्टर की भी गहन जांच कर रही है. सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसी मामले के घटनाक्रम को बेहतर ढंग से समझने के लिए घटनास्थल का पुनर्निर्माण भी कर सकती है. इसी उद्देश्य से अस्पताल परिसर में विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया गया. गौरतलब है कि अगस्त 2024 में आरजी कर अस्पताल की एक महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला सामने आया था. प्रारंभिक जांच के दौरान कोलकाता पुलिस ने संजय राय नामक एक सिविक वॉलंटियर को गिरफ्तार किया था. बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी. सुनवाई के बाद सियालदह अदालत ने संजय राय को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. पीड़िता के माता-पिता सीबीआई की पहली जांच से संतुष्ट नहीं थे. उन्होंने मामले की दोबारा जांच और नई एसआईटी गठित करने की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था. इसके बाद न्यायमूर्ति शम्पा सरकार और न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की खंडपीठ ने मामले में पुनः जांच का आदेश दिया. हाईकोर्ट ने सीबीआई की नई एसआईटी को जांच की प्रगति रिपोर्ट 25 जून तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है. अब इस बहुचर्चित मामले में नई जांच से किसी नए तथ्य के सामने आने की संभावना पर सबकी नजरें टिकी हैं.

जगद्दल का कुख्यात गैंगस्टर खोकन मंडल गिरफ्तार

उसे कमर में रस्सी बांधकर अदालत ले गई पुलिस

कोलकाता: जगद्दल का कुख्यात गैंगस्टर खोकन मंडल आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गया. पुलिस ने उसे रविवार देर रात गिरफ्तार किया. गिरफ्तार व्यक्ति को कमर में रस्सी बांधकर बैरकपुर उप-जिला न्यायालय ले जाया गया. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, 2023 के पंचायत चुनावों के दौरान, बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र में विपक्ष के खिलाफ लगातार आतंक फैलाने के आरोप लगे थे. भाजपा सहित कई विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने में बाधाओं का सामना करना पड़ा. जिन उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल करने का साहस किया, उनमें से कई को कथित तौर पर धमकियों और दबाव के तहत अपना नामांकन वापस लेने के लिए मजबूर किया गया. उस समय जगद्दल के पनपुर क्षेत्र के निवासी शुक्रदेव बिस्वास ने भाजपा के टिकट पर जिला परिषद सीट से चुनाव लड़ा था. उनके प्रतिद्वंदी क्षेत्र के प्रभावशाली तृणमूल नेता दीपक लाहिड़ी उर्फ बड़ा भाई थे. आरोप है कि चुनाव से पहले शुक्रदेव पर बार-बार उम्मीदवारी वापस लेने का दबाव डाला गया. हालांकि, उन्होंने इस दबाव के आगे घुटने नहीं टेके. चुनाव हारने के बावजूद उन्होंने अपने राजनीतिक पद से इस्तीफा नहीं दिया. इसके कुछ ही समय बाद एक दुखद घटना घटी. 26 अप्रैल, 2024 को

शुक्रदेव की रहस्यमय तरीके से मृत्यु हो गई. परिवार का आरोप है कि यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी. हालांकि उनका दावा है कि शुरुआत में इस घटना को दुर्घटना दिखाने की कोशिश की गई थी. शुक्रदेव की पत्नी शुक्ला बिस्वास अपने पति की मृत्यु के बाद से ही न्याय की गुहार लगा रही हैं. उनका आरोप है कि उन्हें न्याय नहीं मिला, बल्कि इसके विपरीत, उन्हें बार-बार उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा है. उनका दावा है कि राज्य में हाल ही में हुए राजनीतिक बदलावों के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है. आरोप है कि शनिवार को पानपुर पंचायत की उप प्रमुख सीमा बीबी के पति खोकन मंडल ने शुक्ला बिस्वास के साथ सड़क पर अश्लील टिप्पणी की. विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई. इसके बाद उन्होंने रविवार सुबह बसुदेबपुर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई. पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई. खोकोन मंडल को उसी रात गिरफ्तार कर लिया गया. स्थानीय लोगों का दावा है कि खोकोन, जिसे इलाके में लंबे समय से आतंक के पर्याय के रूप में जाना जाता है, पर हत्या और जबरन वसूली सहित कई आपराधिक गतिविधियों का आरोप है. शुक्ला बिस्वास के शब्दों में, मेरे पति की हत्या भाजपा की वजह से हुई. तब कोई उनके साथ खड़ा नहीं हुआ. आज भी मैं असुरक्षा से ग्रस्त हूं. खोकोन की हिंसा में अब भी कोई कमी नहीं आई है. मुझे सार्वजनिक रूप से अपमानित और परेशान किया गया है. खोकोन की गिरफ्तारी की खबर से इलाके में राहत मिली है. कई निवासियों का आरोप है कि वह लंबे समय से राजनीतिक संरक्षण के जरिए अपना दबदबा बनाए हुए था. हालांकि, स्थानीय तृणमूल नेतृत्व ने गिरफ्तारी पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की.

कोलकाता होगा योगमय, हुगली नदी में 509 नौका पर होगा आयोजन

नई दिल्ली/कोलकाता: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोलकाता में 10 लाख लोगों के साथ योग करेंगे. इस वर्ष के योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रखा गया है. मुख्य आयोजन के साथ हुगली नदी में 509 नाव पर योग किया जाएगा. राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में सोमवार को आयोजित विशेष 'कर्टेन रेज़र' पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग आज एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है. इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष की विशेष थीम स्वस्थ आयु के लिए योग रखा गया है. केंद्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने कहा कि इस वर्ष 21 जून को योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम कोलकाता में रेड रोड पर होगा. प्रताप राव जाधव कहा कि 20 जून को बंगाल दिवस भी मनाया जाएगा 19 जून को योग से ध्यान कार्यक्रम होगा. उन्होंने बताया कि कोलकाता में योग दिवस की तैयारी पूरी तेजी से चल रही है. पश्चिम बंगाल में कभी भी पिछले 50 वर्षों में योग को महत्व नहीं दिया गया जबकि बंगाल के स्वामी विवेकानंद ने योग का प्रचार प्रसार विश्व भर में किया था. इसलिए योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम इस बार कोलकाता में हो रहा है. 19 जून को कोलकाता में रन फ़ॉर योग का कार्यक्रम होगा. उन्होंने बताया कि दिल्ली में 38 स्थानों पर योग होगा. मुख्य कार्यक्रम दिल्ली के कर्तव्य पथ में होगा.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन